राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

आग लगने से तीन इंजीनियरों की मौत

• बोकारो, रविवार, 23 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 97 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

स्टील फैक्ट्री में आग लगने से तीन इंजीनियरों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। बरकाकाना थाना क्षेत्र के हेहल स्थित सीमेंट एंड इस्पात के पावर प्लांट में शनिवार को अचानक ब्लास्ट हो गया। हादसे में प्लांट में कार्यरत तीन इंजीनियरों की मौत हो गई, जबकि एक इंजीनियर गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हादसे को लेकर मजदूरों में भारी आक्रोश है और मृतकों के परिजनों के लिए उचित मुआवजे की मांग की जा रही है। मामले को लेकर बरकाकाना थाना प्रभारी उमाशंकर वर्मा ने बताया कि फैक्ट्री में काम करने के दौरान तीन कार्यरत कर्मियों की मौत हो गई है। जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। उनके बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है। बताया जा रहा है कि अत्यधिक तापमान के कारण पावर प्लांट के सिस्टम पर असर पड़ा। सभी प्रोटेक्शन सिस्टम फेल होने और टर्बाइन के ओवरस्पीड होने के बाद जोरदार ब्लास्ट होने की बात सामने आ रही है। हादसे में जागेश्वर विहार बोकारो के विनीत महतो, धनबाद के संजीव केसरी, और नगर उंटारी गढ़वा के अभिषेक पांडेय की मौत होने की सूचना है। वहीं हजारीबाग के तरुण रवानी गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद प्लांट में कार्यरत कर्मचारी अमित ने प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि पावर प्लांट के कंट्रोल रूम में तापमान लगातार बढ़ रहा था और एसी खराब होने के कारण काम करना मुश्किल हो गया था। कर्मचारियों की ओर से कई बार प्रबंधन और अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई थी। मजदूरों का कहना है कि टेंपरेचर गन से लगातार तापमान की रीडिंग लेकर प्रबंधन को भेजी जाती थी, बावजूद इसके कंट्रोल रूम की कूलिंग व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया। कर्मचारियों का आरोप है कि यदि समय रहते एसी को ठीक कर दिया जाता और सुरक्षा व्यवस्था को गंभीरता से लिया जाता तो शायद इतना बड़ा हादसा नहीं होता। हादसे के बाद मजदूरों और कर्मचारियों में आक्रोश है। कर्मचारियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ मृतकों के आश्रितों को उचित मुआवजा देने और घायल कर्मचारी के बेहतर इलाज की मांग की है।

तबीयत बिगड़ने से दो छात्रों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। बाजपट्टी थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव में शुक्रवार को कोचिंग से घर लौटने के बाद तीन छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। 15 वर्षीया किशोरी को एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, 16 वर्षीया दूसरी किशोरी को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर गांव लौट आए। तीसरी छात्रा का इलाज निजी क्लीनिक में चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है और चिकित्सक उसकी निगरानी कर रहे हैं।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में 51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला के 23 दिनों में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में 51 लाख 12 हजार 531 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया। इसमें बाह्य और आंतरिक अर्घा के माध्यम से किए गए जलार्पण को शामिल किया गया है। शनिवार को मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानियां ने श्रावणी मेला की पिछले एक सप्ताह की व्यवस्थाओं और उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उपायुक्त ने बताया कि बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विभिन्न मदों से अब तक 8 करोड़ 23 लाख 47 हजार 741 रुपये की आय हुई है। वहीं, परिवहन विभाग को अन्य राज्यों में निबंधित व्यावसायिक वाहनों से राज्य प्रवेश शुल्क के रूप में 70 लाख 09 हजार 800 रुपये प्राप्त हुए हैं। पेड़ा, सिंदूर सहित अन्य व्यवसायिक गतिविधियों से प्राप्त आय को मिलाकर संबंधित मदों में कुल करीब 3 करोड़ 10 लाख 58 हजार रुपये की प्राप्ति हुई है। उन्होंने बताया कि मेला के दौरान अस्थायी विद्युत व्यवस्था से 73 लाख 27 हजार 830 रुपये की आय हुई है। नगर निगम की ओर से भी अंतरराज्यीय बस पड़ाव, शौचालय सहित विभिन्न मदों से आय और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं की गयी है। मौके पर एसपी प्रवीण पुष्कर ने मेला क्षेत्र की सुरक्षा और पुलिसिंग व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था संभाली जा रही है। मेला के दौरान सामने आयी कमियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने बताए ठगी से बचने के तरीके

एमपीएल में साइबर सुरक्षा की पाठशाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को एमपीएल परिसर में साइबर सुरक्षा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। धनबाद पुलिस और एमपीएल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, एमपीएल के अधिकारियों-कर्मचारियों, टीपीएसडीआई के छात्र-छात्राओं और स्थानीय ग्रामीणों को साइबर ठगी के नए तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रामीण एसपी एस। मोहम्मद याकूब, डीएसपी साइबर प्रदीप कुमार साव और एमपीएल के सीईओ बासुदेव हांसदा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शिविर में पुलिस अधिकारियों ने सिम स्वैप, कॉल फॉरवर्डिंग, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश, केवाईसी फ्रॉड और एआई वॉइस क्लोनिंग सहित करीब 30 प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी। बताया गया कि साइबर अपराधी लोगों के विश्वास, डर और जल्दबाजी का फायदा उठाकर ठगी करते हैं। अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी संदेश और लालच भरे निवेश प्रस्तावों से सावधान रहने की अपील की गई। कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा जागरूकता पुस्तक का भी वितरण किया गया। वहीं, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर अपराध और सेक्सटॉर्सन से बचाव का संदेश दिया गया। 'एक क्लिक का चक्कर, साइबर चोर से बचकर' और 'नाकाब' नाटक ने लोगों को डिजिटल सावधानी के प्रति जागरूक किया। ग्रामीण एसपी ने कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। उन्होंने लोगों से ओटीपी, पिन, पासवर्ड और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी से साझा नहीं करने की अपील की। साथ ही संदिग्ध गतिविधि होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने को कहा। उन्होंने बताया कि धनबाद पुलिस का लक्ष्य जिले के करीब 35 लाख लोगों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाना है।

धनबाद में नहीं रुकेगी बीसीसीएल की खुदाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद के जामाडीह मौजा में 141.50 एकड़ जमीन को संरक्षित वन भूमि बताते हुए माइनिंग रोकने के मामले में झारखंड सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें झारखंड हाईकोर्ट के नवंबर 2024 के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) के पक्ष में फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार के माइनिंग रोकने संबंधी दोनों आदेशों को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने सुनवाई के बाद कहा कि राज्य सरकार की याचिका में कोई मेरिट नहीं है।

राज्य सरकार और बीसीसीएल के बीच यह कानूनी विवाद वर्ष 2010 में शुरू हुआ था। राज्य सरकार ने 25 अगस्त 2010 को आदेश जारी कर जामाडीह मौजा की 141.50 एकड़ जमीन पर माइनिंग बंद करने का निर्देश दिया था। सरकार का कहना था कि यह जमीन संरक्षित वन भूमि है और बिना अनुमति के यहां माइनिंग की जा रही है। इसके बाद राज्य सरकार ने 17 अगस्त 2016 को संशोधित आदेश जारी किया। इसमें प्लॉट नंबर 437, 230 और 419 को वन भूमि के दायरे से बाहर कर दिया गया था। बीसीसीएल ने दोनों आदेशों को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की थी। बीसीसीएल ने हाईकोर्ट में कहा था कि विवादित जमीन पहले बंगाल कोल कंपनी के अधीन थी। कोयला उद्योग के राष्ट्रीयकरण के बाद यह जमीन केंद्र सरकार और कोयला मंत्रालय के अधीन आ गई। इस जमीन पर पहले से माइनिंग होती रही है और वर्तमान में बीसीसीएल द्वारा माइनिंग की जा रही है। कंपनी का कहना था कि ऐसी स्थिति में राज्य सरकार द्वारा अचानक जमीन को वन भूमि बताते हुए माइनिंग रोकने का आदेश देना उचित नहीं है। वहीं, राज्य सरकार ने भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 29(3) का हवाला देते हुए कहा था कि जमीन को संरक्षित वन के रूप में घोषित किया गया है। इसलिए बिना अनुमति के माइनिंग करना कानून के खिलाफ है। राज्य सरकार की ओर से बीसीसीएल के प्रबंध निदेशक के खिलाफ कार्रवाई के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था।

पांच साल के पुत्र को कुएं में फेंक कर दी थी हत्या

पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। गोपीकांदर थाना क्षेत्र के धबोरना गांव के कुएं में दो माह पहले एक पांच वर्षीय बालक का शव बरामद हुआ था। मामले में परिजनों ने बालक की हत्या कर शव को कुएं में फेंकने की आशंका जताई थी। इस मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बालक की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं की थी, बल्कि उसे जन्म देने वाली मां ने ही की थी। पुलिस ने मामले में आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। गोपीकांदर थाना प्रभारी सुमित भगत के अनुसार महिला अपने पति के साथ लगातार हो रहे विवाद से परेशान थी। इस कारण उसने अपने पांच साल के पुत्र को ही कुएं में फेंक कर उसकी हत्या कर दी। महिला ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 जून को दुमका जिले के गोपीकांदर थाना क्षेत्र के धोबरना गांव से लगभग आधा किलोमीटर दूरी पर स्थित कुएं में पांच वर्षीय बालक अमन किस्कू का शव ग्रामीणों ने देखा था। बालक अपने ननिहाल में अपनी माता डोली टुडू (24 वर्ष) के साथ रहता था। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से डेडबॉडी को कुएं से निकाला गया। मामले में परिजनों और ग्रामीणों ने बालक की हत्या की आशंका जताई थी। घटना के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई थी।

रांची में अतिक्रमण पर नगर निगम का एक्शन

शैक्षणिक संस्थानों के आसपास से हटाए गए 15 अस्थायी ढांचे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य की राजधानी रांची में अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। शनिवार को निगम की इंफोर्समेंट टीम ने रांची वूमेंस कॉलेज, साइंस ब्लॉक मार्ग, परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक और बांधगाड़ी इलाके में अभियान चलाकर सड़क, फुटपाथ और सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई का खास फोकस शैक्षणिक संस्थानों के आसपास यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने पर रहा।

अतिक्रमण हटाए जाने के बाद आवागमन बेहतर हुआ

रांची वूमेंस कॉलेज और साइंस ब्लॉक मार्ग पर अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने 15 अस्थायी संरचनाएं हटाईं। इनमें चार काउंटर और दो टीन की दुकानें शामिल थीं। अभियान के दौरान अतिक्रमण में इस्तेमाल की जा रही अन्य सामग्री भी जब्त की गई। निगम टीम के मुताबिक, अतिक्रमण हटाए जाने के बाद इन मार्गों पर आवागमन बेहतर हुआ और जाम की स्थिति में कमी आई। नगर निगम की टीम ने परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक के पास शास्त्री मार्केट में भी कार्रवाई की। यहां दुकानों के सामने सड़क और सार्वजनिक स्थान पर बनाए गए दो बड़े काउंटरों को हटाकर उनको जब्त किया गया। इसके अलावा वार्ड संख्या-6 के बांधगाड़ी क्षेत्र में सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई हुई। निगम की टीम ने वहां चिन्हित दो स्थायी दुकानों को हटाया। एक मकान के छज्जे को भी हटाकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा लक्ष्य: नगर निगम

नगर निगम का कहना है कि सार्वजनिक मार्गों, फुटपाथों और सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त रखना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है, ताकि शहर में लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। निगम ने दुकानदारों और आम नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण नहीं करने की अपील की है। साथ ही स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

झारखंड पुलिस का शानदार प्रदर्शन, सिल्वर मेडल जीतकर बढ़ाया राज्य का गौरव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड पुलिस के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर के जुडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। तेलंगाना के हैदराबाद में आयोजित 11वीं ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता में झारखंड पुलिस के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया। ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर में झारखंड पुलिस ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों और पुलिस बलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच झारखंड पुलिस के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता है। शनिवार को प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर लौटे खिलाड़ियों और प्रशिक्षक का उत्साह बढ़ाने के लिए रांची जिला पुलिस की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। रांची पुलिस लाइन में सार्जेंट मेजर के द्वारा खिलाड़ियों और प्रशिक्षक को सम्मानित किया। ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर में झारखंड पुलिस की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वालों में हवलदार मनोज कुमार मांझी, जेएपी-10 और सहायक अवर निरीक्षक अमासी बारला, रांची जिला शामिल हैं। अमासी बारला अंतरराष्ट्रीय स्तर के वुशू खिलाड़ी भी हैं। दोनों ने प्रतियोगिता में अपने खेल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया। इस सम्मान समारोह के दौरान मौजूद अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रशिक्षक राजेश कुमार सिंह ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे भी इसी तरह मेहनत जारी रखने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी।

चीनी की बढ़ती कीमतों पर सरकार सख्त, जमाखोरी रोकने को देशभर में स्टॉक सीमा लागू

नई दिल्ली/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चीनी की बढ़ती कीमतों और त्योहारों के मौसम में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। 20 जुलाई 2026 को चीनी की कीमत 48.18 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो 20 अगस्त को बढ़कर 55.70 रुपये हो गई। सरकार ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी के लिए एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। सरकार के अनुसार एथेनॉल के लिए इस्तेमाल होने वाली चीनी का हिस्सा 2022-23 में करीब 12 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 9 प्रतिशत रह गया है। उत्पादित एथेनॉल का करीब तीन-चौथाई हिस्सा अब अनाज, विशेषकर मक्के से आता है। कीमतों में वृद्धि के प्रमुख कारण कम घरेलू उत्पादन, त्योहारों से पहले बढ़ी मांग, मौसम से गन्ने को नुकसान, वैश्विक आपूर्ति में कमी तथा सट्टेबाजी और जमाखोरी हैं। वर्तमान सत्र में चीनी उत्पादन करीब 306 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि शुरुआती अनुमान 343 लाख टन था। गन्ने में रेड रॉट, टॉप बोरर बीमारी और अधिक बारिश से जलभराव ने उत्पादन प्रभावित किया है। इसके बावजूद अक्टूबर में नए पेराई सत्र तक घरेलू मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त भंडार है। वैश्विक स्तर पर 2026-27 में करीब 33 लाख टन चीनी की कमी का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय कीमत 30 जून के 474 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 20 अगस्त को 552 डॉलर हो गई। जमाखोरी रोकने के लिए 1 अगस्त से 30 नवंबर तक डीलरों पर 400 टन की भंडार सीमा लगाई गई है। 1 सितंबर से थोक उपभोक्ता 15 दिन की खपत से अधिक भंडार नहीं रख सकेंगे। सरकार ने 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति भी दी है। राज्यों और मिलों को 15 अक्टूबर से पेराई शुरू करने की सलाह दी गई है।

सांसद-विधायकों के फोन पर तुरंत जवाब देंगे अधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में जनप्रतिनिधियों की ओर से अधिकारियों द्वारा फोन कॉल अटेंड नहीं करने की शिकायतों के बीच सरकार ने प्रोटोकॉल सख्त कर दिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नौकरशाहों को कार्यप्रणाली में सुधार करने का निर्देश दिया है। सरकार ने सांसदों और विधायकों के सम्मान और प्रोटोकॉल को लेकर अधिकारियों के लिए नियम कड़े किए हैं। अब किसी सांसद या विधायक का फोन आने पर संबंधित अधिकारी को तुरंत जवाब देना होगा। फोन रिसीव नहीं कर पाने की स्थिति में जल्द से जल्द वापस संपर्क करना होगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर अधिकारियों को प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। सरकार का कहना है कि जनप्रतिनिधि जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अधिकारियों से संपर्क करते हैं। ऐसे में उनके फोन और संदेशों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। जनहित से जुड़े उचित मामलों में आवश्यक कार्रवाई करना और इसकी जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधि को देना भी जरूरी होगा।

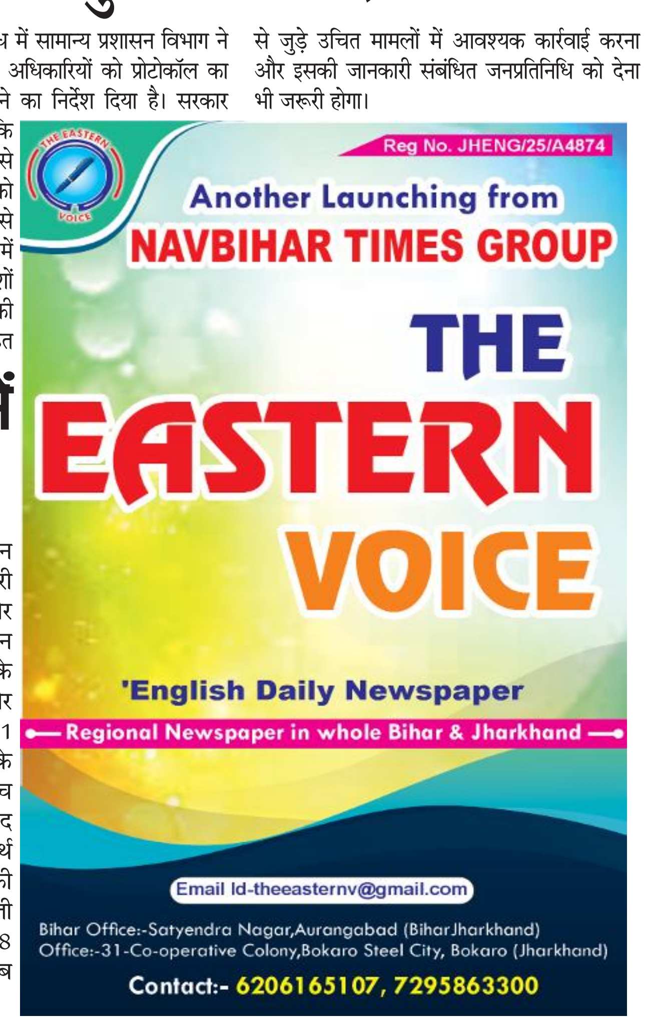

अनियंत्रित बस ने भीड़ को रौंदा, पांच की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया। बिहार के पश्चिमी चंपारण में एक बस बेकाबू होकर ऑर्केस्टा देख रहे लोगों की भीड़ में घुस गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य लोग घायल हुए हैं। घटना लौरिया थाना क्षेत्र की है। यहां देर रात भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई। बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग पर पराउ टोला बनकटवा के समीप तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चल रहे आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में जा घुसी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि बनकटवा निवासी शत्रुघ्न दुबे के घर बच्चे के छठियार का कार्यक्रम चल रहा था। इसी मौके पर सड़क किनारे आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान गोरखपुर की तरफ से बेतिया जा रही एक यात्री बस और सामने से आ रहे ट्रक के बीच टक्कर से बचने की कोशिश में बस अनियंत्रित हो गई और सीधे कार्यक्रम स्थल में जा घुसी। बस की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए।

मृतक के परिजनों के मुताबिक इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान बनकटवा निवासी बहादुर महतो, संजय कुमार, भोला दुबे, देवेंद्र दुबे और छांगुर राम के रूप में बताई जा रही है। हालांकि, स्थानीय पुलिस की ओर से अभी तक मृतकों की संख्या पांच होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस हादसे की सबसे दर्दनाक तस्वीर यह है कि मृतकों में देवेंद्र दुबे भी शामिल हैं, जिनके बच्चे का छठियार कार्यक्रम उसी वक्त चल रहा था। जिस घर में बच्चे के आने की खुशी मनाई जा रही थी, वहां देखते ही देखते मातम पसर गया। घटना की सूचना मिलते ही लौरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के जरिए बेतिया जीएमसीएच भेजा गया। घायलों में विनय कुमार यादव, श्याम बाबू, मोती चंद्र महतो और नरेश राम समेत अन्य लोग शामिल बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शी और मृतक के भाई जयप्रकाश महतो के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान अचानक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर आर्केस्ट्रा में घुस गई, जिसके बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बस और ट्रक में तोड़फोड़ भी की। स्थिति को देखते हुए नरकटियागंज एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर शांत कराया।

स्मैक तस्करी के आरोप में भाई-बहन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नशे के कारोबार के खिलाफ कटिहार पुलिस की कार्रवाई के दौरान मुफस्सिल थाना पुलिस ने स्मैक तस्करी के आरोप में एक भाई-बहन को गिरफ्तार किया है। रामपुर गांव में छापेमारी के दौरान दोनों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रामपुर गांव निवासी 28 वर्षीय विवेकानन्द यादव उर्फ विक्रम कुमार और 26 वर्षीय डौली कुमारी के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के पास से 28 ग्राम स्मैक, 58,020 रुपये नकद और 11 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, मुफस्सिल थानाध्यक्ष को रामपुर गांव में अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने गांव में छापेमारी की। पुलिस को देखते ही एक युवक और युवती भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन दोनों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से स्मैक, नकद और मोबाइल फोन बरामद हुए। एक साथ 11 मोबाइल मिलने के बाद पुलिस इनके इस्तेमाल और दोनों के संपर्कों की जांच कर रही है। सदर डीएसपी विशाल आनंद ने बताया कि रामपुर गांव में मादक पदार्थ की तस्करी की सूचना पर छापेमारी की गई थी। कार्रवाई में एक युवक और युवती गिरफ्तार हुए हैं। दोनों की तलाशी में 28 ग्राम स्मैक, 11 मोबाइल फोन और करीब 58 हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं।

राहुल दुबे गैंग से मुठभेड़ में दो अपराधी घायल, हथियारों के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। जिले के गिद्दी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात पुलिस और राहुल दुबे गैंग के सक्रिय सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गैंग के दो सदस्य पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया। घायल दोनों अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर इलाज के लिए सदर अस्पताल, हजारीबाग भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, 21/22 अगस्त की रात करीब 2:30 बजे पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गैंग के सक्रिय सदस्य गिद्दी थाना क्षेत्र के कोयला खनन एवं ट्रांसपोर्टिंग क्षेत्र में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव अमित आनंद के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। एसआईटी टीम ने उरीमारी ओपी प्रभारी समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों के सशस्त्र बल के साथ बुकरु गांव के जंगल एवं गिद्दी-भुरकुंडा रोड स्थित पुराने कांटा घर के पास सघन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान रात करीब 3:50 बजे एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्ति मुरकुंडा की ओर से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन पुलिस को देखकर तीनों अपराधी मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगे। इसी क्रम में असंतुलित होकर तीनों मोटरसाइकिल समेत गिर गए और उठकर जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने अपराधियों को रुकने के लिए कहा, लेकिन वे नहीं रुके। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर अपराधियों ने

पुलिस बल को निशाना बनाकर लगातार फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, छापेमारी दल ने सुरक्षित आड़ लेते हुए उन्हें बार-बार हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन अपराधी पुलिस पर रुक-रुक कर फायरिंग करते रहे। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें दो अपराधी घायल हो गए। एक अपराधी के दाहिने पैर में घुटने के पास तथा दूसरे के बाएं पैर में एड़ी के ऊपर गोली लगी। वहीं तीसरा अपराधी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल अपराधियों ने पूछताछ में अपनी पहचान बादल कुमार और मोहित कुमार उर्फ पीटर के रूप में बताई। पुलिस के अनुसार, दोनों राहुल दुबे गैंग के सक्रिय सदस्य हैं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि राहुल दुबे गैंग के इशारे पर तथा वर्तमान में रामगढ़ जेल में बंद दीपक करमाली उर्फ नेपाली के कहने पर वे एक अन्य साथी के साथ गिद्दी थाना क्षेत्र में लेवी वसूली के उद्देश्य से भय और दहशत फैलाने पहुंचे थे। बताया गया कि कोयला खनन क्षेत्र एवं ट्रांसपोर्टिंग रोड पर चलने वाले हाईवा वाहनों पर फायरिंग करने के लिए उन्हें हथियार और गोलियों के साथ भेजा गया था। गिरफ्तार अपराधी बादल कुमार, पिता मेवा राम उर्फ बिनोद राम, निवासी हनुमानगढ़ी, सीसीएल कॉलोनी, थाना पतरातु, जिला रामगढ़। मोहित कुमार उर्फ पीटर, पिता अशोक कुमार साव, निवासी रसदा, थाना बासल, जिला रामगढ़। बरामद सामान, 2 देशी पिस्टल, 2 जिंदा गोली, 1 मिस फायर गोली, 4 खोखा, 1 मोटरसाइकिल, 2 मोबाइल फोन, राहुल दुबे के नाम के 3 पर्चे। दोनों घायल अपराधियों को पुलिस अभिरक्षा में तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल, हजारीबाग भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस कार्रवाई का नेतृत्व अमित आनंद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव ने किया। छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक बड़कागांव अंचल शाहिद रजा, गिद्दी थाना प्रभारी मो. ईकबाल हुसैन, मुफ्फसिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार, केरेडारी थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय, उरीमारी ओपी प्रभारी रंथु उरांव, गिद्दी थाना के सशस्त्र बल तथा तकनीकी शाखा एवं संगठित अपराध शाखा के पुलिस पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे। गिद्दी थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई को हजारीबाग पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। फरार तीसरे अपराधी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला में 138 युवाओं को मिला ऑफर लेटर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड सरकार द्वारा राज्य के युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर रोजगार मेला एवं भर्ती कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखंड, रांची के निदेर्शानुसार जिला नियोजनालय, पलामू द्वारा आज दिनांक कराए गए। रोजगार मेले में शामिल अभ्यर्थियों की योग्यता, कौशल एवं उपलब्ध पदों के अनुरूप चयन प्रक्रिया के बाद 201 युवाओं को रोजगार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। वहीं, 138 युवाओं को विभिन्न ट्रेड एवं विभिन्न नियोक्ताओं द्वारा मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किया गया। इससे युवाओं में उत्साह का माहौल रहा और उन्हें रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का

22.08.2026 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर स्मृति भवन (टाउन हॉल), मेदिनीनगर में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला-2026 का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के 23 नियोजकों द्वारा विभिन्न ट्रेड एवं पदों पर नियुक्ति के लिए कुल 1,234 रिक्तियां उपलब्ध कराई गई। इनमें सर्विस एडवाइजर, सेंटर मैनेजर, मोबिलाइजर, सेल्स मैनेजर, ब्रांच मैनेजर, सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर, मशीन ऑपरेटर, शिक्षक, सेल्स कंसल्टेंट, रिलेशनशिप ऑफिसर, सेल्समैन, डिलीवरी बॉय, ट्रेनर, टेक्नीशियन, हेल्पर सहित विभिन्न पद शामिल हैं। इन पदों के लिए पलामू, गढ़वा, लातेहार, हजारीबाग, रांची सहित गुजरात, पुणे, चेन्नई, बेंगलुरु, महाराष्ट्र एवं अन्य स्थानों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध महत्वपूर्ण अवसर मिला। इस अवसर पर उपायुक्त, पलामू श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि रोजगार मेला युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। हमारा प्रयास केवल रोजगार प्राप्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनाना भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले के युवा जिस भी क्षेत्र में अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ना चाहते हैं, जिला प्रशासन उन्हें हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। युवा अपनी प्रतिभा, कौशल और मेहनत के बल पर न केवल स्वयं के लिए रोजगार के अवसर तैयार करें, बल्कि भविष्य में दूसरों के लिए भी रोजगार सृजन का माध्यम बनें।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग में खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण, खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन का निर्देश

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। उपायुक्त श्री हेमंत सती के आदेशानुसार एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग डॉ. शशि जायसवाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-01 श्री मंजर हुसैन के नेतृत्व में हजारीबाग क्षेत्र

अंतर्गत विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों एवं दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में मां शारदा स्वीट्स, डीसी ऑफिस के निकट, हजारीबाग का निरीक्षण किया गया। प्रतिष्ठान से खोवा एवं पनीर के नमूने संग्रहित किए गए। वहीं रामलाल स्वीट्स, सिंदूर से मिल्क केक का नमूना संग्रहित किया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य जांच खाद्य प्रयोगशाला, नामकुम, रांची भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मां शारदा स्वीट्स में पांच केन एक्सपायर्ड स्प्राइट पाए गए, जिन्हें खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा तत्काल नष्ट कराया गया। प्रतिष्ठान संचालक को निर्देश दिया गया कि किसी भी खाद्य सामग्री की बिक्री से पूर्व उसकी निर्माण तिथि एवं उपयोग की अंतिम तिथि की अनिवार्य रूप से जांच करें। एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री की बिक्री करते पाए जाने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सभी मिठाई एवं खाद्य प्रतिष्ठानों को निर्देशित किया गया कि खाद्य पदार्थों को अखबार में लपेटकर अथवा परोसकर ग्राहकों को उपलब्ध न कराया जाए। साथ ही मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मेटानिल येलो जैसे प्रतिबंधित रंगों का उपयोग नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने सभी दुकानदारों एवं प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता एवं गुणवत्ता से संबंधित निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन करने तथा ग्राहकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण दल में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, श्री अमरीश पांडे, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-03 श्री नावेद अंजुम, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-04 सुश्री श्वेता त्रिपाठी सहित श्री विकास शर्मा, श्री सूरज कुमार एवं श्री धनैश्वर कुशवाहा शामिल थे।

विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में रक्तदान शिविर

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर 22 अगस्त को पुराना बस स्टैंड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्यतिथि पर वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन एवं शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से लगाया गया। शिविर का उद्घाटन ब्लड मैन निर्मल जैन, आयुष विभाग के डॉ. जयकुमार, वार्ड पार्षद प्रभा गुप्ता एवं केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी हर्षा दीदी ने संयुक्त रूप से किया। शिविर का शुभारंभ सुरेंद्र गुप्ता, देवचंद यादव और

संतोष कुमार ने रक्तदान कर किया। इसके बाद विनोद, किशोर भारती, मोहन, आयुष आर्यन, शशि प्रसाद, भुवनेश्वर मेहता, रमेश मेहता, पवन केसरी, कुंदन यादव, सनी सिंह, पप्पू केसरी और संजय गुप्ता सहित कुल 14 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। एसोसिएशन अध्यक्ष निर्मल जैन ने सभी रक्तदाताओं एवं आयोजकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और बताया कि इस शिविर से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को काफी राहत मिलेगी। हर्षा दीदी ने कहा कि पूरे भारत में रक्तदान शिविर लगाए जा रहे हैं, रक्तदान महादान है। शिविर को सफल बनाने में महक, भाग्य नंदिनी, माधुरी प्रसाद, जया श्रीवास्तव, पिंकी केसरी, रिंकू गुप्ता, टेक्नीशियन शमशाद, पूनम कुजूर, उदय कुमार और हामिद का विशेष सहयोग रहा। शिविर के अंत में उपस्थित सभी लोगों को नशा छोड़ने की शपथ दिलाई गई।

21 ट्रकों में मवेशी लदे मिले, पुलिस ने रोका काफिला

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। बरही थाना क्षेत्र के करियातपुर-नईटांड़ के पास जीटी रोड पर शनिवार अहले सुबह करीब पांच बजे गश्ती के दौरान पुलिस ने मवेशियों से लदे 21 ट्रकों को रोक लिया। एक साथ इतने ट्रकों के रुकने से इलाके में हलचल मच गयी। पुलिस ने सभी वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि सभी ट्रकों में गोवंशीय पशु लदे थे. वाहनों के आगे और पीछे एनिमल कैरियर के बैनर लगे थे. बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर बिनोद कुमार ने बताया कि वाहनों को रोककर पशुओं और उनसे संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है. जांच पूरी होने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। पशुओं के सुरक्षित रखरखाव को लेकर बरकट्ठा पुलिस के सहयोग से फिलहाल उन्हें घंगरी में उतारकर रखा जा रहा है. पुलिस पशुओं की खरीद-बिक्री, परिवहन और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है. साथ ही यह भी सत्यापित किया जा रहा है कि पशु दुधारू हैं अथवा उनके परिवहन में किसी तरह की अनियमितता है। पशु मालिकों के साथ महिला अधिवक्ता भी पशु मालिकों के साथ एक महिला अधिवक्ता भी कार से चल रही थीं। बताया गया कि वह प्रशासन को आवश्यक कानूनी जानकारी दे रही थीं। हालांकि, पत्रकारों के सवालों पर उन्होंने किसी तरह का बयान देने से इनकार कर दिया। पशु मालिकों ने पुलिस को बताया कि वे बिहार के काराकाट मवेशी मेला से पशुओं को बंगाल के विभिन्न खटालों में ले जा रहे हैं।

लोकतंत्र से टकराने की दुःसाहस न करे हेमंत सरकार : डॉ. रवीन्द्र राय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । भारतीय जनता पार्टी, जिला कार्यालय, हजारीबाग में ,डॉक्टर रविंद्र राय ,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद द्वारा प्रेस वार्ता कर कल 21 अगस्त 2026 को छात्रों द्वारा शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से पुतला दहन कार्यक्रम पूरे झारखंड प्रदेश के साथ-साथ हजारीबाग मतवारी मैदान में, किया जा रहा था ।जिसमें सरकार की पुलिस एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं द्वारा जिस तरह का निंदनीय कार्य किया गया,। भारतीय जनता पार्टी इसकी घोर निंदा करती है। आगे डॉक्टर राय ने कहा कि छात्रों पर हमला सुनियोजित था। यह हमला रांची ,हजारीबग , गिरिडीह में विशेष तौर से की गई । हेमंत सरकार का तानाशाही तरीका कभी सफल नहीं होगा ।झारखंड में तो कभी संभव नहीं है । हेमंत सरकार का छात्र आंदोलन समाप्त करने का तरीका ही छलपूर्ण था। 25 से 30% नियुक्ति बेईमानी को बचाने के लिए 100% नौकरी समाप्त करना षड्यंत्र था। सरकार यह जानता था कि इस तरीके से कोर्ट का हस्तक्षेप होगा और नेताओं के चहेते बच जाएंगे ।इसीलिए सीबीआई जांच जरूरी है ।न्याय मांगने वालों की लाठी मिली हेमंत सरकार का सत्यानाश होना निश्चित है। इतिहास गवाह है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की गुंडागर्दी, खेत खलियान में लूट ,हिंसा और चंदा के रूप में रोड रोबरी करके अपना उल्लू सीधा करना झारखंड मुक्ति मोर्चा की पुरानी आदत है। वही चरित्र और मनोवृति फिर सामने आ रहा है ।कांग्रेस मौके का फायदा उठा रहा है और झारखंड मुक्ति मोर्चा के कंधे गोली चल रहा है। सत्ता के शीर्ष पर बैठे राज्य सरकार के मुख्यमंत्री और नेताओं के द्वारा प्रायोजित तरीके से इनके लोगों द्वारा छात्रों पर हमला करवाया गया। आए दिन लोकतंत्र के तहत सांसद, विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक का पुतला दहन कर विरोध किया जाता रहा है यह भी तरीका उन्हीं का एक हिस्सा था। जिसके तहत मुख्यमंत्री का पुतला दहन कार्यक्रम किया जा रहा था। आक्रमणकारी, पुलिस के संरक्षण में थे और यह कहना चाहते हैं, कि विनाश काले विपरीत बुद्धि, हेमंत सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है फूटने का समय आ गया है। लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई में भारतीय जनता पार्टी छात्रों के साथ खड़ी है। यह चरितार्थ सिद्ध होता प्रतीत हो रहा है कि जब नाश मनुष्य पर आता है, पहले विवेक मर जाता है । सता का दुरुपयोग करने का आदत तो कांग्रेस को पहले से था। एक तो नीम, और दूसरा करेला दोनों एक साथ हो गए हैं। प्रेस वार्ता कार्यक्रम में जिला महामंत्री सह जिला मीडिया प्रभारी,जय नारायण प्रसाद एवं जिला कार्यालय प्रभारी विवेक सिंह जी उपस्थित थे।

गिरिडीह में आज प्रस्तावित आक्रोश यात्रा पर रोक, प्रशासन ने नहीं दी अनुमति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर 22 अगस्त को प्रस्तावित आक्रोश यात्रा की अनुमति प्रशासन ने नहीं दी है। अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह धीरेंद्र कुमार ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यात्रा की अनुमति देने से तनाव बढ़ने और विधि-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी जनता जागरूकता संघ वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से आक्रोश यात्रा की अनुमति मांगी गई थी। आवेदन में 21 अगस्त को छात्रों के विरोध प्रदर्शन और एमएमडीआरएबी 2026 को लेकर शांतिपूर्ण धरना दिए जाने तथा बाद में दो पक्षों के बीच हुई झड़प का उल्लेख किया गया था। एसडीओ ने कहा कि आमजनों की सुरक्षा, शांति और विधि-व्यवस्था प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यात्रा की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने सभी पक्षों और आम लोगों से संयम बरतने तथा ऐसा कोई कदम नहीं उठाने की अपील की है, जिससे शहर की शांति प्रभावित हो। संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

छात्रों से मारपीट पर गरमाई सियासत, भाजपा ने खोला मोर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बाबूलाल मरांडी बोले- छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश लोकतंत्र की हत्या, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

गिरिडीह । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने पहुंचे छात्रों और झामुमो कार्यकताओं के बीच हुई मारपीट का मामला अब पूरी तरह सियासी रंग ले चुका है। शनिवार को गिरिडीह परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने घटना को लेकर राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला और इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया। बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने के लिए बल और दबाव का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग, रांची और गिरिडीह में छात्रों के साथ मारपीट की घटनाएं बेहद गंभीर और शर्मनाक हैं। उन्होंने वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की

पहचान होने का दावा करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।उन्होंने गिरिडीह की घटना को सुनियोजित बताते हुए झामुमो कार्यकर्ता इमरान अजीज खान के सोशल मीडिया संदेश की भी जांच कराने की मांग की। मरांडी ने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने की किसी भी कोशिश को भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी छात्रों और युवाओं के साथ सड़क से सदन तक मजबूती से खड़ी रहेगी।भाजपा नेता ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि दमन की नीति छोड़कर छात्रों की मांगों और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में बढ़ता आक्रोश आने वाले दिनों में सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है। प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत राय, जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, दिलीप वर्मा, चुन्नूकांत, अशोक उपाध्याय, सुनील पासवान, महादेव दुबे, सुभाष सिन्हा, नवीन सिन्हा, सुरेश प्रसाद मंडल, राजेश जायसवाल, मुकेश जालान, सिकंदर हेम्ब्रम, सुनीत सिंह, मिथुन चंद्रवंशी, अरविंद बरनवाल समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।भाजपा नेताओं ने स्पष्ट किया कि छात्रों के साथ हुई मारपीट के मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होने तक पार्टी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाती रहेगी।

छात्र मारपीट विवाद पर गरमाई सियासत आंदोलन के तरीके पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। छात्रों से मारपीट की घटना के बाद गिरिडीह की राजनीति में आरोप प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक विश्लेषण के साथ-साथ आंदोलन के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठने लगे हैं। बयान में कहा गया कि झामुमो की राजनीति में आदिवासी और मुस्लिम समाज महत्वपूर्ण आधार रहे हैं, लेकिन दोनों समुदायों से मजबूत स्वतंत्र नेतृत्व के उभरने की कमी महसूस होती है। आरोप लगाया गया कि इन समुदायों को अक्सर राजनीतिक रूप से वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया जाता है। गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में दोनों समुदायों की बड़ी आबादी का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यदि ये समाज अपना मजबूत नेतृत्व विकसित करें तो राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। वहीं जमीन और सत्ता से जुड़े मामलों को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए। खासकर गरीबों की जमीन से जुड़े मामलों में राजनीतिक प्रभाव के इस्तेमाल की बात कही गई। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुतला दहन को लेकर टकराव पर चिंता हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने को लेकर भाजपा की तैयारी और उसे रोकने की कोशिश को लेकर भी सवाल उठाए गए। बयान में कहा गया कि लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करना सभी का अधिकार है, लेकिन आंदोलन के नाम पर आपसी टकराव उचित नहीं है प्रशासन द्वारा प्रस्तावित आक्रोश यात्रा की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद टकराव की आशंका को लेकर चिंता जताई गई है। कहा गया कि यदि भाजपा और झामुमो दोनों पक्ष अपनी-अपनी तैयारी में जुटे हैं, तो स्थिति बिगड़ सकती है। ऐसे में आंदोलनकारियों से आपस में बातचीत कर तालमेल बनाने की अपील की गई छात्र कहीं का भी हो, अपना हैह्व बयान देने वाले ने कहा कि छात्रों के साथ हुई घटना के बाद वे अस्पताल भी गए थे, क्योंकि छात्र किसी भी संगठन या विचारधारा का हो, उसके साथ मारपीट को सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि सत्ता की ओर से लिया गया निर्णय गलत हो सकता है, लेकिन उसका जवाब टकराव से देने के बजाय बातचीत और लोकतांत्रिक तरीकों से दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन के कई लोकतांत्रिक रास्ते मौजूद हैं और जल्दबाजी में उठाया गया कदम माहौल को और खराब कर सकता है। प्रशासन की कार्रवाई को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि माहौल खराब होने की आशंका है तो राजनीतिक दलों को संयम से काम लेना चाहिए। अगर मैं जेएमएम जिलाध्यक्ष होता तो भाजपा नेताओं को माला पहनाताह्वबयान में राजनीतिक व्यंग्य करते हुए कहा गया कि यदि वे झामुमो के जिलाध्यक्ष होते तो भाजपा नेताओं का स्वागत करते और उनसे सवाल पूछते कि जब प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन हो रहा था।

वरीय अधिवक्ता अविनाश यादव के निधन से शोक की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार बार काउंसिल के पूर्व सचिव एवं 70 वर्षीय वरीय अधिवक्ता अविनाश यादव का पटना स्थित मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर से अधिवक्ता समाज सहित जिले के राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। मिलनसार स्वभाव और सामाजिक सरोकारों के लिए पहचाने जाने वाले अविनाश यादव के निधन पर सांसद तारिक अनवर ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। सांसद तारिक अनवर ने अपने शोक संदेश में कहा कि वरीय अधिवक्ता अविनाश यादव का व्यक्तित्व बेहद मिलनसार था। उनके निधन से व्यक्तिगत रूप से भी उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभेच्छुओं को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। वहीं सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने अविनाश यादव के आवास पर पहुंचकर उनके अंतिम दर्शन किए और पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

खेल महोत्सव का पोस्टर लॉन्च, मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने स्वीकार किया आमंत्रण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

8.30 लाख रुपये के नगद पुरस्कार, 1200 से अधिक खिलाड़ी होंगे शामिल, 29 से 31 अगस्त तक कर्जन ग्राउंड में होगा आयोजन

हजारीबाग ब्यूरो। खेल महोत्सव 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। झारखंड के खेल एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने खेल महोत्सव का पोस्टर लॉन्च किया और 29 से 31 अगस्त तक बाबू कुंवर सिंह स्टेडियम (कर्जन ग्राउंड), हजारीबाग में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय खेल महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण सहर्ष स्वीकार किया। इस अवसर पर हजारीबाग के महापौर अरविंद कुमार राणा, ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा, गिरिडीह की महापौर प्रमिला मेहरा, झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य सुनील कुमार तथा सहायक अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष सह आयोजन समिति के सदस्य चंदन मेहता मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को खेल महोत्सव में शामिल होने का

आमंत्रण दिया और उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही आयोजन की तैयारियों एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि झारखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार का प्रयास खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, उचित मंच और अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में आयोजित होने वाला खेल महोत्सव खिलाड़ियों के लिए निश्चित रूप से उत्साहवर्धक साबित होगा। ऐसे आयोजन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर देते हैं और झारखंड के खेल भविष्य को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। जिला प्रशासन के सहयोग से ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय खेल महोत्सव में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसमें 1200 से अधिक खिलाड़ियों के शामिल होने की संभावना है। खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए करीब 8.30 लाख रुपये की नगद पुरस्कार राशि रखी गई है। महापौर अरविंद कुमार राणा ने कहा कि खेल महोत्सव जिले के खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर है। जिला प्रशासन और ओलंपिक संघ के सहयोग से आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि खेल महोत्सव के माध्यम से खिलाड़ियों में अनुशासन, खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के साथ हजारीबाग को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने कहा कि खेल महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य हजारीबाग और झारखंड की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। जिले में प्रतिभाओं की भरमार है, जरूरत केवल उन्हें सही अवसर और अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए उपयुक्त मंच देने की है। उन्होंने कहा कि 29 से 31 अगस्त तक कर्जन ग्राउंड में खिलाड़ियों की प्रतिभा, उत्साह और खेल भावना का शानदार संगम देखने को मिलेगा। आयोजन समिति की ओर से खिलाड़ियों के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

बुखार से दो सगे भाईयों की मौत

परिवार के चार अन्य सदस्य भी बीमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केतार। गढ़वा जिला अंतर्गत केतार थाना क्षेत्र के पाचाडुमर गांव के बी मोड़ के समीप निवासी बुद्धि नारायण चेरो के दो पुत्रों की बीमारी से मौत हो गई। मृतकों में सात वर्षीय गोलू कुमार तथा दस वर्षीय सोनू कुमार शामिल हैं। बताया गया कि दोनों बच्चे पिछले दो दिनों से तेज बुखार से पीड़ित थे। वहीं, परिवार के चार अन्य सदस्य भी बीमार हैं। सूत्रों ने बताया कि स्थानीय लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। घटना के बाद इलाके में हड़कम्प व्याप्त है।

शनिवार को स्वजन दोनों बच्चों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केतार लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचने से पहले ही एक बच्चे की मौत हो गई।

वहीं, दूसरे बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक डॉ. साजिद ने उसे भवनाथपुर स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया। स्वजन उसे लेकर भवनाथपुर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने मौके पर पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली।

साथ ही उन्होंने तेज बुखार से पीड़ित बुद्धि नारायण चेरो एवं सुशील कुमार को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केतार अस्पताल भेजा।

बताया गया कि बुद्धि नारायण चेरो की पत्नी और बेटी भी बीमारी से ग्रसित हैं। एक ही परिवार में करीब आधा दर्जन लोगों के बीमार होने से चिंता बढ़ गई है।

इधर, मुखिया श्यामसुंदर बैठा ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार का ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। दोनों बच्चों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया की जा रही थी।

छात्र हित के नाम पर राजनीति बंद करे भाजपा : झामुमो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) धनबाद जिला समिति द्वारा आज धनबाद परिसदन (सर्किट हाउस) में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में जिला सचिव मन्नू आलम, केंद्रीय मीडिया पैनलिस्ट डॉ. नीलम मिश्रा, पूर्व मेयर चंद्र शेखर अग्रवाल, जिला प्रवक्ता समीर रवानी एवं महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रेस को संबोधित करते हुए जिला सचिव मन्नू आलम ने कहा कि भाजपा के पास झारखंड की जनता के बीच जाने के लिए अब कोई ठोस जनमुद्दा नहीं बचा है। यही कारण है कि वह छात्र-युवाओं की वास्तविक चिंताओं को राजनीतिक रंग देने और कोचिंग संस्थानों से जुड़े हितों के साथ मिलकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं की मांगों को लेकर राज्य सरकार ने गंभीरता से पहल की है और उनकी मांगों पर आवश्यक निर्णय लिए गए हैं। वर्तमान में मामला माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। न्यायालय ने सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। ऐसे में भाजपा द्वारा सड़क से न्यायालय तक चल रही प्रक्रिया को राजनीतिक मुद्दा बनाना छात्रों के हित में नहीं, बल्कि उन्हें गुमराह करने की कोशिश है। मन्नू आलम ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सरकार छात्र-युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है। सरकार न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष मजबूती से रखेगी और छात्रों को धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि यदि उसे वास्तव में छात्रों के भविष्य की चिंता है तो वह न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा क्यों नहीं करती?

उन्होंने कहा कि एमएमडीआर विधेयक झारखंड के खनिज संपदा, राजस्व और राज्य के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। भाजपा को इस मुद्दे पर झारखंड की जनता के सामने अपना स्पष्ट रुख रखना चाहिए। छात्र हित के मुद्दे की आड़ में एमएमडीआर विधेयक से जुड़े सवालों से जनता का ध्यान भटकाने की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी।

केंद्रीय मीडिया पैनलिस्ट डॉ. नीलम मिश्रा ने कहा कि भाजपा को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह छात्र-युवाओं के साथ खड़ी है या अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए उनके मुद्दे का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्या का समाधान नारेबाजी और राजनीतिक मंचों से नहीं, बल्कि संवैधानिक एवं न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होगा। उन्होंने कहा, जब सरकार अपना पक्ष न्यायालय में रखने जा रही है, तब भाजपा द्वारा लगातार छात्रों को आंदोलित करने और भ्रम पैदा करने का प्रयास किस उद्देश्य से किया जा रहा है, यह जनता समझ रही है। छात्र किसी राजनीतिक दल के मोहरे नहीं हैं। उनके भविष्य के साथ राजनीति करने के बजाय सभी दलों को जिम्मेदारी और संयम का परिचय देना चाहिए।

डॉ. नीलम मिश्रा ने आगे कहा कि झारखंड की सबसे बड़ी लड़ाई उसके जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा पर अधिकार की है। एमएमडीआर विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भाजपा की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा यदि सचमुच झारखंड के हित की बात करती है तो उसे पहले राज्य के अधिकार और खनिज संपदा से जुड़े विषय पर अपना पक्ष सार्वजनिक करना चाहिए।

पूर्व मेयर चंद्र शेखर अग्रवाल ने कहा कि धनबाद की जनता ने लंबे समय से कोयला, खनिज संपदा और उससे जुड़े अधिकारों के सवाल को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा सिर्फ आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि राज्य की जनता के अधिकार और भविष्य से जुड़ा विषय है।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सब से पहले 18 वर्षों के शासनकाल में कितना जेपीएससी और जे एस एस सी की सफल परीक्षा करवा पाई इस का हिसाब भाजपा को देना चाहिए पहली और दुसरी जेपीएससी में क्या हुआ पुरा झारखण्ड जानता हैं, भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा की कोचिंग माफिया के साथ मिलकर भाजपा छात्रों का इस्तेमाल करना चाहतीं हैं जो होने नहीं दिया जाएगा।साथ झारखण्ड से भाजपा के 9 सांसद को चेतावनी देते हुए कहा कि झारखण्ड के विकास के मुद्दों पर अगर आप पार्टी को प्राथमिकता देते हैं झारखण्ड को नहीं तो झारखण्ड की जनता आप को दुबारा सदन नहीं भेजेंगी

झामुमो नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि भाजपा पहले छात्र हित के नाम पर अपनी राजनीति बंद करे और एमएमडीआर विधेयक से झारखंड के हितों एवं अधिकारों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अपना स्पष्ट रुख जनता के सामने रखे। झारखंड की जनता अब मुद्दों पर जवाब चाहती है, राजनीतिक भ्रम और आरोप-प्रत्यारोप पर नहीं।

पथ प्रदर्शक शिविर

रोजाना सैकड़ों कांवरियों को मिल रही राहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला के दौरान सुल्तानगंज से बाबा बैद्यनाथ धाम की कठिन कांवर यात्रा कर पहुंच रहे शिवभक्तों के लिए पथ प्रदर्शक स्वयंसेवी संस्था का निःशुल्क सेवा शिविर राहत का बड़ा केंद्र बना हुआ है। देवघर के कांवरिया पथ स्थित धावाघाट में लगाए गए इस सेवा शिविर में लगातार 23वें दिन भी कांवरियों की सेवा जारी रही।

कांधे पर कांवर और उसमें गंगाजल लेकर करीब 98 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने वाले कांवरियों के पैरों में छाले, जख्म, सूजन और तेज दर्द की शिकायत आम है। लंबी और कठिन यात्रा के बाद जब थके-हारे कांवरिया धावाघाट स्थित पथ प्रदर्शक के सेवा शिविर में पहुंचते हैं, तो यहां उन्हें निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा के साथ पैरों की थकान दूर करने के लिए आधुनिक फुट मसाजर मशीन से मसाज की सुविधा दी जाती है।

शिविर में जख्म, फोड़ा, सूजन और दर्द से परेशान कांवरियों की प्राथमिक जांच कर मरहम-पट्टी एवं आवश्यक प्राथमिक उपचार भी किया जा रहा है। कई कांवरिया कुछ समय तक शिविर में रुककर पैरों की मसाज कराते हैं और राहत मिलने के बाद अपनी आगे की यात्रा पर निकल पड़ते हैं।

पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सुल्तानगंज से देवघर की लगभग 98 किलोमीटर की पैदल कांवर यात्रा आसान नहीं है। कांधे पर कांवर और गंगाजल लेकर लगातार पैदल चलने के कारण कांवरियों के पैर बुरी तरह थक जाते हैं और कई श्रद्धालु जख्मी भी हो जाते हैं।

ऐसे में संस्था का प्रयास है कि सेवा शिविर में पहुंचने वाले अधिक से अधिक शिवभक्तों को राहत और प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई जा सके।

उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 800 से 1000 थके, हारे और जख्मी कांवरियों को शिविर में प्राथमिक उपचार, मरहम-पट्टी, पैरों की मालिश और आधुनिक मसाज मशीन से मसाज की सेवा दी जा रही है। शिविर में आने वाले कांवरियों के लिए सेवा पूरी तरह निःशुल्क है।

पथ प्रदर्शक की टीम में शामिल साबिया परवीन, पूजा कुमारी एवं पूनम देवी भी लगातार 23 दिनों से सेवा कार्य में जुटी हुई हैं। दिन-रात कांवरियों की सेवा में लगी टीम का उद्देश्य कठिन कांवर यात्रा के दौरान शिवभक्तों को अधिकतम राहत पहुंचाना है।

सेवा शिविर में पहुंचने वाले कांवरिया भी पथ प्रदर्शक की इस पहल की सराहना कर रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि लंबी पैदल यात्रा के बाद पैरों की मसाज और प्राथमिक उपचार मिलने से उन्हें काफी राहत मिल रही है और वे नई ऊर्जा के साथ बाबा बैद्यनाथ के दर्शन के लिए आगे बढ़ पा रहे हैं। पथ प्रदर्शक का यह सेवा अभियान श्रद्धा, सेवा और मानवता का संदेश देते हुए लगातार जारी है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

दरभंगा। जिला पदाधिकारी कौशल कुमार के निदेशानुसार जिले में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मद्यनिषेध टीम, द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त, मद्यनिषेध, दरभंगा प्रदीप कुमार ने बताया कि मोरो थाना क्षेत्र अंतर्गत बसुआरा के समीप गुप्त सूचना के आधार पर एक टेम्पू की जांच की गई। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान टेम्पू से परिवहन कर ले जाई जा रही 342 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई।

उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा शराब के परिवहन में प्रयुक्त टेम्पू को जप्त कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध मद्यनिषेध अधिनियम के तहत अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

सहायक आयुक्त, मद्यनिषेध ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दीप्ति लेडीज क्लब ने मनाया सावन महोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के दीप्ति लेडीज क्लब की ओर से शनिवार शाम सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 22 अगस्त 2026 को शाम 5:30 बजे मैनेजमेंट डिपार्टमेंट ऑडिटोरियम में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप्ति लेडीज क्लब की अध्यक्ष शकुंतला मिश्रा ने किया।

सावन की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में गीत, संगीत और नृत्य की कई आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के बाद गणेश आरती से हुई। इसके बाद गणेश वंदना एवं शिव स्तुति पर नृत्य प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न ग्रुप डांस, ग्रुप सॉन्ग और सोलो डांस की प्रस्तुतियां भी हुईं। सावन के उत्साह और उमंग को ध्यान में रखते हुए सावन मेडली विशेष आकर्षण रही। कार्यक्रम में महिलाओं ने हरे रंग की ड्रेस कोड के साथ हिस्सा लिया, जिससे पूरा माहौल सावन के रंग में रंगा नजर आया। गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का खूब मनोरंजन किया।

दीप्ति लेडीज क्लब की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आपस में जुड़ने, अपनी प्रतिभा दिखाने और त्योहार की खुशियां साथ मिलकर मनाने का अवसर देना रहा। कार्यक्रम के बाद सभी के लिए डिनर का भी आयोजन किया गया।

एथेनॉल लदा अनियंत्रित टैंकर पलटा, तीन घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चांडिल। टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। चांडिल थाना क्षेत्र के चिलगू में निमार्णाधीन पुल के पास एथेनॉल से लदा अनियंत्रित टैंकर पलट गया।

दुर्घटना के दौरान टैंकर ने जमशेदपुर (टाटा) से रांची की ओर जा रही एक कार को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कार सवार तीन लोगों समेत टैंकर चालक घायल हो गए। राहत की बात यह रही कि सभी को हल्की चोटें आई हैं और वे बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार, एथेनॉल लदा टैंकर धनबाद से भुवनेश्वर की ओर जा रहा था। चिलगू के पास पुराने पुल को तोड़कर नए पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके कारण वाहनों की आवाजाही सिंगल लेन से कराई जा रही है।

टैंकर चालक विनय सिंह ने बताया कि सामने से एक साथ दो तेज रफ्तार वाहन आ रहे थे। उन्हें बचाने के प्रयास में टैंकर से नियंत्रण खो गया और वह सड़क पर पलट गया। इसी दौरान सामने से आ रही कार भी टैंकर की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई।

टैंकर के पलटते ही उसमें से अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ एथेनॉल का रिसाव शुरू हो गया। रिसाव की खबर फैलते ही आसपास के इलाके और राहगीरों में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही चांडिल थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर लोगों को दुर्घटनाग्रस्त वाहन से दूर रहने की हिदायत दी।

इसके बावजूद कुछ स्थानीय लोग अपनी जान जोखिम में डालकर बाल्टी और गैलन में एथेनॉल भरते नजर आए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लोगों को वहां से हटाया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल हाइड्रा क्रेन मंगवाकर पलटे टैंकर को सीधा कराने और क्षतिग्रस्त कार को मार्ग से हटाने की कार्रवाई शुरू की।

'विश्व उद्यमी दिवस' पर कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दरभंगा। इतिहास इस बात की गवाही देता है कि उद्यमियों की सृजनात्मकता एवं नवाचार ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक-सामाजिक विकास के नए कृर्तिमान गढ़े हैं । आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति तथा वर्ष-2047 तक ₹विकसित भारत₹ के निर्माण हेतु उद्यमिता को बढ़ावा देने की जरूरत है और यह तभी संभव है, जब उद्यमी उपक्रम स्थापित करें, सफल संचालन करें एवं रोजगार प्रदाता बनें। हम संकल्प लें कि 'विश्व उद्यमी दिवस' के पावन अवसर पर एक उद्यम स्थापन की सोच रखेंगे, तभी सही अर्थ में इस अवसर को मनाया जाना सार्थक होगा। ये बातें बतौर मुख्य अतिथि वाणिज्य संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो एच के सिंह ने कही। मालूम हो कि विश्व उद्यमी दिवस के अवसर पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग में ₹आत्मनिर्भर भारत को गतिशीलता- उद्यमियों की भूमिका₹ विषयक बौद्धिक विमर्श का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। बिहारगीत एवं विश्वविद्यालय कुलगीत के गायन के पश्चात आगत अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित उद्यमिता विषय-प्रेमी समूह का विभागीय शिक्षिका डॉ निर्मला कुशवाह द्वारा स्वागत संभाषण हुआ। वाणिज्य के सह प्राध्यापक एवं प्रबंध कार्यक्रम के उप-निदेशक डॉ दिवाकर झा ने इस बौद्धिक विमर्श की विषय-वस्तु को प्रस्तुत किया। इस क्रम में उन्होंने अमेरिका के विश्व-अगुआ बनने में उद्यमियों की भूमिका का भी वर्णन किया।

मुख्य वक्ता दरभंगा पब्लिक स्कूल के निदेशक शैक्षिक उद्यमी डॉ विशाल गौरव ने बिहार-खासकर मिथिलांचल के संदर्भ में उद्यमियों के राह की बाधाओं एवं उनके निवारण के उपायों की विस्तृत विवेचना की। उन्होंने उद्यमियों को सामाजिक स्वीकार्यता की वकालत की एवं उद्यमिता के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता जताई। अध्यक्षीय संबोधन में वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग के अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ राजकुमार साह ने एक सफल उद्यमी के गुणों का उल्लेख करते हुए खासकर युवाओं से अपील की कि वे आगे आएं, तत्पर होकर कर्मनिष्ठा के साथ दूरदर्शी सोच लेकर उद्यमिता की राह चलें और समुदाय -राष्ट्र-विश्व पटल पर अपनी पहचान स्थापित करें। विश्व उद्यमी दिवस के अवसर पर विभाग द्वारा आयोजित निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र वितरित किए जाने के पश्चात डॉ एसके ठाकुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का अंत राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के गायन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोध अध्येता रजनीश कुमार चौधरी द्वारा किया गया।

राखी प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कलवारा में शनिवार को विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं कला-कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छह से आठ तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कल्पनाशीलता का परिचय देते हुए सुंदर एवं आकर्षक राखियों का निर्माण किया विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया।

विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों, सजावटी सामग्रियों एवं आकर्षक डिजाइनों का प्रयोग करते हुए एक से बढ़कर एक राखियां बनाईं। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। बच्चों द्वारा तैयार की गई रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया विद्यालय के प्रधानाध्यापक बालमुकुंद सिंह ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि रचनात्मक प्रतियोगिताओं से बच्चों के कला-कौशल, आत्मविश्वास एवं कल्पनाशक्ति का विकास होता है। साथ ही भारतीय संस्कृति और पारंपरिक पर्व-त्योहारों के प्रति बच्चों की रुचि एवं जागरूकता भी बढ़ती है।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विजेता घोषित किया गया। कक्षा आठ से अमन, प्रिय रंजन, दिव्या, मीना एवं श्वेता ने बेहतर प्रदर्शन किया।

वहीं कक्षा सात से अंजना, सोमाली, लक्ष्मी एवं संध्या तथा कक्षा छह से रिशिका, सोनाक्षी, सुधांशु, माणिक एवं गुंजन ने अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सुरेंद्र मांझी, मिंटुलाह रहमानी, पंकज कुमार, रितेश कुमार, रोशन कुमार, गुरजंत सिंह, कामिनी कुमारी, अनिला कुमारी, संगीता कुमारी, नवजोत कौर एवं मंजू कुमारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा अंत में विद्यालय परिवार ने प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय प्रशासन ने कहा कि आगे भी विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा।

स्मार्ट मीटर ने बढ़ाई उपभोक्ताओं की परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मयूरहंड । प्रखंड के मंझगावां पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-2 से बिजली वितरण निगम का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। केंद्र में करीब तीन माह पूर्व बिजली का मीटर लगाकर कनेक्शन किया गया है।

इसके बाद से केंद्र में बिजली का किसी प्रकार का उपयोग नहीं होने के बावजूद निगम की ओर से बिजली का बिल भेज दिया गया है। आंगनबाड़ी सेविका सुनीता कुमारी के अनुसार, मीटर लगने के बाद से केंद्र में बिजली का कोई उपकरण संचालित नहीं किया गया है और न ही बिजली का उपभोग हुआ है।

इसके बावजूद 23 जुलाई कों 376 रुपया व 21 अगस्त को 523 रुपया का बिल आने से सेविका व ग्रामीण हैरान हैं। उनका कहना है कि जब बिजली का उपयोग ही नहीं हुआ तो बिल किस आधार पर भेजा गया।

वही मंझगावा के आगनबाड़ी केंद्र भाग 1 में भी कुछ इसी तरह का मामला है। वहां भी बिजली के बिना उपयोग के 3383 रुपए का बिल भेज दिया गया है। सेविका मालती देवी ने बताया की बिना बिजली का उपयोग किए बिल भेज देना समझ से परे है।

ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मामले की जांच कर मीटर की रीडिंग की जांच कराने तथा वास्तविक खपत के आधार पर ही बिल जारी करने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि नए कनेक्शन के साथ ही बिना खपत के बिल भेजे जाने से निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इधर, ग्रामीणों ने विभाग के वरीय अधिकारियों से मामले की जांच कर अनावश्यक रूप से भेजे गए बिल को सुधारने की मांग की है।

गंगा ने दिखाया रौद्र रूप, दहशत

बेगूसराय। तेघड़ा प्रखंड क्षेत्र में गंगा नदी के जलस्तर में पिछले दो-तीन दिनों से लगातार तेजी से वृद्धि हो रही है। अचानक रात से करीब डेढ़ फीट पानी बढ़ने के कारण रातगांव पंचायत के भगवानपुर चक्की के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी फैल गया है। वहीं, आधारपुर पंचायत के अजगर बर के समीप गुप्ता बांध तक पानी पहुंच गया है। जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से दियारा क्षेत्र के लोगों में बाढ़ की आशंका को लेकर चिंता बढ़ गई है।

तेघड़ा के प्रसिद्ध अयोध्या मिथिला गंगा घाट तक जाने वाले रास्ते पर भी गुप्ता बांध के समीप पानी पहुंच गया है। इसके कारण स्थानीय नाविकों ने नावों का संचालन शुरू कर दिया है। घाट पर शवों का दाह संस्कार करने पहुंचने वाले लोगों को अब गंगा घाट तक जाने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

महादेव घाट और बजलपुरा घाट के समीप भी गंगा का पानी गुप्ता बांध तक पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने से आसपास के निचले इलाकों में लगी फसलों पर भी संकट मंडराने लगा है। करीब सैकड़ों एकड़ में लगी मक्का, जनेर और ढैंचा की फसल पानी में डूब गई है।

25 फोटोग्राफरों को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर असर्फी हॉस्पिटल लिमिटेड एवं असर्फी कैंसर इंस्टीट्यूट, धनबाद द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धनबाद के 25 प्रतिष्ठित एवं सक्रिय फोटोग्राफरों को उनके उत्कृष्ट कार्यों, समाज की महत्वपूर्ण घटनाओं को कैमरे में सहेजने और जनसरोकारों को प्रभावी ढंग से सामने लाने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में असर्फी हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरेंद्र सिंह ने सभी फोटोग्राफरों को सम्मान-पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के इतिहास, भावनाओं और महत्वपूर्ण पलों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है।

श्री हरेंद्र सिंह ने इस अवसर पर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि आज की व्यस्त और भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने सभी लोगों से नियमित व्यायाम करने, संतुलित एवं पौष्टिक भोजन लेने, पर्याप्त नींद लेने, तनाव से दूर रहने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि सही जीवनशैली अपनाकर कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

उन्होंने विशेष रूप से फोटोग्राफरों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्य की प्रकृति काफी चुनौतीपूर्ण होती है। लंबे समय तक फील्ड में रहना, अनियमित दिनचर्या, लगातार यात्रा और अलग-अलग परिस्थितियों में काम करना उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है। ऐसे में उन्हें अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए, ताकि वे पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ समाज के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहें।

सम्मान समारोह में उपस्थित सभी फोटोग्राफरों ने असर्फी हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना करते हुए इसे विश्व फोटोग्राफी दिवस का एक यादगार और प्रेरणादायक आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि समाज में उनके कार्य को इस तरह सम्मान मिलना उनके लिए गर्व की बात है और इससे उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर फोटोग्राफरों और अस्पताल प्रबंधन के बीच स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक जीवनशैली जैसे विषयों पर भी संवाद हुआ। सभी सम्मानित फोटोग्राफरों ने असर्फी हॉस्पिटल द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों की प्रशंसा की और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक अभियानों में सहयोग देने का भरोसा जताया।

कार्यक्रम का समापन सभी 25 सम्मानित फोटोग्राफरों के साथ सामूहिक फोटो सेशन एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर असर्फी हॉस्पिटल ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि अस्पताल केवल गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करने के लिए भी निरंतर ऐसे सामाजिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

तेजस कार्यक्रम के माध्यम से नवादा में स्टार्टअप एवं उद्यमिता इकोसिस्टम को मिला बढ़ावा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, नवादा के सभागार में स्टार्टअप इंडिया (डीपीआइआइटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय) के तहत 'तेजस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देना और युवाओं में उद्यमिता की भावना को मजबूत करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी डीएम-सह-डीडीसी नीलिमा साहू, सहायक समाहर्ता प्रिंस राज, प्राचार्य डॉ. रोशन कुमार और उद्योग विभाग की महाप्रबंधक सुजाता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। डीपीआइआइटी के निदेशक ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। अधिकारियों ने युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार सृजक बनने और अपने इनोवेटिव आइडियाज को उद्यम में बदलने के लिए प्रेरित किया। जिला प्रशासन ने उद्यमियों को भूमि, विधि-व्यवस्था और स्वच्छता सहित हरसंभव प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिलाया। समारोह में स्थानीय स्टार्टअप्स और सरकारी योजनाओं से लाभान्वित उद्यमियों ने प्रदर्शनी स्टॉल लगाए। इनमें पीएमईजीपी से जुड़े तसर उद्योग, पीएमएफएमइ व मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत मिलेट उत्पाद और 'स्टार्टअप बिहार' से लाभान्वित पुष्पांजुरी के उत्पाद मुख्य आकर्षण रहे। अधिकारियों ने स्टॉलों का निरीक्षण कर उद्यमियों की सराहना की। इस दौरान सफल उद्यमियों ने अपने संघर्ष और सफलता की कहानियां साझा कीं। साथ ही मेंटरशिप, कैपेसिटी बिल्डिंग और विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। यह आयोजन जिला प्रशासन, उद्योग विभाग और स्टार्टअप इंडिया को एक मंच पर लाकर नवादा के उद्यमिता इकोसिस्टम को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम पहल साबित हुआ।

बीइओ ने विद्यालय प्रधानों के साथ की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। शनिवार को प्रखण्ड संसाधन केंद्र पकरीबरावां में प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालयों के प्रधानों के साथ बैठक की। बैठक दो शिफ्टों में की गई। पहले शिफ्ट में प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानों के साथ एवं दूसरे शिफ्ट में मध्य विद्यालय के प्रधानों के साथ बैठक हुई। बैठक में प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी ने साफ तौर पर कहा कि हाजिरी बनाकर गायब हो जाने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी। विद्यालय के प्रधान को निर्धारित अवधि के अंदर कभी भी कॉल कर जीपीएस कैमरा से सभी उपस्थित शिक्षकों की फोटो भेजने को कहा जाएगा। बैठक में कहा गया कि सभी विद्यालय प्रधान विद्यालय के नाम के ऊपर विद्या ददाति विनयम लिखवाएं। निपुण का लोगो भी विद्यालय में होना चाहिए। निपुण की लगातार जांच की जाएगी। कहा कि निरीक्षण पंजी होना जरूरी है। जब निरीक्षी पदाधिकारी विद्यालय जाएं तो उन्हें जरूर निरीक्षण पंजी देना है। विद्यांजली पर पकरीबरावां प्रखण्ड के शत प्रतिशत विद्यालय का रजिस्ट्रेशन होने पर बीइओ ने सभी प्रधानों को बधाई दी है। टेट उत्तीर्ण नहीं करने वाले शिक्षकों की सूची मांगी गई है। पाठ टीका का संधारण हर हाल में करने को कहा गया है। अपार आईडी बनाने पर जोर दिया गया। एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधे लगाने के लिए सभी विद्यालयों को लक्ष्य दिया गया। सभी प्रधानों को अपने शिक्षकों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाने को कहा गया। एमडीएम प्रभारी आलोक कुमार चंचल ने बरसात में भोजन बनवाते समय पूरी सतर्कता बरतने को कहा है। हर हाल में निर्धारित समय के अंदर उपस्थित बच्चों की संख्या में एमडीएम से लाभान्वित बच्चों की संख्या दर्ज करनी है। चावल को ड्रम में ही रखने को कहा गया है। सभी प्रधानों को दो दिनों के अंदर रसोइया एवं वेंडर से जुड़े प्रपत्र को जमा करने को कहा गया है। एमआईएस प्रभारी विक्रम कुमार ने नामांकित बच्चों की इन्ट्री ई शिक्षाकोष पर करने को कहा है। इस अवसर पर सुबोध कुमार, प्रभात कुमार प्रभाकर, डॉ.गुलाम दस्तगीर खान, नागेंद्र प्रसाद, संजय कुमार सुमन, राजेश कुमार पासवान, सुप्रिया बसंत, नवीन कुमार, संतोष कुमार, गणेश चौहान, मणिकांत मृत्युंजय, जयमिला कुमारी, विजय कुमार, विनय कुमार, सुलेखा कुमारी, मिलन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

प्रतिभा खोज परीक्षा आज, तैयारी पूरी

एक हजार से अधिक प्रतिभागी होंगे शामिल

नवादा। अखिल भारतीय मौर्य शिक्षक संघ शिक्षा मंच नवादा इकाई द्वारा आयोजित प्रतिभाखोज प्रतियोगिता परीक्षा-2026 आयोजन के लिए व्यापक तैयारी की जा रही है। इसके लिए समीक्षा बैठक मिर्जापुर स्थित कार्यालय में हुई। परीक्षा में लगभग एक हजार से ऊपर प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। इसके लिए जिले भर में कुल सात परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा का आयोजन 23 अगस्त रविवार को किया जाएगा। हर परीक्षा केंद्र के लिए अलग अलग केंद्राधीक्षक के अलावा उड़नदस्ता टीम भी नियुक्त किया गया है। इस बात की जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संरक्षक रामकिशुन प्रसाद एवं परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार ने बताया कि जिला मुख्यालय के गुरुदेव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, दिल्ली सेन्ट्रल स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, एम्बीसनस कैरियर इंस्टीट्यूट, संत मेही स्कूल,रोह प्रखंड के रेड रोज पब्लिक स्कूल कुम्हरावां, अकबरपुर प्रखंड के नवादा पब्लिक स्कूल गोसाई विगहा सहित कुल सात परीक्षा केंद्र बनाए गए है। शिक्षा मंच के जिलाध्यक्ष नगेन्द्र प्रसाद ने बताया की इस परीक्षा का उद्देश्य समाज में शैक्षणिक क्रांति लाना है। तथा हर प्रखंड से 20-20 सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

बैगलेस सुरक्षित के तहत सावन महोत्सव का आयोजन

नारदीगंज, नवादा। राजकीय बुनियादी विद्यालय, नारदीगंज में बैगलेस सुरक्षित शनिवार के तहत सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को लोक परंपरा, संस्कृति से जोड़ना और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना था। शून्य निवेश पर आधारित इस कार्यक्रम में बच्चों ने बीजों से आकर्षक इको-फ्रेंडली राखियां बनाईं। इन्हें विद्यालय व घर के पौधों पर बांधकर वृक्ष रक्षा का संकल्प लिया। सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को मेहंदी लगाई, ब्लैकबोर्ड पर शिवजी के चित्र उकेरे तथा फर्श पर रंगोली सजाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही रक्षाबंधन पर आधारित कविता व निबंध लेखन में भी भाग लिया। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक पल्लवी लिसा, शिक्षक पूनम कुमारी, अनिता शर्मा, रूबी राज सहित अन्य मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

कौआकोल। बाल विकास परियोजना कार्यालय में पदस्थ प्रखंड समन्वयक विकास कुमार एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर संजय कुमार शनिवार की सुबह नवादा से अपने कार्यालय कौआकोल आ रहे थे। इसी दौरान कौआकोल-रोह मुख्य पथ पर कोल्हुआर मोड़ के पास अचानक सड़क पर एक मवेशी आ जाने से उसे बचाने के क्रम में उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में दोनों घायल हो गए। हादसे में डाटा एंट्री ऑपरेटर संजय कुमार का पैर टूट गया है।दोनों का इलाज नवादा में चल रहा है। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद कार्यालय कर्मियों एवं परिचितों ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

जनता दरबार में दो मामलों का निष्पादन

कौआकोल। शनिवार को कौआकोल अंचल कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में दो मामले सुनवाई के लिए आए। सीओ चंदन चौधरी, राजस्व अधिकारी अनीश कुमार एवं कौआकोल थाना के पुलिस अधिकारी की संयुक्त उपस्थिति में दोनों मामलों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने संबंधित पक्षों की बात सुनने के बाद दोनों मामलों का मौके पर निष्पादन कर दिया। मौके पर कार्यालय लिपिक नीतीश कुमार समेत सभी राजस्व कर्मचारी मौजूद थे।

शराब धंधेबाज गिरफ्तार

रजौली। रजौली बाईपास पर फल दुकान की आड़ में शराब बेचने का धंधा करने वाले एक युवक को उत्पाद विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है। उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता ने शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे छापेमारी कर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ा। साथ ही शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बाइक को भी जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान रजौली थाना क्षेत्र के महसई मोहल्ला निवासी लक्ष्मण माली के पुत्र शिवशंकर कुमार उर्फ शंकर मालाकार के रूप में हुई है।

नवादा के लाल हवलदार दीपक कुमार को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले के काशीचक प्रखंड अंतर्गत दौलाचक गांव निवासी हरे राम सिंह के पुत्र एवं भारतीय सेना के हवलदार दीपक कुमार को देश की रक्षा के लिए अदम्य साहस, वीरता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया। उन्हें सेना मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके साहस और सैन्य सेवा की सराहना की गई। बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पुंछ-राजौरी सीमा के दुर्गम एवं चुनौतीपूर्ण इलाके में हवलदार दीपक कुमार ने अपनी बटालियन के साथ अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विषम परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने साहस, सूझबूझ और कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचय देते हुए अभियान को सफल बनाने में अतुलनीय योगदान दिया। देश की सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के लिए उनके समर्पण तथा बहादुरी को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सैन्य सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रपति के हाथों सम्मान प्राप्त करना न केवल हवलदार दीपक कुमार के लिए, बल्कि उनके परिवार, दौलाचक गांव और पूरे नवादा जिले के लिए गौरव का विषय है। दीपक कुमार की इस उपलब्धि से उनके पैतृक गांव में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी वीरता से नवादा का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया है।

निजी कंपनी की दवा लिखवाने के दबाव का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। सदर अस्पताल, नवादा में पदस्थापित चिकित्सक डॉ. निकेश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को पत्र भेजकर पार्टी के एक पदाधिकारी पर अपनी निजी कंपनी की दवा लिखवाने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। चिकित्सक ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। पत्र के अनुसार डॉ. निकेश कुमार सदर अस्पताल में एसएमओ के पद पर कार्यरत हैं और ड्यूटी के बाद अपना निजी क्लिनिक भी संचालित करते हैं। चिकित्सक का आरोप है कि उनके क्लिनिक में कार्यरत स्टाफ उदय कुमार के माध्यम से राहुल कुमार सिन्हा द्वारा अपनी कंपनी की दवा लिखवाने के लिए दबाव बनाया गया। पत्र में राहुल कुमार सिन्हा को भाजपा का महामंत्री, बीस सूत्री सदस्य तथा सह नगर अध्यक्ष, नवादा बताया गया है। डॉ. निकेश कुमार ने आरोप लगाया है कि संबंधित व्यक्ति ने अपने राजनीतिक प्रभाव का हवाला देते हुए स्टाफ तथा चिकित्सक पर दबाव बनाया। पत्र में यह भी उल्लेख है कि दवा नहीं लिखे जाने पर जिला पदाधिकारी एवं भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के समक्ष शिकायत करने की बात कही गई। चिकित्सक ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि उनके स्टाफ उदय कुमार के खिलाफ पद के दुरुपयोग और डॉक्टर तथा निजी नर्सिंग होम से अवैध वसूली से संबंधित एक आवेदन दिया गया, जिसे उन्होंने गलत बताया है। चिकित्सक ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से आग्रह किया है कि राहुल कुमार सिन्हा द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि आरोप गलत पाए जाते हैं तो पार्टी की गरिमा और छवि को बनाए रखने के लिए उचित कार्रवाई की जाए। पत्र की प्रतिलिपि भाजपा के संगठन महामंत्री, नवादा जिलाध्यक्ष तथा नवादा सांसद को भी भेजे जाने की बात कही गई है। हालांकि, पत्र में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। संबंधित पक्ष का बयान सामने आने के बाद ही मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

राशन कार्ड एंट्री प्रगति की समीक्षा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। प्रभारी जिला पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त नीलिमा साहू की अध्यक्षता में राशन कार्ड एंट्री की प्रगति की समीक्षा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर एवं रजौली, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी एवं सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में जिले में राशन कार्ड से संबंधित एंट्री कार्य की प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा की गई। प्रभारी जिला पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा लंबित कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड से संबंधित एंट्री कार्य में गति एवं शुद्धता, दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए। पात्र लाभुकों से संबंधित आवश्यक प्रविष्टियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में कार्य की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया।

नालंदा

सिलाव में मंत्री श्रवण कुमार ने 54 भूमिहीनों को दिया जमीन का पर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। सिलाव प्रखंड मुख्यालय सभागार में शनिवार को बिहार सरकार के ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने अंचल क्षेत्र के 54 भूमिहीन परिवारों को 3-3 डिसमिल जमीन का पर्चा प्रदान किया। साथ ही चंडी मौ गांव के 34 अग्नि पीड़ित किसानों के बीच फसल क्षति पूर्ति के तहत 1 लाख 90 हजार 524 रुपये की आपदा सहायता राशि का चेक भी वितरित किया। भूमिहीनों को पर्चा देते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा की राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि हर भूमिहीन परिवार को आवास योग्य जमीन उपलब्ध हो। इसी संकल्प के साथ सरकार निरंतर काम कर रही है। जमीन का पर्चा मिलने से अब ये परिवार अपना पक्का मकान बना सकेंगे और सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने चिन्हित किया है कि कोई भी गरीब बिना छत के न रहे। जमीन के साथ-साथ अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी इन्हें प्राथमिकता से दिया जाएगा।इस अवसर पर चंडी मौ गांव के किसानों को अग्निकांड में हुई फसल क्षति के मुआवजे के चेक सौंपते हुए मंत्री ने कहा, प्राकृतिक आपदा में किसानों को होने वाले नुकसान में सरकार उनके साथ खड़ी है। समय पर सहायता राशि उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है ताकि किसान अगली फसल की तैयारी कर सकें।मंत्री ने कहा कि सिलाव प्रखंड में विकास कार्यों को गति दी जा रही है और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रशासन को सख्त निर्देश दिए गए हैं। सांसद कौशेन्द्र कुमार ने बताया कि अंचल क्षेत्र में भूमिहीन परिवारों को चिन्हित कर उन्हें जमीन उपलब्ध कराने का कार्य लगातार चल रहा है। सर्वे के बाद पात्र लाभार्थियों को चरणबद्ध तरीके से पर्चा दिया जा रहा है।

सावन महोत्सव में संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और भाई-बहन के प्रेम का संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। स्थानीय मंगलास्थान स्थित डैफोडिल ग्रुप ऑफ स्कूल्स में सावन महोत्सव एवं रक्षाबंधन के अवसर पर भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण तथा भाई-बहन के पवित्र प्रेम को समर्पित विविध कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महोत्सव के दौरान सावन की हरियाली पर आधारित गीत-संगीत, मनमोहक नृत्य, इको-फ्रेंडली राखी मेकिंग और मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। गीत-संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियों ने विद्यालय परिसर को उत्सवी माहौल से भर दिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाली बढ़ाने और प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक रहने का संदेश दिया। इको-फ्रेंडली राखी मेकिंग प्रतियोगिता विशेष आकर्षण रही। बच्चों ने कागज, ऊन, कपड़े, मोती, पत्तियों सहित अन्य पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार कीं। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को प्लास्टिक और हानिकारक सामग्रियों से बचने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने आकर्षक डिजाइनों के जरिए अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया।विद्यालय सलाहकार समिति की अध्यक्ष रश्मि रानी ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन के सांस्कृतिक एवं भावनात्मक महत्व की जानकारी दी। चेयरमैन रंजीत प्रसाद सिंह एवं प्राचार्य डॉ. रवि चंद कुमार ने कहा कि त्योहार बच्चों को संस्कृति, परंपरा, पारिवारिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का बेहतर माध्यम हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में रचनात्मकता, संवेदनशीलता, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।कार्यक्रम की सफलता में प्रिया कुमारी, प्रीतम भास्कर, रेनू, सभ्यता चामलिंग, सुरवी राय, अनुषा रूपल, निशा भारती, श्यामा परवीन, फलक अमरीन, ज्योति कुमारी, शबाना तबस्सुम, प्रीति कुमारी, पूजा शर्मा, विद्या नंदन सिन्हा, अवधेश कुमार, सदफ नियाज, अनीशा राज, भावना कुमारी, पूनम, आसमां परवीन, प्रियदर्शिनी रानी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

बेटियों के सपनों को पंख देने के साथ गलत के खिलाफ आवाज उठाने की सीख

बिहारशरीफ। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बालिका उच्च विद्यालय, सोहसराय की छात्राओं के साथ जिला पदाधिकारी उदिता सिंह ने संवाद कार्यक्रम किया। इस दौरान छात्राओं ने अपने सपनों, सामाजिक चुनौतियों, विद्यालय की समस्याओं और जिले के विकास को लेकर खुलकर विचार रखे। छात्राओं ने पायलट, डॉक्टर, पुलिस अधिकारी, वकील, आईएएस, सेना, शिक्षक और जज बनने की इच्छा जताई। डीएम ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि लक्ष्य के प्रति आत्मविश्वास बनाए रखें और शिक्षा को अपने सपनों की मजबूत नींव बनाएं।संवाद के दौरान बाल विवाह और दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों पर भी चर्चा हुई। डीएम ने कहा कि कहीं गलत होता दिखे तो चुप नहीं रहें। बाल विवाह की सूचना प्रशासन को दें। उन्होंने कहा, सहे नहीं, कहे। गलत को गलत कहने का साहस रखिए। छात्राओं को शिक्षिका, प्रधानाध्यापिका या भरोसेमंद व्यक्ति से समस्या साझा करने तथा विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के माध्यम से शिकायत प्रशासन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।छात्राओं ने विद्यालय में हिंदी, विज्ञान व आर्ट्स के शिक्षकों की कमी, पेयजल, अतिरिक्त कक्षाओं तथा सुरक्षा बलों के आवासन से पढ़ाई प्रभावित होने की समस्या बताई। अब्राह्मपुर गांव में पेयजल संकट की जानकारी भी दी। डीएम ने समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।इसके बाद छात्राओं ने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का भ्रमण किया, जहां नोडल पदाधिकारी गुलरेज आलम ने 491 कैमरों, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और इमरजेंसी कॉल बॉक्स की कार्यप्रणाली समझाई। वन स्टॉप सेंटर में छात्राओं को बाल विवाह, दहेज, घरेलू हिंसा और उपलब्ध कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संबंधित पदाधिकारी, शिक्षिकाएं और छात्राएं मौजूद रही।

आपात स्थिति में जीवन बचाने के लिए सीपीआर प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। रोटरी क्लब ऑफ तथागत, बिहारशरीफ के तत्वावधान में शुक्रवार को सेंट जोसेफ एकेडमी में सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने की प्राथमिक जानकारी देना और उन्हें सीपीआर जैसी महत्वपूर्ण जीवनरक्षक तकनीक के प्रति जागरूक करना था।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को हृदयाघात अथवा अचानक बेहोशी की स्थिति में तत्काल प्राथमिक सहायता देने, सीपीआर की आवश्यकता पहचानने तथा प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा सीपीआर की सही प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी दी गई। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने सीपीआर की प्रक्रिया का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।प्रोजेक्ट चेयर रोटेरियन डॉ. इंद्रजीत कुमार, क्लब अध्यक्ष रोटेरियन महेश लोहानी, सचिव डॉ. नीरज कुमार के अलावा रोटेरियन परमेश्वर महतो, जोसेफ टीटी, बिपिन भास्कर, अमित कुमार, संजीव दास, रश्मि दास एवं कुमार बलजीत उपस्थित रहे। एम.डब्ल्यू. टीम के सदस्यों और इंटरैक्ट क्लब ऑफ सेंट जोसेफ एकेडमी के सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता की।क्लब सदस्यों ने कहा कि आपात स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक सहायता किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब भविष्य में भी जनहित और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम की सफलता में क्लब पदाधिकारियों, सदस्यों और सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नियोजित शिक्षकों ने डीइओ कार्यालय का किया घेराव

वेतन, एरियर, ईपीएफ और एचआरए में सुधार समेत सात सूत्री मांगों को लेकर जताया आक्रोश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। दो माह से वेतन का भुगतान नहीं होने से नाराज जिले के नियोजित शिक्षकों ने शनिवार को शिक्षा विभाग के कार्यालय का घेराव किया। परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला महासचिव इरफान मलिक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षक कार्यालय पहुंचे और बकाया वेतन समेत अन्य समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।शिक्षकों ने कहा कि दो माह से वेतन नहीं मिलने के कारण परिवार चलाने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई, राशन, किराया और विद्यालय आने-जाने के खर्च पर भी असर पड़ा है। कई शिक्षकों ने बैंक से ऋण ले रखा है, जिसकी किस्त समय पर जमा नहीं होने से सिबिल स्कोर प्रभावित होने की चिंता भी जताई।संघ ने आरोप लगाया कि आवंटन और सीएफएमएस में समस्या का हवाला देकर वेतन भुगतान में देरी की जा रही है। शिक्षकों ने कहा कि पूर्वी चंपारण में जुलाई का वेतन छह अगस्त को भुगतान कर दिया गया, तो नालंदा में देरी का कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि एरियर, ईपीएफ और एचआरए सुधार को लेकर दिए गए आवेदनों पर कार्रवाई नहीं हुई। जिला महासचिव ने बताया कि घेराव की सूचना 20 अगस्त को संबंधित अधिकारियों और लिपिक को दे दी गई थी। उन्होंने बकाया वेतन का तत्काल भुगतान और अन्य समस्याओं का एक सप्ताह के भीतर समाधान करने की मांग की।शिक्षकों की सात प्रमुख मांगेंएसएसए व जीओबी मद के दो माह के वेतन का भुगतान, लंबित एरियर का भुगतान, ईपीएफ खाते में सुधार, एचआरए संबंधी आवेदनों का निष्पादन, राजगीर के कक्षा एक से पांच के शिक्षकों के एरियर का भुगतान, कालबद्ध प्रोन्नति की लंबित प्रक्रिया पूरी करने तथा उर्दू विद्यालयों में गुरुवार को आधे दिन की पुरानी व्यवस्था लागू करने की मांग शामिल है।

काछियावां में अधूरा नाला निर्माण छोड़ राशि निकासी का आरोप

लोक शिकायत में मामला पहुंचने के बाद उठे सवाल, ग्रामीणों ने स्थल जांच की मांग की

नरनौसा। प्रखंड के काछियावां गांव में सरकारी राशि से कराए जा रहे नाला निर्माण में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि नाला निर्माण का कार्य आधा-अधूरा छोड़ दिया गया और निर्माण की गुणवत्ता भी मानक के अनुरूप नहीं है। इसके बावजूद पंचायत सचिव द्वारा योजना की राशि की निकासी कर ली गई। मामला लोक शिकायत में पहुंचने के बाद पूरे प्रकरण को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।ग्रामीणों के अनुसार सरयुग प्रसाद के खड़ से रामप्रवेश बिंद के खड़ तक नाला निर्माण के साथ उस पर ढक्कन का निर्माण कराया जाना था। लेकिन कार्य पूरा होने से पहले ही निर्माण बंद कर दिया गया। अधूरे और कथित घटिया निर्माण के कारण नाला बदहाल स्थिति में है। बरसात में पानी की निकासी बाधित होने से आसपास जलजमाव हो जाता है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती है।ग्रामीणों ने योजना पूरी किए बिना राशि निकासी पर सवाल उठाते हुए स्थल जांच, योजना की मापी, अभिलेखों की जांच और राशि का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है। आवेदन देने वालों में अमन पटेल, रौशन कुमार, शिवम कुमार, राहुल कुमार एवं देवशरण प्रसाद शामिल हैं। ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराया जाना चाहिए।

चोरसुआ पंचायत भवन में डाक संवाद, ग्रामीणों को सेवाओं से जोड़ने पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। ग्रामीण क्षेत्रों में डाक विभाग की सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने और आम लोगों को विभिन्न डाक योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से चोरसुआ पंचायत भवन में 'डाक संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बिहार सर्किल, पटना की मुख्य डाक महाध्यक्ष श्रीमती शशि शालिनी कुजूर ने शाखा डाकघरों के कार्यों की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों तक डाक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि डाक संवाद का उद्देश्य शाखा डाकघरों के कार्यों की समीक्षा के साथ ग्रामीणों को विभाग की विभिन्न सेवाओं की जानकारी देना है। विभाग की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है।डाक अधीक्षक, नालंदा मंडल कुंदन कुमार ने कहा कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक डाक सेवा पहुंचाने के लिए विभाग लगातार प्रयासरत है। उन्होंने शाखा डाककर्मियों को ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने और बेहतर सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में नालंदा मंडल के 28 शाखा डाकघरों के करीब 66 डाककर्मी शामिल हुए। इस दौरान सेवाओं में सुधार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।रक्षाबंधन को लेकर नालंदा डाक मंडल ने रविवार को भी डाकघर खोलने का निर्णय लिया है। डाक अधीक्षक कुंदन कुमार ने बताया कि राखी की बुकिंग के लिए विशेष व्यवस्था

जनसुनवाई में 21 मामलों की सुनवाई

बिहारशरीफ/नबिटा ब्यूरो। जिलाधिकारी उदिता सिंह ने शनिवार को आयोजित जन-सुनवाई में आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान कुल 21 जन-शिकायतों पर सुनवाई करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशील तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जन-सुनवाई में बाउंड्री वॉल हटाने, बीएड सत्र 2023-25 के परीक्षा परिणाम में कॉलेज की लापरवाही से अभ्यर्थी को अनुपस्थित (इेमदज) दर्शाए जाने एवं उसमें सुधार, विद्युत करंट लगने की घटना के बाद मुआवजा राशि का भुगतान नहीं होने सहित कई मामलों पर सुनवाई हुई। इसके अलावा 20 से 27 दिसंबर तक लगातार पांचवें वर्ष आयोजित होने वाले 'नालंदा बैडमिंटन प्रीमियर लीग' के लिए नालंदा हेल्थ क्लब परिसर के उपयोग की अनुमति से जुड़े मामले पर भी चर्चा हुई। बाउंड्री वॉल से संबंधित मामलों में डीएम ने अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को कार्रवाई का निर्देश दिया। बीएड परीक्षा परिणाम में सुधार के मामले में जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा विद्युत करंट से संबंधित मुआवजा मामलों में आपदा शाखा प्रबंधक को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। वहीं, बैडमिंटन प्रीमियर लीग के आयोजन के लिए परिसर उपयोग की अनुमति के मामले में नगर आयुक्त, नगर निगम, बिहारशरीफ को कार्रवाई का निर्देश दिया गया।

मेगा जॉब फेयर : चार दिनों में 13,394 युवाओं को मिला रोजगार

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज वितरित करेंगे नियुक्ति पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग और बिहार कौशल विकास मिशन की पहल रंग ला रही है। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, रिटेल एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों में आयोजित 'मेगा जॉब फेयर-2026' युवाओं के लिए रोजगार के बड़े मंच के रूप में सामने आया है। मेगा जॉब फेयर के चौथे दिन 9 हजार 500 से अधिक युवाओं ने इसमें भाग लिया जिनमें से विभिन्न कंपनियों के स्तर से 3 हजार 727 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। वहीं, 19 अगस्त से शुरू मेले में

अब तक 13 हजार 394 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। मेगा जॉब फेयर का नियुक्ति पत्र वितरण एवं समापन समारोह कल पटना के ज्ञान भवन में आयोजित किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। ऐसे में रोजगार की तलाश में जुटे युवाओं के लिए यह आयोजन न केवल चयन का मंच बना, बल्कि उनके करियर की नई शुरुआत का अवसर भी लेकर आया है। ज्ञान भवन में आयोजित मेगा जॉब फेयर में बिहार के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में युवा पहुंचे। देश के अलग-अलग हिस्सों से आई कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों की योग्यता और कौशल का आकलन किया। युवाओं ने आवेदन, साक्षात्कार और चयन की प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, बीमा, रिटेल समेत कई क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार अवसरों ने युवाओं को अपनी रुचि और योग्यता के अनुरूप करियर विकल्प तलाशने का अवसर दिया। खास बात यह रही कि युवाओं को रोजगार की तलाश में दूर-दराज के शहरों का रुख करने के बजाय एक ही मंच पर विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद और साक्षात्कार का अवसर मिला। मेगा जॉब फेयर का उद्देश्य केवल युवाओं को नौकरी उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उनके कौशल, योग्यता और उद्योग की जरूरतों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना भी रहा। बदलते रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और करियर के अवसर उपलब्ध कराने पर विभाग का विशेष जोर है। बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा कौशल विकास को रोजगार से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मेगा जॉब फेयर इसी कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां प्रशिक्षित एवं योग्य युवाओं को सीधे उद्योग और कंपनियों से जोड़ने का अवसर मिला।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने किया गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में रुद्राभिषेक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने आज सावन शुक्ल पक्ष की पावन नवमी तिथि पर गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया। मंत्री निशांत कुमार ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग पर जल, दुग्ध, गन्ना रस, डाब, अनार, मौसमी सहित अन्य फलों के रस के अलावा बेलपत्र अर्पित कर रुद्राभिषेक किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और जन-कल्याण के लिए प्रार्थना की। सावन मास में आयोजित इस रुद्राभिषेक में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी शामिल हुए। इस अवसर पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष एवं पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर रणवीर नंदन भी विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सावन का महीना आस्था और आराधना का महीना है और स्वास्थ्य मंत्री का इस प्राचीन ठाकुरबाड़ी में आकर रुद्राभिषेक करना सनातन परंपरा के प्रति उनकी गहरी आस्था को दर्शाता है। पूजन के उपरांत स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर वहां

अवस्थित विभिन्न देव विग्रह का भी दर्शन कर पूजा अर्चना की। साथ ही वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उपस्थित श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर मंदिर न्यास समिति के सदस्य एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रुद्राभिषेक, भारतीय ज्ञान पद्धति का उत्कृष्ट उदाहरण : विजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विद्यापीठ, कुर्जी, पटना में भारतीय संस्कृति एवं लोक शिक्षण परंपरा के अनुरूप श्रावणोत्सव रुद्राभिषेक अनुष्ठान का श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। अनुष्ठान का आयोजन पुरोहित पं. शम्भु झा के निर्देशन में वैदिक एवं पारंपरिक विधि-विधान से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं एवं बिहार विद्यापीठ परिवार के सदस्यों ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर लोकमंगल, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर का विशेष आकर्षण बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश, भा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) द्वारा रचित महत्वपूर्ण पुस्तक 'भारतीय ज्ञान परम्परा और समग्र अधिगम' का लोकार्पण रहा। पुस्तक में रुद्राभिषेक को एक प्रकरण-अध्ययन के रूप में प्रस्तुत करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित ज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यावहारिक कौशल, संस्कार, मूल्य तथा समग्र अधिगम के विभिन्न आयामों को रेखांकित किया गया है। पुस्तक यह दृष्टि प्रस्तुत करती है कि भारतीय पूजा, यज्ञ, व्रत एवं अनुष्ठान केवल धार्मिक आस्था के विषय नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवहारिक ज्ञान, सामाजिक अनुशासन, पर्यावरणीय चेतना, स्वास्थ्य-संबंधी परंपराएं, हस्तकौशल, सामुदायिक सहभागिता तथा नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का भी प्रसार होता रहा है।

दूरगामी सोच के साथ आगे बढ़ रही बिहार की नयी सरकार : सीता सिन्हा

उद्योगों के लिए 50 लाख करोड़ के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य तय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के विकास, राज्य की समृद्धि एवं जनता से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर बिहार सरकार लगातार केंद्रीय मंत्रियों से विमर्श कर व राज्य को विकास के नये पथ पर ले जाने के लिए अग्रसर है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कुशल नेतृत्व में बिहार अपने बजट के विस्तार, पर्यटन विकास, जलाशयों का कुशल प्रबंधन, सड़क एवं सेतुओं के निर्माण, चीनी मिलों का जिर्णोद्धार एवं एक करोड़ लोगों को नौकरी एवं रोजगार के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के समन्वय के साथ आगे बढ़ने की दिशा में संकल्पित है। इस आशय का वक्तव्य देते हुए पूर्व मंत्री, बीजेपी की वरिष्ठ नेत्री एवं रामकृष्ण द्वारिका कॉलेज की प्राचार्या सीता सिन्हा ने

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अत्यंत कम समय में ही नये मुख्यमंत्री ने कमान संभालते ही पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिहार के विकास के विजन को न केवल त्वरित गति प्रदान की है, बल्कि युवा, महिला, किसान एवं रोजगार व उद्योग के लिए कई लोकहित के फैसले किये हैं जो कुछ ही समय में धरातल पर दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने हाल ही में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बिहार के करीब दो लाख तीस हजार निर्धन वर्ग के लोगों को आवास मुहैया कराया है तथा जल्द ही लाखों अन्य लोगों को चिहिनत कर यह सुविधा जारी रखी जाएगी। उद्योगों के लिए 50 लाख करोड़ के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य तय कर कार्ययोजना पर काम शुरू हो चुका है और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह साफ कर दिया है कि अब वे उद्योगों को ही बिहार की अर्थव्यवस्था का इंजन बनाना चाहते हैं। सीता सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार के चहुंमुखी विकास का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। रिवरफ्रंट डेवलपमेंट एवं अर्बन ग्रोथ कॉरिडोर के द्वारा गंगा पथ का विस्तार कोइलवर से लेकर मोकामा तक 142 किलोमीटर के हाईस्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित करना, पटना में एलिवेटेड बाईपास एवं अंडरग्राउंड रूट से मेट्रो का विकास, चीनी मिलों के पुनरुत्थान से बिहार को फिर से 'चीनी का कटोरा' बनाने का प्रयास एवं इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जिंग स्टेशनों से रोजगार सृजन आदि उनके दूरगामी सोच को दर्शाने वाले निर्णय हैं जो बिहार के विकास का मील का पत्थर साबित होगा। पूर्व मंत्री ने जोर देकर कहा कि कुछ राजनीतिक दल निहित स्वार्थ के लिए मुख्यमंत्री पर अनर्गल आरोप लगाते रहते हैं, लेकिन हमलोगों को पूरा विश्वास है कि वे अपने अग्रिम कार्यों से ही उनको मुंहतोड़ जवाब देंगे।

गन्ना मूल्य 750 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नए पेराई सत्र 2026-27 से पहले गन्ना का मूल्य 750 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग तेज हो गई है। बिहार राज्य गन्ना किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री, गन्ना उद्योग विकास मंत्री, गन्ना सचिव और गन्ना आयुक्त को मेल भेजकर मामले में सीधे हस्तक्षेप की मांग की है। मोर्चा ने एक एकड़ गन्ना खेती की लागत का विस्तृत आंकड़ा भी सरकार के सामने रखा है। मोर्चा के अध्यक्ष अशोक प्रसाद सिंह और महासचिव प्रो. आनंद किशोर ने कहा कि सरकार चीनी मिलें शुरू कराने और गन्ना खेती को लेकर गंभीर है, लेकिन यही गंभीरता किसानों के हित में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार खेती की समग्र लागत पर डेढ़ गुना मूल्य देने का वादा करती रही है जबकि किसानों को फिलहाल लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। मोर्चा ने किसानों के साथ विमर्श के बाद एक एकड़ गन्ना खेती का विस्तृत लागत आंकड़ा तैयार किया है. खेत की तैयारी, ईख बीज, बीज काटना-छीलना, कंपोस्ट, डीएपी, पोटाश, यूरिया, जिंक, कीटनाशक, नाला चिराई, रोपनी, निकौनी, जुताई, छिड़काव, मिट्टी चढ़ाना, बंधाई, रखवाली, कटाई, ढुलाई-लदाई और अन्य खर्चों को जोड़कर कुल लागत 1,23,130 रुपये बताई गई है। इस पर 4 प्रतिशत ब्याज जोड़ने के बाद लागत 1,28,055 रुपये होती है. वहीं जमीन की न्यूनतम कीमत 15 लाख रुपये प्रति एकड़ मानकर 4 प्रतिशत ब्याज के रूप में 60 हजार रुपये जोड़ने पर कुल लागत 1,88,055 रुपये पहुंचती है। मोर्चा के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में एक एकड़ में करीब 250 क्विंटल गन्ने के उत्पादन का अनुमान है. कुल लागत 1,88,055 रुपये को 250 क्विंटल उत्पादन से विभाजित करने पर लागत करीब 752 रुपये प्रति क्विंटल बैठती है।

एनबीपीडीसीएल ने इंटर कंपनी टेबल टेनिस 2026 का खिताब जीता

खेल कार्य करने की ऊर्जा को बढ़ाता है : ऊर्जा सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विद्युत भवन के इंडोर हॉल में आयोजित इंटर कंपनी टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2026 में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने विजेता टीम का खिताब जीता जबकि बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड उपविजेता रही। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा दिखाई दी। टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2026 के प्रमुख परिणाम में मेन्स सिंगल का खिताब ओम प्रकाश ने जीता वहीं डबल्स के मेंस के विजेता के रूप में रंजीत कुमार और मनीष कुमार ने बाजी मारी। डबल्स के उपविजेता अजित प्रकाश और शक्ति सौरभ रहे। वहीं शानदार पारी खेलते हुए विमेन सिंगल की विजेता प्रीति रही एवं उपविजेता अनामिका रही। बिहार

स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड की अनुषंगी कम्पनियों के बीच खेले गए मैच में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को हरा कर विजेता का खिताब जीता। इंटर कंपनी टेबल टेनिस टूर्नामेंट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड अजय यादव और विशिष्ट अतिथि प्रबन्ध निदेशक विशाल राज ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान किए। इस अवसर पर टेबल टेनिस की राज्य स्तर की दो प्रतिभावान खिलाड़ी कुमारी अनन्या और रियांशी गुप्ता को ऊर्जा सचिव ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया ।

ऊर्जा सचिव ने कहा कि खेल से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ टीम भावना और अनुशासन का विकास होता है और ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों में उत्साह व एकजुटता बढ़ती है वहीं कार्य करने की क्षमता बढ़ती है ।

किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए नई पीढ़ी के बीज एवं फसल सुरक्षा उत्पाद पेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग, श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने पटना में नए फसल सुरक्षा, हाइब्रिड सीड और वैजीटेबल सीड प्रोडक्ट्स लॉन्च किए। कंपनी ने फसल सुरक्षा पोर्टफोलियो में श्रीराम सेनकुशा और श्रीराम एडेलॉन पेश किए। श्रीराम सेनकुशा उच्च-मूल्य वाली कृषि एवं बागवानी फसलों को लेपिडोप्टेरन कीटों एवं थ्रिप्स से सुरक्षा प्रदान करता है जबकि श्रीराम एडेलॉन मक्का की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए पोस्ट-इमर्जेंस हर्बिसाइड है। हाइब्रिड सीड्स सेगमेंट में श्रीराम 9662 रबी मक्का हाइब्रिड लॉन्च किया गया, जो जल्दी बुवाई के समय शानदार परिणाम देता है। वहीं, वैजीटेबल सीड्स सेगमेंट में करेले का हाइब्रिड बीज श्रीराम साम्भा पेश किया गया जिसमें वायरल बीमारियों व डाउनी मिल्ड्यू के लिए बेहतर सहनशीलता है। संजय छाबड़ा, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बिजनेस हेड, श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने कहा इन नए प्रोडक्ट्स का लॉन्च कृषि को नया आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केवाइपी महाआंदोलन की तैयारी, पुराने केंद्रों के संचालन एवं तत्काल प्रशिक्षण की मांग : डॉ. आनन्द रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में कई महीनों से बंद पड़े कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों में प्रशिक्षण शुरू नहीं होने तथा पुराने केंद्रों के भविष्य को लेकर केंद्र संचालकों में भारी आक्रोश है। विभागीय अधिकारियों से लगातार संपर्क के बावजूद सकारात्मक निर्णय नहीं मिलने पर केंद्र संचालकों ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। केंद्र संचालकों के अनुसार विभागीय मंत्री अरुण शंकर प्रसाद से जवाब मांगने के दौरान भी उन्हें स्पष्ट समाधान नहीं मिला। इसके बाद केंद्र संचालकों ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा। केंद्र संचालकों का कहना है कि उन्हें 24 घंटे में सकारात्मक निर्णय का

कुशल युवा कार्यक्रम

आश्वासन मिला था, लेकिन समय सीमा बीतने के बाद भी कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। वहीं विभाग की ओर से पुराने केंद्रों के स्थान पर नई टेंडर प्रक्रिया अपनाने की बात सामने आने से असंतोष और बढ़ गया है। केंद्र संचालकों ने कहा कि वर्षों से संचालित केंद्रों के पास आवश्यक आधारभूत संरचना, प्रशिक्षित मानव संसाधन और अनुभव मौजूद है। ऐसे में पुराने केंद्रों के नवीनीकरण के बजाय नई टेंडर प्रक्रिया अपनाना केंद्र संचालकों एवं कर्मचारियों के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। केंद्र संचालकों ने सरकार से मांग की कि केवाईपी केंद्रों में तत्काल प्रशिक्षण शुरू किया जाए, पुराने केंद्रों का नवीनीकरण किया जाए, लंबित भुगतान एवं प्रक्रियाओं का समाधान किया जाए तथा किसी भी नई टेंडर प्रक्रिया से पहले केंद्र संचालकों के साथ व्यापक संवाद किया जाए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 'केवाईपी बचाओ महाआंदोलन' के तहत विशाल धरना एवं प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है। केंद्र संचालकों ने चेतावनी दी कि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर आंदोलन को राज्यव्यापी स्तर पर और व्यापक किया जाएगा।

तेजी से बढ़ती आबादी को देख शहरों का विस्तार करना जरूरी : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग के तत्वावधान में शनिवार को ऊर्जा ऑडिटोरियम में हितधारकों के साथ बैठक हुई। अध्यक्षता नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने की। इस मौके पर नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री मिश्रा ने कहा कि हमारे यहां शहर नहीं बढ़े जब आबादी बढ़ गई तो शहरों का विकास शुरू हुआ। तेजी से बढ़ती आबादी को देखते हुए शहरों का विस्तार करना आवश्यक हो गया है। आज शहरों का फैलाव करने की जरूरत है। तभी आने वाली पीढ़ी को राज्य में रोजगार के अवसर मिलेंगे और उन्हें दूसरे राज्यों में जाने की नौबत नहीं आएगी। इसे देखते हुए राज्य में 12 नये ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप बसाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की सहमति के बिना उसकी जमीन नहीं ली जाएगी। समय-समय पर लोगों के बीच जाकर हम अपनी इस योजना को बताएंगे। अगर कोई प्रयास किया जा रहा है तो उसमें सभी का सहयोग चाहिए। नगर विकास मंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के बारे में सभी को सोचना होगा।

बी.डी. कॉलेज में 'नशामुक्त भारत अभियान' पर जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बी.डी. कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दिवाकर प्रसाद की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी संयुक्त तत्वावधान में 'नशामुक्त भारत अभियान' के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, पटना के ब्रहमाकुमारी उमा बहन ने नशामुक्ति के लिए राजयोग और ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला जबकि ब्रहमाकुमारी साक्षी बहन ने उपस्थित लोगों को योग और ध्यान का अभ्यास कराया। भाई हरेन्द्र जी के द्वारा नशा की समस्या एवं नशामुक्ति पर विषय प्रवेश कराया

गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं, छात्र-छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और एक नशामुक्त, स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। प्राचार्य प्रो. दिवाकर प्रसाद ने अध्यक्षीय उद्बोधन में जोर देकर कहा कि मादक पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति, बल्कि परिवार, शिक्षा, सामाजिक जीवन और राष्ट्र के विकास को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि ड्रग्स का एक बृहत लाखों करोड़ों का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार चल रहा है। उन्होंने कहा कि नशा मानव शरीर का नाश करता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं, प्रतिभागियों से स्वयं नशे से दूर रहने, दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और जागरूकता फैलाकर सकारात्मक बदलाव का वाहक बनने का आहवान किया। इस दौरान 'नशा छोड़ो - जीवन जोड़ो' और 'स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत' जैसे नारे प्रमुखता से गूंजे। एनएसएस स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेटों को नशामुक्त जीवन को बढ़ावा देने की शपथ दिलाया गया। मंच का व्यवस्थित संचालन एनएसएस के प्रोग्राम पदाधिकारी डॉ0 विजय शंकर विक्रम द्वारा किया गया। वही स्वागत भाषण एनएसएस की प्रोग्राम पदाधिकारी नीतू तिवारी द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का समापन एक नशामुक्त भारत के निर्माण तथा समाज में स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक मूल्यों को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

भर्तृहरि स्मृति संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के तत्वावधान में आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत आयोजित 47 वां वाक्यपदीयकार महानीतिज्ञ भर्तृहरि स्मृति दस दिवसीय अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का भव्य समापन समारोह संस्कृतमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। शिविर में देश-विदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़े संस्कृत प्रेमियों ने अधिक संख्या में भाग लिया और सरल पद्धति से संस्कृत बोलने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह के दौरान आयोजित भर्तृहरि स्मृति संस्कृत प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने महायोगी, वाक्यपदीयकार, महानीतिज्ञ भर्तृहरि के जीवन-दर्शन भारतीय संस्कृति में शतकत्रय (नीतिशतक, श्रृंगारशतक एवं वैराग्यशतक) तथा वाक्यपदीय पर संस्कृत में विचारों को व्यक्त किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन करते हुए अभियान के प्रधान संरक्षक एवं पूर्वगृह सचिव डॉ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि नीतिशतक में नैतिकता सदाचार और लोक व्यवहार से संबंधित सौ श्लोक हैं, वहीं श्रृंगारशतक में प्रेम, सौन्दर्य तथा विलासता का सुंदर वर्णन है तथा वैराग्यशतक में संसार की नश्वरता और वैराग्य पर गहरा चिंतन है।

कुलपति के नेतृत्व में शिक्षा, शोध और नवाचार का नया केंद्र बन रहा आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना ने जनवरी 2024 से अब तक शिक्षा, शोध, नवाचार, कौशल विकास, डिजिटल गवर्नेंस और उद्योग-अकादमिक सहयोग के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। कुलपति प्रो. (डॉ.) शरद कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में नए स्कूलों, पाठ्यक्रमों और शोध केंद्रों की स्थापना के साथ विद्यार्थियों के लिए आधुनिक एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा का दायरा लगातार विस्तृत किया गया है। विश्वविद्यालय में सभी स्कूलों के शैक्षणिक मार्गदर्शन के लिए शैक्षणिक सलाहकार समिति का गठन किया गया। पत्रकारिता एवं जनसंचार, भूगोल, नदी अध्ययन,

पाटलिपुत्र स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्टेम सेल टेक्नोलॉजी, खगोल विज्ञान और दर्शनशास्त्र जैसे केंद्रों को स्कूल के रूप में विकसित कर पठन-पाठन एवं शोध कार्य शुरू किए गए। वहीं कानून एवं विधि विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन तथा शहरी नीति एवं सुशासन के लिए नए केंद्र स्थापित किए गए। शहरी नीति एवं सुशासन केंद्र बिहार में अपनी तरह की महत्वपूर्ण अकादमिक पहल के रूप में सामने आया है। उनके कार्यकाल में अकादमिक विस्तार के तहत नैनोसाइंस एवं नैनोटेक्नोलॉजी, नदी विज्ञान, जल संसाधन अभियांत्रिकी, जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग, अंतरिक्ष विज्ञान एवं खगोल विज्ञान, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, पत्रकारिता एवं संचार तथा भूगोल में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किए गए। फिल्म निर्माण, फोटोग्राफी, डिजिटल एवं ऑनलाइन पत्रकारिता, मीडिया लेखन तथा स्टेम सेल जीवविज्ञान एवं पुनर्योजी चिकित्सा जैसे रोजगार एवं शोध आधारित पाठ्यक्रम भी प्रारंभ हुए। नैनोसाइंस के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण पेटेंट प्रकाशन विश्विवद्यालय की शोध क्षमता को रेखांकित करते हैं।

इंटर स्कूल डांस कॉम्पिटिशन नृत्यांजलि का भव्य आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लायंस क्लब ऑफ पटना अनंता द्वारा इंटर स्कूल डांस कॉम्पिटिशन नृत्यांजलि का भव्य आयोजन स्थानीय रविन्द्र भवन में किया गया। इस प्रतियोगिता में पटना के 13 स्कूलों के 300 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया और अपनी अद्भुत नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पटना की महापौर सीता साहू, प्रतियोगिता की निर्णायक मंडल शर्मिष्ठा बनर्जी, डॉ. पूनम चौधरी, सोम चक्रवर्ती, रामचंद्र गोल्डर, लायंस क्लब ऑफ पटना अनंता की अध्यक्ष लायन सुनीता सिंह एवं कार्यक्रम संयोजक बबिता सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया जिसमें सेमि क्लासिकल, कंटेम्पररी एवं रीजनल डांस शामिल था। बच्चों ने अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और मनमोहक, प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया।

पीबीएल के राज्यस्तरीय कार्यशाला में सम्मानित हुए डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के विद्यालय स्तर पर प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के तत्वावधान में 20 एवं 21 अगस्त को पटना में दो दिवसीय राज्य स्तरीय आवासीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा 6 से 8 के गणित एवं विज्ञान विषय में पीबीएल आधारित परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जिलों की उत्कृष्ट कार्य-पद्धतियों के आदान-प्रदान तथा तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन को मजबूत करना था। कार्यशाला में बिहार के 38 जिलों से प्रतिभागियों ने सहभागिता की। मुजफ्फरपुर से जिला शिक्षक शिक्षा समन्वयक मनोज कुमार, डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार एवं कुमार अभिषेक शामिल हुए। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी गार्गी कुमारी द्वारा दीप

प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपनिदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना संजय कुमार, सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार चंदन द्विवेदी तथा राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना कौशल किशोर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पीबीएल के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आपसी सीख-साझाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन मंत्रा फॉर चेंज की टीम द्वारा किया गया।

संपादकीय

दागियों के भरोसे लोकतंत्र? मुकदमों के घेरे में 300 से ज्यादा सांसद

देश की राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर अलग-अलग समय में बहस और चर्चाएं भी होती रही हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में बताया गया कि देश भर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ चार हजार से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।किसी भी समाज में यह उम्मीद की जाती है कि उनके जनप्रतिनिधि में उच्च स्तर की ईमानदारी, बेदाग छवि और दूरदर्शी सोच होनी चाहिए। एक आदर्श राजनेता उसे कहा जाता है, जो व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र और समाज के कल्याण को प्राथमिकता दे। मगर जब कोई नेता गंभीर आरोपों में घिरा हो, तो वह जनता की अपेक्षाओं की कसौटी पर कितना खरा उतर पाएगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में बताया गया कि देश भर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ चार हजार से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें तीन सौ से ज्यादा सांसद तथा चौदह मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि राजनीति में शुचिता के मानदंडों पर क्या सही मायने में अमल हो पा रहा है? साथ ही इस पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि राजनेताओं के लिए विशेष व्यवस्था के बावजूद उनके खिलाफ मुकदमे के निपटारे में इतना लंबा वक्त क्यों लग जाता है।

देश की राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर अलग-अलग समय में बहस और चर्चाएं भी होती रही हैं। इसके बावजूद विधायिका में ऐसे जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति बनी हुई है, जिनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सवाल सिर्फ मुकदमे जल्दी निपटाने का नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध राजनीति में आपराधिक छवि के लोगों की मौजूदगी और जवाबदेही से भी है।इसमें दो राय नहीं कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला लंबित होना और उसका अपराध साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुकदमे का सामना करने वाले व्यक्ति को तब तक अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक उसे अदालत से दोषी न करार दिया जाए। मगर सवाल यह भी है कि जो समाज अपने नेता को एक आदर्श व्यक्ति के रूप में देखता है, अगर वह गंभीर आरोपों में घिरा हो, तो उसे किस तरह देखा जाएगा?क्या इससे ईमानदार राजनीति की शुचिता प्रभावित नहीं होगी? नैतिकता का तकाजा तो यही है कि जब किसी जनप्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगें, तो वह विधायी पद से खुद को अलग कर ले, लेकिन आज के समय में ऐसे उदाहरण दुर्लभ हैं।

सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को जेन जेड बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को जेन जेड बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है?

क्या जेन-जेड होना सुरक्षा नियम तोड़ने का लाइसेंस है? कारगिल में महिला पर्यटक के आचरण से उठे कई गंभीर सवाल

(नीरज कुमार दुबे)

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को जेन जेड बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को जेन जेड बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है? बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। एक अन्य विवरण में इसे मिनामार्ग या मिनीमार्ग चेक पोस्ट के पास अस्थायी सड़क प्रतिबंध से जुड़ा बताया गया है। वीडियो में दिख रही तस्वीर बेहद स्पष्ट है। एक तरफ शांत रहकर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कराने की कोशिश करता जवान और दूसरी तरफ अपनी यात्रा, दूरी और अधिकारों का हवाला देकर बहस करता पर्यटक समूह। महिला पर्यटक का यह तर्क कि हम जेन जेड हैं, हम यह सब बर्दाश्त नहीं करेंगे, दरअसल उस मानसिकता को उजागर करता है जिसमें व्यक्तिगत सुविधा को व्यवस्था और सुरक्षा से ऊपर मान लिया जाता है। जेन जेड होना न कोई विशेष सुरक्षा पास है, न ही यह कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल को चुनौती देने का लाइसेंस है। सेना यह नहीं देखती कि सामने खड़ा व्यक्ति किस पीढ़ी का है; उसे यह देखना होता है कि सीमा सुरक्षित रहे, कोई संदिग्ध गतिविधि न हो और कोई नागरिक अनजाने में किसी खतरे की जद में न पहुंच जाए। देखा जाये तो कारगिल और नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाके सामान्य पर्यटन स्थल नहीं हैं। यह वही संवेदनशील भूभाग है जहां भारत ने युद्ध का सामना किया है, जहां घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों का इतिहास रहा है और जहां मौसम, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां तथा सैन्य गतिविधियां हर समय सुरक्षा की अलग चुनौतियां पैदा करती हैं। ऐसे में सड़क बंद होना, आवाजाही नियंत्रित होना, चेकिंग होना या किसी क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति मांगना कोई एंटी-टूरिस्ट रवैया नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा व्यवस्था है। सेना और सुरक्षा एजेंसियों को वहां इसलिए तैनात रहना पड़ता है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में खतरे केवल दिखाई देने वाले नहीं होते। कई बार खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी या घेराबंदी की जरूरत पड़ सकती है। कभी सैन्य काफिले की आवाजाही होती है, कभी खराब मौसम या भूस्खलन के कारण रास्ता असुरक्षित हो जाता है और कभी किसी संभावित खतरे को देखते हुए नागरिकों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोकी जाती है। ऐसे निर्णय किसी एक पर्यटक को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि दर्जनों या सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए लिए जाते हैं। बर्फीली चोटियों, दुर्गम सड़कों और हर वक्त मौजूद संभावित खतरे के बीच जवान इसलिए तैनात है ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहें और पर्यटन जैसी सामान्य गतिविधियां भी संभव हो सकें। ऐसे में किसी पर्यटक का जवानों से यह पूछना कि रास्ता आखिर क्यों बंद किया गया है, हर परिस्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि सुरक्षा बलों के पास मौजूद खुफिया जानकारी, किसी विशेष इनपुट या चल रहे ऑपरेशन का कारण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। कई बार एक मामूली-सा खुलासा भी सुरक्षा अभियान और जवानों की जान को जोखिम में डाल सकता है। देश पुलवामा में सुरक्षा बलों के प्रवेश का अधिकारपत्र नहीं बन जाती। यदि किसी क्षेत्र के लिए परमिट जरूरी है तो पहले उसकी जानकारी लेना और नियमों का पालन करना पर्यटक की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से लद्दाख और अन्य संरक्षित सीमावर्ती क्षेत्रों में नियम परिस्थितियों और सुरक्षा स्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। सैन्य प्रतिष्ठानों, चेक पोस्टों और रणनीतिक स्थानों पर फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी भी प्रतिबंधित हो सकती है। इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पहलू वह भाषा और रवैया है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को व्यक्तिगत अधिकारों के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश दिखाई देती है। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन संवेदनशील सैन्य चौकी पर ऑपरेशन या सुरक्षा प्रतिबंध के दौरान

काफिले पर हुए आतंकी हमले की भयावहता देख चुका है और पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले की त्रासदी भी झेल चुका है। ऐसे अनुभव साफ बताते हैं कि संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को लेकर एक छोटी-सी चूक कितनी भारी पड़ सकती है। इसलिए पर्यटकों को यह समझना होगा कि जब सेना या सुरक्षा बल किसी रास्ते को बंद करते हैं या आगे बढ़ने से रोकते हैं, तो हर निर्णय के पीछे की वजह कैमरे के सामने बताना संभव नहीं होता।

ऐसे में जवान से बहस करना, वीडियो बनाकर उस पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाना या सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करना केवल असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की गंभीरता को न समझ पाने का उदाहरण है। सुरक्षा के मामले में सहयोग और धैर्य ही समझदारी है, क्योंकि कई बार जिस खतरे को आम नागरिक देख नहीं सकता, उसे रोकने के लिए ही जवान वहां खड़ा होता है। साथ ही वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटक समूह के कुछ सदस्य यह कहते भी दिखाई देते हैं कि वे सैकड़ों किलोमीटर दूर से वहां पहुंचे हैं। लेकिन ऐसे लोगों को समझना होगा कि लंबी यात्रा किसी प्रतिबंधित क्षेत्र में बहस करके आदेश बदलवाने का अधिकार किसी को नहीं है। संसद, टैक्स या किसी पीढ़ी का नाम लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों को चुनौती देना न तो लोकतंत्र को मजबूत करता है और न ही नागरिक अधिकारों की रक्षा करता है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली जोकि स्वाभाविक है। लोगों ने महिला पर्यटक और उसके साथियों के रवैये को अहंकारी और गैर-जिम्मेदाराना बताया है। जेन जेड वाली टिप्पणी पर मीम्स भी बन रहे हैं, लेकिन इस घटना को केवल मनोरंजन के रूप में देखने की बजाय इससे एक गंभीर सबक लेने की जरूरत है। कैमरे के सामने हंगामा करके वायरल होना आसान है, लेकिन सीमा की सुरक्षा में एक छोटी-सी चूक की कीमत कितनी बड़ी हो सकती है, इसका अंदाजा वहां तैनात जवान को हमसे कहीं बेहतर है। यह चेतावनी केवल उस महिला पर्यटक के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए है जो सोशल मीडिया की लोकप्रियता, व्यक्तिगत सुविधा या पीढ़ीगत पहचान के नाम पर सुरक्षा नियमों को हल्के में लेते हैं। राष्ट्र की सुरक्षा किसी हैशटैग, नारे या वायरल वीडियो के हिसाब से नहीं चल सकती। सीमा पर तैनात सैनिक को अपना काम करने दीजिए।

जनगणना में सिर्फ आबादी नहीं, बदलती जलवायु का हिसाब भी जरूरी

(कुशाग्र राजेंद्र)

आज भारत जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, वे केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। देश एक बार फिर जनगणना की तैयारी में है। लंबे अंतराल के बाद होने वाली यह जनगणना स्वाभाविक रूप से अनेक प्रश्नों के केंद्र में है। क्या इसमें जातिगत गणना होगी? इससे कल्याणकारी योजनाओं और राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर क्या प्रभाव पड़ेगा? राज्यों को संसाधनों का बंटवारा किस आधार पर होगा? ये सभी सवाल महत्त्वपूर्ण हैं और लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा भी, लेकिन इनके बीच एक बुनियादी सवाल लगभग अनुपस्थित है और यह कि क्या इक्कीसवीं सदी की जनगणना उन वास्तविकताओं को दर्ज करने के लिए तैयार है, जिनका सामना आज का भारत कर रहा है?जनगणना प्राय~ केवल आबादी गिनने की प्रक्रिया मानी जाती है। जबकि यह किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक दृष्टि का दर्पण होती है। कोई भी सरकार जिन बातों को जानना आवश्यक समझती है, वही उसके प्रश्नों में दिखाई देती हैं। इसलिए जनगणना केवल यह नहीं बताती कि देश में कितने लोग हैं, बल्कि यह भी बताती है कि राज्य अपने समाज को किस नजर से देख रहा है और भविष्य की चुनौतियों को किस प्रकार समझना चाहता है। स्वतंत्र भारत की जनगणना समय के साथ बदलती रही है। आवास, पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोई ईंधन, बैंकिंग सुविधा, मोबाइल फोन और इंटरनेट जैसी जानकारियां इनमें क्रमश~ जुड़ती गईं। इनसे शासन को विकास योजनाएं बनाने, सामाजिक असमानताओं को समझने और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लक्षित करने में बड़ी सहायता मिली। इसमें कोई संदेह नहीं कि आधुनिक भारत के निर्माण में जनगणना ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज भारत जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, वे केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। उत्तर भारत में तीव्र हो रही लू, भीषण गर्मी, पूर्वी भारत में आकाशीय बिजली गिरने की बढ़ती घटनाएं, असम और बिहार में बार-बार आने वाली बाढ़, बुंदेलखंड और दक्षिण में गहराता जल संकट, हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और हिमनद झीलों के फटने का खतरा तथा पश्चिमी भारत में भूजल का लगातार गिरता स्तर, ये सभी घटनाएं अब अलग-अलग पर्यावरणीय समस्याएं नहीं रहीं। इनका सीधा असर खेती, रोजगार, स्वास्थ्य, पलायन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। विडंबना यह है कि इन परिवर्तनों को समझने के लिए हमारे पास अलग-अलग विभागों में बहुत-सी सूचनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन वे एक-दूसरे से जुड़ती नहीं हैं। मौसम का आंकड़ा एक संस्था के पास है, भूजल का दूसरे के पास, कृषि का तीसरे के पास और जनसंख्या का चौथे के पास। परिणाम यह है कि हमें यह तो पता है कि किसी गांव में कितने परिवार रहते हैं, लेकिन यह व्यवस्थित रूप से नहीं पता कि सूखते तालाब, घटता भूजल, बदलती फसलें या बार-बार आने वाली आपदाएं वहां के लोगों के जीवन और आजीविका को किस प्रकार बदल रही हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में समस्या केवल आंकड़ों की कमी नहीं है। समस्या यह है कि हमारे पास जीवन और पर्यावरण को एक साथ देखने वाली सूचना व्यवस्था नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि भारत के प्रशासनिक इतिहास में ऐसी समग्र दृष्टि के उदाहरण पहले से मौजूद हैं। इसका एक उदाहरण 1887 में तत्कालीन मारवाड़ राज्य में जनगणना के लिए तैयार की गई ग्राम प्रश्नावली है। यह केवल गांव की आबादी या राजस्व का ब्योरा भर नहीं मांगती थी। इसमें कुओं और तालाबों की संख्या, पानी की गुणवत्ता, मिट्टी का प्रकार, चरागाह, वृक्षों की प्रजातियां, पशुधन, स्थानीय फसलें, कुटीर उद्योग, महामारी, अकाल, पलायन, स्थानीय धरोहर और गांव की सामाजिक संस्थाओं तक का विवरण दर्ज करने के 56 प्रश्न थे। गांव को केवल घरों के समूह के रूप में नहीं, बल्कि मनुष्य, प्रकृति और स्थानीय संस्थाओं से मिलकर बने एक जीवंत तंत्र के रूप में देखा गया था। उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में तैयार अनेक जिला गजेटियर और ग्राम अभिलेखों में वर्षा, नदियां, जंगल, मिट्टी, सिंचाई, पशुधन, स्थानीय उद्योग तथा प्राकृतिक संसाधनों यहां तक कि रीति-रिवाज, खान-पान तक का विवरण जनसंख्या संबंधी सूचनाओं के साथ मिलता है। निस्संदेह इन दस्तावेजों का उद्देश्य औपनिवेशिक प्रशासन, राजस्व निर्धारण और अकाल प्रबंधन था, पर्यावरण संरक्षण नहीं। फिर भी उन्होंने गांवों का ऐसा सामाजिक-पर्यावरणीय चित्र सुरक्षित कर दिया, जो आज जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में मूल्यवान स्रोत बन गया है।

'वंदे मातरम्' के अपमान से कांग्रेस के तुष्टिकरण की पोल खुली, नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक एक ही पैटर्न?

'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है। गांधी जी तो इस बात के पक्षधर थे कि यह गीत संपूर्ण देश को जोड़ने वाला प्राणतत्त्व है और इसे इसके पूर्ण वैभव के साथ संपूर्णतः स्वीकार किया जाना चाहिए।

(प्रवीण गुगनानी)

'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है।

एक बंगाली कहावत है – मायेर स्तबेर अर्धेक ग्रहण, अर्धेक बर्जन, ए कैमन सन्तानेर भक्ति? मातृभूमि के स्तुति गीत को आधा स्वीकारना और आधा त्यागना, यह किस प्रकार की संतान की भक्ति है? भद्र बंगाल की सौ वर्षों की व्यथा, वेदना ही इस लोकोक्ति रूप में प्रकट हुई है। भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम का शायद ही कोई दूसरा गीत वन्दे मातरम् जितना भावात्मक, राजनीतिक और ऐतिहासिक रहा हो। बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जी की यह रचना केवल साहित्य नहीं अपितु वह स्वदेशी आन्दोलन, क्रांतिकारियों और राष्ट्रीय जागरण का उद्धट उद्घोष बनी थी। 15 अगस्त, 2026 को कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय दिल्ली में कारित घृणित कृत्य से कांग्रेस का इस्लामिक डीएनए पुनः सिद्ध हो गया है। वंदे मातरम् के इस अपमान के समय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, दशक भर कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे उपस्थित थे। दुस्साहस और दुर्भाग्य का विषय यह है कि इन तीनों ने ही वंदे मातरम् के अपमान के इस दुष्कृत्य को प्रारंभ किया था। इस दुर्भाग्यजनक घटना के बाद कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं ने देश को स्पष्टीकरण देना प्रारंभ किया कि - सोनिया गांधी ने वंदे मातरम् का अपमान नहीं किया बल्कि वे बुजुर्ग खड़गे जी को खड़े होने के कारण असहज होता देखकर उनके लिए कुर्सी मंगा रही थी। यहीं से कांग्रेस नेतृत्व की मूढ़ता, राष्ट्र अनास्था व मुस्लिम तुष्टिकरण के पक्ष में दुराग्रह रखने के चरित्र की पुनरावृत्ति दिखाई पड़ती है। इस घटनाक्रम के अंतरतत्व को समझिए। कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं को अपने नेतृत्व द्वारा 'वंदे मातरम्' का यह अपमान बुरा लगा इसलिए ही उन्होंने बिना केंद्र या प्रदेश नेतृत्व के कहे ही इस घटना पर कांग्रेस नेतृत्व का बचाव प्रारंभ कर दिया था। हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर लाखों पोस्ट डाली और कांग्रेस नेतृत्व का बचाव किया। यह 'वंदे मातरम्'

और 'मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेसी प्रवृत्ति' के विरोध का प्रतीक था। इस मनोभाव को कांग्रेस के इटालियन नेतृत्व ने समझने का प्रयास ही नहीं किया। कांग्रेस ने इस घटना पर अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नहीं समझा तो भी कोई बात नहीं होती। कांग्रेस ने तो अपनी हठधर्मिता, अड़ियलपन, मति मूढ़ता की हद तो तब दिखा दी जब उसने अपनी राष्ट्रीय वर्किंग कमेटी में 'वंदे मातरम्' को पूर्ण रूप में नहीं गाने के लिए प्रस्ताव ही पारित कर दिया। 'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है। गांधी जी तो इस बात के पक्षधर थे कि यह गीत संपूर्ण देश को जोड़ने वाला प्राणतत्त्व है और इसे इसके पूर्ण वैभव के साथ संपूर्णतः स्वीकार किया जाना चाहिए। गांधी जी ने इसके समर्थन में अपनी स्पष्ट राय रखी थी, किंतु जवाहरलाल नेहरू ने तुष्टिकरण की अपनी राजनैतिक कुटिलताओं और प्राथमिकताओं के चलते गांधी जी की एक न चलने दी। इतिहास यह भी है कि, यह दुखद एतिहासिक पृष्ठ रहस्यमयी भी है। रहस्य यह कि - अंततः वह कौन सी कमजोर नस थी,, जिसके आधार पर नेहरू जी ऐसे निर्णय भी गांधी जी से करवा लेते थे जिनके लिए गांधी जी कभी भी तैयार नहीं थे। गांधी जी वंदेमातरम् विभाजन हेतु असहमत थे। गांधी जी बंग-भंग हेतु भी सहमत नहीं थे। गांधी जी ने कहा था कि इस देश का विभाजन मेरी लाश पर होगा। गांधी जी स्वतंत्रता पश्चात् कांग्रेस को विसर्जित करने हेतु भी संकल्पित थे। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता पश्चात् हम एक बूँद की स्याही लेंगे और यह लिख देंगे - इस देश में गौहत्या वैसा ही दंड होगा जैसा मानव हत्या के लिए होता है। स्वच्छता, हिंदी राष्ट्रभाषा, ग्रामवासी भारत आदि हेतु भी गांधी जी प्रतिबद्ध थे। कांग्रेस ने सात दशकों की सत्ता में इन विषयों को त्याज्य रखा। 'भारत में रामराज स्थापना' को कांग्रेस का लक्ष्य बनाया था किंतु 'नेहरू-गांधी कांग्रेस' मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए श्रीराम को ही कल्पना सिद्ध करने के प्रयास में लग गई। कांग्रेस स्वयं को सेकुलर सिद्ध करने के अनथक प्रयास करने लगी थी और 'रामेश्वरम् रामसेतु' के विध्वंस, विनाश, भंजन, खंडन हेतु मशीनें समुद्रतट पर भेज चुकी थी। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' हेतु कांग्रेस ने न जाने कितने ही कांड इस देश में किया और सतत-निरंतर किए हैं। आश्चर्य और दुस्साहस का विषय यह है कि 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के लिए देश भर से लताड़े जाने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व इस बात को समझ ही नहीं रहा है। हाँ, कांग्रेस का जमीनी कार्यकर्ता इस बात कोई समझ भी रहा है और वह कांग्रेस की 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की नीति के विरोध में भी है, तब ही तो 'कार्यकर्ता बेचारे' ने सोशल मीडिया पर लाखों की संख्या में आकर यह कहा था कि सोनिया जी वंदे मातरम् का गान रोक नहीं रही थी बल्कि खड़गे जी के लिए कुर्सी बुला रही थी। 'वंदे मातरम्' और 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की यह कांग्रेस कार्यकर्ता की नैसर्गिक प्रतिक्रिया थी जिसे कांग्रेस नेतृत्व ने स्वीकार करना चाहिए थे किंतु कांग्रेस ने 'राम पथ' को नहीं बल्कि 'रोम पथ' को चुना हुआ है। 26 अक्टू.- 1 नव. 1937 की कलकत्ता कांग्रेस कार्यसमिति में 'वंदे मातरम्' गान के विभाजन की अनुशंसा और कुछ नहीं बल्कि एक 'इमोशनल राष्ट्रीय ब्लैक मेल' था। यह देश विभाजन में अपना हित देखने वाले नेताओं द्वारा निर्मित 'ब्लैकमेल' था।

सितंबर से पहले आवास पूरा करें, नहीं तो अटक सकती है सरकारी सहायता : नगर आयुक्त

कटिहार नगर निगम ने शुरू किया 15 दिवसीय विशेष आवास पूर्ण महाअभियान, वार्ड 40 व 42 से हुई शुरूआत : संतोष कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से कटिहार नगर निगम की ओर से 15 दिवसीय विशेष आवास पूर्ण महाअभियान की शुरूआत की गई। अभियान के तहत सभी 1 से 45 वार्डों में आवास योजना के लाभार्थियों के साथ वार्डवार बैठक आयोजित कर उनके आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।अभियान के प्रथम दिन वार्ड संख्या- 40 एवं 42 में लाभार्थियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्ड 40 के पार्षद श्री भोला सहनी तथा वार्ड 42 के पार्षद प्रतिनिधि मो. यासीन मुखिया उपस्थित रहे। बैठक में की नगर आयुक्त संतोष कुमार ने लाभार्थियों से व्यक्तिगत रूप से एक-एक कर बातचीत की और आवास निर्माण में आ रही

समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रथम अथवा द्वितीय किस्त की राशि प्राप्त कर चुके हैं। लेकिन अब तक आवास निर्माण कार्य शुरू नहीं करने अथवा अधूरा छोड़ने वाले लाभार्थियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित किया। नगर आयुक्त श्री कुमार ने लाभार्थियों को स्पष्ट रूप से बताया कि एचएफए 1.0 के आवासों को सितंबर 2026 तक पूर्ण कराने का निर्देश विभाग से प्राप्त हुआ है। ऐसे में सभी लाभार्थी सितंबर माह के प्रथम सप्ताह तक अपना आवास निर्माण कार्य पूर्ण कर लें। ताकि सरकार से मिलने वाली शेष राशि उन्हें ससमय उपलब्ध कराई जा सके।उन्होंने यह भी अपील की कि जिन लाभार्थियों ने अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया है। वे बिना विलंब कार्य प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवास पूर्ण करें। सितंबर के बाद आवास पूर्ण करने वाले लाभार्थियों को सरकार की ओर से राशि मिलने में कठिनाई हो सकती है। इसलिए लाभार्थियों से इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की गई। नगर आयुक्त संतोष कुमार ने कहा कि 15 दिनों में अधूरे आवासों को पूरा कराने का लक्ष्य दिया गया है।एचएफए 1.0 को सितंबर 2026 तक पूर्ण कराने के विभागीय निर्देश के अनुपालन में नगर निगम द्वारा यह विशेष 15 दिवसीय आवास पूर्ण महाअभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान वार्डवार बैठकें कर लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान, निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा तथा आवास पूर्ण कराने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम का स्पष्ट संदेश है लाभार्थी समय पर आवास पूर्ण करें, ताकि उन्हें सरकार की सहायता राशि ससमय प्राप्त हो सके और सबके लिए आवास के लक्ष्य को धरातल पर पूरा किया जा सके।

गजेटियर कमेटी की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में गजेटियर कमिटी की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले का गजेटियर प्रकाशन को लेकर विभिन्न विभागों से प्राप्त सूचनाओं, तथ्यों एवं आंकड़ों की समीक्षा की गईइसको लेकर उपलब्ध ड्राफ्ट पर चर्चा के बाद

जिला पदाधिकारी ने आंकड़ों में सुधार के लिए विभिन्न विभागों को दो हफ्ते का समय दिया। उन्होंने कहा कि गजेटियर में अन्य विषयों से संबंधित रोचक तथ्य को शामिल किया जाय। डीएम ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभाग से संबंधित डाटा एवं वास्तविकता की सम्यक समीक्षा करते हुए पांडुलिपि तैयार कर सामान्य प्रशाखा में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि गजेटियर में जिले के ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक एवं विकासात्मक पहलुओं का तथ्यात्मक एवं अद्यतन विवरण भी शामिल किया जाना है। उन्होंने कहा कि जिले के गजेटियर को समृद्ध एवं तथ्यपरक बनाने के लिए आमजनों की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आम जनों से भी जिले से संबंधित ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थलों,स्थानीय संस्कृति, महत्वपूर्ण दस्तावेज, पुराने एवं महत्वपूर्ण फोटो, लिखित साक्ष्य तथा महत्वपूर्ण घटनाओं से संबंधित साक्ष्य उपलब्ध होने पर उसे सामान्य प्रशाखा में उपलब्ध कराने की अपील की है। उन्होंने गजेटियर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान जिले में हुए महत्वपूर्ण विकासात्मक एवं अन्य प्रमुख बदलावों को भी समुचित रूप से दर्शाने का निर्देश दिया, ताकि जिले की वर्तमान प्रगति एवं उपलब्धियों का तथ्यात्मक दस्तावेज तैयार हो सके। बैठक में एडीएम आपदा फिरोज अख्तर, एडीएम डा.बिनोद कुमार, सिविल सर्जन डॉ. जितेन्द्र नाथ सिंह, सभी वरीय उपसमाहर्ता, जिलास्तरीय विभागीय पदाधिकारी सहित गजेटियर कमिटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पोठिया में खूनी चाकूबाजी, एक भाई की मौत, दूसरा गंभीर, पांच घंटे में आरोपी गिरफ्तार

समेली/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले के पोठिया थाना क्षेत्र के पोठिया गांव के वार्ड संख्या 14 में शनिवार की सुबह करीब 10 बजे हुई चाकूबाजी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। चाकू से किए गए हमले में एक भाई की मौत हो गई। जबकि दूसरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब पांच घंटे के भीतर आरोपी सौरव कुमार यादव को पोठिया बहियार से गिरफ्तार कर लिया।मृतक की पहचान गणेश कुमार रविदास (20) पिता स्वर्गीय केदार रविदास के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक त्रिलोक कुमार रविदास(22) पिता स्वर्गीय केदार रविदास बताया जा रहा है। बताया जाता है कि कि हमले में गणेश के सीने और त्रिलोक के पेट में गंभीर चोट आई है ।स्थानीय लोगों के अनुसार गणेश कुमार रविदास का पड़ोस के ही सौरव कुमार यादव के साथ पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। विवाद की वजह को लेकर स्मैक की

खरीद-बिक्री की बात भी सामने आ रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस की ओर से नहीं की गई है। पुलिस जांच के बाद ही विवाद की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।घटना के बाद परिजन और स्थानीय ग्रामीण दोनों भाइयों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फलका ले जाने लगे। इसी दौरान रास्ते में गणेश कुमार रविदास की मौत हो गई। जबकि घायल त्रिलोक का इलाज कराया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पोठिया थानाध्यक्ष नवीन कुमार,अपर थानाध्यक्ष अमित कुमार एवं एसआई धर्मेंद्र कुमार सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ वन विशाल आनंद ने भी घटनास्थल का जायजा लिया तथा घायल त्रिलोक कुमार से घटना के संबंध में पूछताछ की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सौरव कुमार यादव को पोठिया बहियार से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ कर पुलिस घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। वहीं घटना की सच्चाई सामने लाने के लिए पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को फुटेज से घटना के क्रम और आरोपित की भूमिका से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। घटनास्थल पर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की मौजूदगी में जांच-पड़ताल जारी रही। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। चाकूबाजी के पीछे वास्तविक विवाद क्या था और घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका विस्तृत खुलासा पुलिस की जांच और पूछताछ पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।एक युवक की मौत और दूसरे के गंभीर रूप से घायल होने के बाद पोठिया गांव में तनाव और दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

भू विवाद में रड से किया हमला एक घायल

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना क्षेत्र के कुरेठा पंचायत के मटियारी में भू विवाद में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति को रड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल मटियारी निवासी दिगंम्बर गोस्वामी को इलाज के लिए कटिहार सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले को लेकर पीड़ित ने मनसाही थाने में लिखित आवेदन देते हुए गांव के ही विष्णु कमार गोस्वामी एवं अजीत गोस्वामी आदि को नामजद आरोपी बनाया हैं ।

मोहनी देवी मेमोरियल स्कूल में स्वामी जी का आगमन, उपस्थित लोगों ने किया स्वागत

अररिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सशनिवार को मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल परिसर में नए पुनर्गठित मंदिर सह ध्यान साधना केंद्र में रामकृष्ण मिशन कटिहार के सचिव स्वामी महेश्वरानंद जी महाराज उपस्थित हुए। इस अवसर पर मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल के छात्रावास के छात्रों, दीक्षार्थी व बड़ी संख्या में भक्त महिलाएं उपस्थित हुए। इस अवसर पर स्वामी महेश्वरानंद जी महाराज ने राम कृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद व शारदा मां के ऊपर रोचक व ज्ञान ज्ञानपरद बातें कही। इस अवसर पर निदेशक संजय प्रधान उपस्थित थे ततपश्चात आरती व पूजा पाठ भी किया गया।

मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

हसनगंज /कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हसनगंज में शनिवार को छात्राओं के बीच ह्र्मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कुल 26 जोड़ी छात्राओं ने हिस्सा लिया। छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आकर्षक मेहंदी डिजाइन बनाए। सभी प्रतिभागियों की कलाकृतियां इतनी सुंदर थीं कि निर्णायकों को विजेताओं का चयन करने में काफी समय लगा। प्रतियोगिता में पार्वती-अष्टमी की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।प्रतियोगिता में रागिनी राज, सुचिता कुमारी, प्रियंका कुमारी एवं शगुफ्ता साबिर ने निर्णायक की भूमिका निभाई। वहीं धीरज कमल,केशव कुमार,अजीत कुमार, रोहित कुमार सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग किया।

जनता दरबार का आयोजन

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अंचल कार्यालय मनसाही में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस जनता दरबार में नौ आवेदन पड़े जिसमें ऑन द स्पॉट सात आवेदन का निष्पादन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी मोहम्मद इस्माइल ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया जाता हैं। इस शनिवार को नौ आवेदन पड़े जिसमें सात आवेदन का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। दो मामले लंबित रहे जिसे अगले शनिवार को सुनवाई की जाएगी। इस अवसर पर राजस्व कर्मचारी सह अंचल निरीक्षक महबूब आलम, पवन कुमार, अबू शहमा आदि उपस्थित थे।

श्रावण मास में सेवा आस्था और श्रद्धा का संगम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा एवं सुविधाओं को लेकर नगर निगम कटिहार पूरी तरह सजग है। इसी क्रम में शनिवार को महापौर श्रीमती ऊषा देवी अग्रवाल ने दुर्गास्थान मंदिर प्रांगण पहुंचकर दुर्गास्थान कांवरिया सेवा समिति की ओर से आयोजित सेवा शिविर एवं रात्रि जागरण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। महापौर ने मौके पर नगर निगम की ओर से श्रद्धालुओं के लिए की जा रही विभिन्न सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सेवा समिति के सदस्यों से मुलाकात कर कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी ली तथा कार्यक्रम को सफल

एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने में नगर निगम की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती ऊषा देवी अग्रवाल ने माँ दुर्गा के मंदिर में दर्शन एवं विधिवत पूजा-अर्चना कर सभी श्रद्धालुओं के सुख,शांति एवं मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास सेवा, आस्था और श्रद्धा का पावन संगम है तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। महापौर ने भगवान भोलेनाथ एवं माँ दुर्गा से सभी नगरवासियों के सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना करते हुए कहा कि माँ दुर्गा और भगवान भोलेनाथ की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे।

वीरेन्द्र उपाध्याय बने हम के प्रदेश उपाध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। भारत सरकार के केन्द्रीय सुक्ष्म,लधु एवं मध्यम उधोग मंत्री जीतन राम माँझी जी तथा हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा सेक्युलर(हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सूचना प्रौघोगिकीत्री और अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति मंत्री बिहार सरकार संतोष कुमार सुमन एंव पुर्व मंत्री बिहार सरकार सह प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार सिह के दूारा प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौपी गयी है।जिसके लिये मै केन्द्रीय मंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मंत्री एंव पुर्व मंत्री सह प्रदेश अध्यक्ष को हृदय धन्यवाद देते देता हुँ।श्री उपाध्यान ने कहा की हमे पुर्व मे प्रदेश महासचिव सह कटिहार, पुर्णिया, अररिया किशनगंज का प्रभारी कि जिम्मेवारी दी गयी थी। सभी जिलो मे संगठन का मजबूती से संगठन का कार्य सभी सदस्यो के दूारा किया गया। श्री उपाध्याय ने बताया कि अतिशिघ्र केन्द्रीय मंत्री जीतन राम माँझी जी का कटिहार पुर्णिया अररिया किशनगंज मे कार्यक्रम होगा तथा लधु उधोग लगाने के लिये योजना बनायी जायेगी जिससे स्थानीय नौजवानो के लिये रोजगार का सृर्जन किया जा सके।

तेयुप कटिहार की ओर से रक्षा बंधन कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। मुनिश्री प्रशांत कुमार जी मुनिश्री कुमुद कुमार जी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित जैन संस्कार विधि से रक्षा बंधन कार्यशाला तेरापंथ युवक परिषद कटिहार द्वारा आयोजित हुई। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री प्रशांत कुमार जी ने कहा - रक्षा बंधन भाई बहन के आपसी सदभाव प्रेम का त्यौहार होता है। रक्षा बंधन का धागा पतला होता है लेकिन भावना गहरी जुड़ी हुई होती है। इस त्यौहार में भावना का ही महत्व होता है। राखी बांधने के बाद भाई बहन को उपहार स्वरूप कुछ देता है।बहन भी भाई से अपेक्षा रखती है। वर्तमान में अपेक्षा बहुत ज्यादा बढ़ गई है।धन के प्रति अपेक्षा भाव आने से

इसका महत्व कम हो जाता है।यह भावना का त्यौहार है। एक दूसरे के मन में अपनत्व का भाव होना चाहिए। सभी त्यौहार मांगलिक होते है। त्यौहार के साथ मंगल भावना जुड़ी होती है। सबसे बड़ा मंगल अहिंसा धर्म है। मंगल का अर्थ होता है मंगल आचरण।हम एक दूसरे के प्रति मंगलभाव रखें। हम प्रत्येक कार्य को जैन विधि से करेंगे तो अहिंसक तरीके से होगा एवं जीवन का मंगल होगा। जैन मंत्र अपने आप में प्रभावशाली है। हमें जैन विधि का पालन करना चाहिए। हमें अपनी संस्कृति संस्कार के अनुरूप सारे कार्य करने चाहिए। मुनिश्री कुमुद कुमार जी ने कहा - भारतीय संस्कृति में अनेक प्रकार के त्यौहार मनाए जाते है। रक्षा बंधन का संबंध भारतीय संस्कृति में भाई बहन के साथ जुड़ा हुआ है।हम अपने पारिवारिक, सामाजिक रीति-रिवाजों को जैन संस्कृति के अनुरूप मनाएं तो परम्परा का पालन होने के साथ पाप से हल्के होते है।भाई बहन एक दूसरे के प्रति सत्पथ पर चलने की कामना भावना करते हुए सदभाव का वचन दे। जैन विधि से रक्षा बंधन में मंगलभावना एवं लोगस्स पाठ स्वयं के प्रति मंगलकारी कार्य करता है। हनुमान नाहटा ने बताया कि- आदित्य मांडोत ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संस्कारक विरेंद्र संचेती एवं आदित्य मांडोत ने संयुक्त रूप से सम्मवेत स्वरों से जैन विधि द्वारा रक्षा बंधन को प्रायोगिक रूप से पूर्ण किया।

श्रावणी मेला और ईद मिलाद-उन-नबी को लेकर शांति समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। श्रावणी मेला एवं ईद मिलाद-उन-नबी को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को मनिहारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता एसडीएम त्रिलोकीनाथ सिंह ने की। बैठक में प्रभारी एसडीपीओ, थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा, शांति समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग शामिल हुए। दोनों त्योहारों के दौरान आपसी भाईचारा, सद्भाव और शांति बनाए रखने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से दोनों त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्द के

साथ मनाने का निर्णय लिया गया। पीर मजार के खादिम मंजर अली, आलमगीर, शेरू खान सहित अन्य सदस्यों ने कहा कि ईद मिलाद-उन-नबी का त्योहार लोग अपने-अपने घरों में मनाएंगे। इस दौरान जुलूस नहीं निकालने का निर्णय लिया गया, ताकि क्षेत्र में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम रहे। एसडीएम त्रिलोकीनाथ सिंह ने कहा कि मनिहारी की पहचान आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के लिए है। दोनों त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध सूचना की जानकारी तुरंत प्रशासन एवं पुलिस को देने की अपील की।

एसपी ने बरारी व सेमापुर थाने का किया औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने शनिवार को बरारी एवं सेमापुर थाना का औचक निरीक्षण किया। एसपी के अचानक थाना पहुंचने पर पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों में सक्रियता बढ़ गई। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण और पुलिसिंग व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने थाना क्षेत्र में विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने को लेकर दोनों थानों के थानाध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ओडी रजिस्टर की जांच कर अभिलेखों के संधारण की ली जानकारी : निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने ओ.डी. रजिस्टर का अवलोकन किया और उसमें दर्ज विवरणों की जांच की। इसके साथ ही थाना में रखे विभिन्न अभिलेखों के संधारण की भी समीक्षा की गई। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों से थाना स्तर पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा आवश्यक

रिकॉर्ड को अद्यतन और व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। एसपी ने कहा कि पुलिसिंग व्यवस्था में अभिलेखों का सही तरीके से संधारण महत्वपूर्ण है। इससे थाना स्तर पर होने वाले कार्यों की नियमित निगरानी और समीक्षा में सुविधा होती है। कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने का निर्देश : एसपी परिचय कुमार ने बरारी थानाध्यक्ष सुमेश कुमार और सेमापुर थानाध्यक्ष राम शंकर कुमार को थाना क्षेत्र में विधि-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए।

उच्च विद्यालय हफलागंज से गायब छात्राएं बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। उच्च विद्यालय हफलागंज में चार छात्रा स्कूल से गायब हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही गायब हुए छात्रों के अभिभावक विद्यालय पहुंचे जिसके बाद छात्राओं की खोजबीन शुरू कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते हैं पंचायत के मुखिया मुकेश पासवान भी विद्यालय पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली और इसकी सूचना मुफस्सिल पुलिस को भी दी गई। जांच के दौरान यह बात सामने आई की छात्राएं विद्यालय पहुंचकर विद्यालय में बैग रखकर कटिहार दुर्गा स्थान चली गई थी। इसी दरमियान छात्रों के परिजन भी छात्राओं की खोजबीन के लिए कटिहार निकल चुके थे और पूछताछ के दौरान ही जब वे लोग दुर्गा स्थान के पास पहुंचे तो दुर्गा स्थान के पीछे ये सभी छात्राएं लड़कों

के गुटों के साथ बातचीत करते हुए नजर आए। इसके बाद अभिभावकों ने छात्राओं को पकड़ कर वापस हाई स्कूल हफलागंज लाया। जहाँ मुखिया मुकेश पासवान एवं प्रधानाध्यापक आशुतोष कुमार ने पूछताछ के बाद सभी छात्राओं को अभिभावकों के साथ घर भेज दिया। बताया जाता था कि छात्राएं इंस्टाग्राम से लड़कों के संपर्क में आए थे। इस संबंध प्रधानाध्यापक आशुतोष कुमार ने बताया कि छात्राओं को गायब होने को लेकर सामूहिक प्रयास शुरू की गयी थी और सभी छात्राएं सकुशल बरामद कर ली गई।

जिला पदाधिकारी ने की परिवहन विभाग की समीक्षात्मक बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । जिला पदाधिकारी, विनोद दूहन द्वारा आज जिला परिवहन कार्यालय, अररिया की समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में परिवहन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों, राजस्व संग्रहण, ड्राइविंग लाइसेंस एवं निबंधन प्रमाण-पत्र के निष्पादन सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को सरकार द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। समीक्षा में पाया गया कि अररिया जिले द्वारा जुलाई माह तक निर्धारित राजस्व लक्ष्य का 28.32 प्रतिशत प्राप्त किया गया है। जिला पदाधिकारी ने राजस्व संग्रहण

में तेजी लाने तथा लक्ष्य की प्राप्ति हेतु नियमित रूप से समीक्षा एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने ड्राइविंग लाइसेंस एवं निबंधन प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजनों से संबंधित कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए तथा लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन किया जाए। बैठक के दौरान जिले में संचालित बसों द्वारा यात्रियों से निर्धारित किराया से अधिक राशि वसूले जाने की शिकायतों की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने इस संबंध में विशेष जांच दल गठित कर जिलेभर में बसों का औचक निरीक्षण करने तथा निर्धारित किराया से अधिक राशि वसूलने वाले बस संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार जुमार्ना एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही बसों में निर्धारित किराया सारणी प्रदर्शित कराने एवं यात्रियों से केवल अनुमन्य किराया ही वसूलने का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। शहरी क्षेत्र में यातायात दबाव एवं जाम की स्थिति वाले क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर यातायात को सुचारू एवं नियंत्रित रखने का निर्देश दिया। उन्होंने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी ट्रैफिक रेगुलेशन तथा आवश्यकता के अनुसार प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में हिट एंड रन से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने परिवहन विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में मुआवजा राशि से संबंधित संचिकाओं का बिना किसी विलंब के निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभुकों को समय पर मुआवजे का लाभ मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी बैंकों के हाथ से निकल रहे ज्यादा वैल्यू वाले बिजनेस, प्राइवेट और विदेशी बैंकों की चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंक इंडस्ट्री के ज्यादा वैल्यू वाले सेगमेंट में प्राइवेट और विदेशी बैंकों के हाथों तेजी से अपना मार्केट शेयर खो रहे हैं। इनमें क्रेडिट कार्ड बिजनेस और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स शामिल हैं। क्रेडिट कार्ड बिजनेस में सरकारी बैंक कम रेंज वाले कार्ड दे रहे हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से आयोजित एक कॉन्क्लेव में हुई चर्चा में यह बात सामने आई है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में पिछले चार साल में सरकारी बैंकों के कुल डिपॉजिट में करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट के घटते हिस्से पर भी चर्चा हुई। बैठक के लिए तैयार एक पेपर में कहा गया कि यह फंड का सबसे सस्ता जरिया हैं, इसलिए इनमें कमी आने से ज्यादा लागत वाले डिपॉजिट पर निर्भरता बढ़ती है। इससे फंडिंग की लागत और मार्जिन पर दबाव पड़ता है। बैंकरों ने इस बात पर चर्चा की कि सरकारी बैंकों की क्रेडिट कार्ड बिजनेस के ज्यादा वैल्यू वाले सेगमेंट में स्ट्रक्चरल रूप से कम हिस्सेदारी है। ज्यादातर

सरकारी बैंक एक स्टैटिक और सबके लिए एक जैसा रिवॉर्ड कैटलॉग ऑफर करते हैं। यह ग्राहकों को सही वैल्यू नहीं समझा पाता है। एक बैंकर ने कहा कि कॉर्पोरेट ट्रैवल और एक्सपेंस कार्ड, एचएनआई मेटल/प्रीमियम कार्ड और बिजनेस कार्ड ऐसे सेगमेंट हैं जहां प्राइवेट और विदेशी बैंकों का दबदबा है। 20 से 50 तरह के कार्ड हैं। सेल्स, अंडरराइटिंग और सर्विसिंग की खास क्षमताएं विकसित की हैं लेकिन ज्यादातर सरकारी बैंकों ने अभी तक बड़े पैमाने पर इसे नहीं अपनाया है। पेपर में बताया गया है कि सरकारी बैंकों के पास कॉर्पोरेट कार्ड, या वेल्थ-बेस्ड कार्ड सोर्सिंग और बिजनेस कार्ड के लिए सीमित स्ट्रक्चर्ड मॉडल हैं। इसी तरह ज्यादातर जीसीसी विदेशी बैंकों के साथ मुख्य बैंकिंग संबंध बनाए रखते हैं। प्राइवेट बैंकों ने भी उनके लिए करंट अकाउंट खोलने में बढ़त हासिल की है। उम्मीद है कि 2030 तक जीसीसी की संख्या मौजूदा 2,100 से बढ़कर लगभग 5,000 हो जाएगी और वे भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग .150-200 बिलियन का योगदान देंगे।

चीन से बरसने लगा पैसा! नियम बदलने के बाद 4,895 करोड़ रुपये के 29 एफडीआई प्रस्ताव आए

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के निवेशकों की 10 प्रतिशत से कम हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को भारत में ऑटोमेटिक रूट से निवेश की इजाजत दिए जाने के बाद फॉरन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट के करीब 29 प्रस्ताव आए है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार यह

जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि मई में दी गई इजाजत के बाद कुल करीब 4,895 करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रस्ताव आए। मई से पहले नियम यह था कि जो भी देश भारत की थल सीमा से जुड़े है, वहां के किसी व्यक्ति या कंपनी के निवेश वाली किसी भी विदेशी कंपनी के निवेश प्रस्ताव पर सरकारी मंजूरी की जरूरत थी। 10 मार्च को कैबिनेट की मंजूरी के बाद 1 मई को वित्त मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें भारत की थल सीमा से जुड़े चीन सहित अन्य देशों के शेयरधारकों वाली विदेशी कंपनियों के एफडीआई के नियमों में ढील दी गई। हालांकि भारत की थल सीमा से जुड़े चीन सहित किसी भी देश और हॉन्गकॉन्ग में रजिस्टर्ड कंपनी की ओर से एफडीआई के मामले में यह छूट लागू नहीं होगी। मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि नियम बदलने के बाद 20 अगस्त तक 29 एफडीआई प्रस्ताव आए, जिनमें 4895.65 करोड़ रुपये के निवेश की बात है। ये प्रस्ताव मैन्युफैक्चरिंग, फार्मा, डेटा सेंटर और ट्रांसपोर्ट सर्विसेज सहित कई सेक्टरों में निवेश के लिए है।

इथेनॉल, एक्सपोर्ट, कालाबाजारी, जमाखोरी या कुछ और... फेस्टिव सीजन से पहले चीनी में क्यों लगी है आग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में अगले कुछ दिनों में त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है लेकिन उससे पहले चीनी की कीमत में रेकॉर्ड उछाल ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक महीने में चीनी की कीमत में करीब 20 प्रतिशत इजाफा हुआ है और यह रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। सरकार ने बढ़ती कीमत को काबू करने के लिए कई कदम उठाए हैं। मसलन भंडारण सीमा तय कर दी गई है। साथ ही 10 साल में पहली बार कच्ची चीनी का आयात किया जा रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता और दूसरे बड़ा उत्पादक है।

देशभर में चीनी की औसत मिल-स्तरीय बिक्री कीमत बढ़कर 5,400-5,500 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जो मार्च में करीब 3,650 रुपये थी। शुक्रवार को चीनी की खुदरा कीमत 58.2 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। यह एक महीने पहले की तुलना में 20 प्रतिशत और एक साल पहले की तुलना में लगभग 26 प्रतिशत अधिक हैं। कुछ बाजारों में चीनी की कीमत में काफी तेजी आई है। मसलन, पंजाब में चीनी की खुदरा कीमत लगभग 65 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है, जबकि मुंबई, भोपाल और अन्य बाजारों में यह 58 से 63 रुपये किलो मिल रही है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में इसकी कीमत 70 रुपये किलो पहुंच चुकी है।

देश में अगस्त और नवंबर के बीच चीनी की मांग आम तौर पर बढ़ जाती है क्योंकि इस दौरान गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं। इससे मिठाइयों, बिस्कुट और कन्फेक्शनरी उत्पादों की मांग बढ़ती है। इन उत्पादों के निर्माता त्योहारों के मौसम से पहले ही स्टॉक जमा कर लेते हैं, जिससे चीनी की मांग को और बढ़ावा मिलता है। जानकारों का मानना है कि कीमतें कम से कम अगले तीन महीनों तक ऊंची बनी रहेंगी। चीनी का पेराई सत्र 2026-27 एक अक्टूबर से शुरू होने वाला है। इस बीच केंद्र सरकार ने त्योहारों के मौसम से पहले चीनी की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बीच थोक उपभोक्ताओं के लिए भंडारण सीमा तय कर दी। इसके तहत महीने में 10 टन से अधिक चीनी की खपत करने वाले उपभोक्ता 15 दिन की खपत से अधिक स्टॉक नहीं रख सकेंगे। इस आदेश के दायरे में कन्फेक्शनरी, शीतल पेय बनाने वाली कंपनियां, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, मिठाई विक्रेता और अन्य संस्थागत खरीदार आएंगे। खाद्य मंत्रालय का यह आदेश एक सितंबर से लागू होगा और 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगा। इस बीच सरकार ने 10 साल के अंतराल के बाद जीरो ड्यूटी पर 1 मिलियन टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति दे दी है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी निर्यात की अनुमति देकर सरकार ने बड़ी गलती की थी। नवंबर 2025 में केंद्र ने पहले 1.5 मिलियन टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी। बाद में इसे बढ़ाकर 2 मिलियन टन कर दिया गया। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, निर्यात पर रोक लगने से पहले इसमें से लगभग 8 लाख टन चीनी देश से बाहर भेजी जा चुकी थी। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फरवरी 2026 तक पहले से स्वीकृत 1.5 मिलियन टन के अलावा 0.5 मिलियन टन अतिरिक्त निर्यात कोटे की अनुमति दी गई थी।

कीमत में क्यों आया उछाल

खाद्य मंत्रालय का कहना है कि चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी कई कारणों से हुई है। इनमें उम्मीद से कम घरेलू उत्पादन, त्योहारों के मौसम से पहले बढ़ी हुई मांग, मौसम के कारण फसल को नुकसान, वैश्विक स्तर पर सप्लाई में कमी और कुछ लोगों द्वारा सट्टेबाजी और जमाखोरी शामिल हैं। भारत में चीनी की सालाना खपत 29 से 31 मिलियन टन है। सरकार का कहना है कि मौजूदा सीजन (अक्तूबर-सितंबर) में चीनी का उत्पादन लगभग 306 लाख टन रहने का अनुमान है। यह 343 लाख टन के शुरुआती अनुमान से 11 प्रतिशत कम है।

मौसम की मार

इस बीच, अनियमित बारिश और सूखे मौसम ने गन्ने के उत्पादन पर असर डाला है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल अक्टूबर में महाराष्ट्र में बहुत ज्यादा बारिश हुई थी। साथ ही यूपी तथा महाराष्ट्र में गन्ने की फसल में रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों की वजह से उत्पादन पर असर पड़ा। साथ ही दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश ब्राजील में सप्लाई की बिगड़ती स्थिति ने भी चीनी की कीमतों में भारी उछाल ला दिया है। ब्राजील ने खराब मौसम के कारण फसल की कटाई में देरी की चेतावनी दी है। अनिश्चितता को और बढ़ाते हुए, ब्राजील ने अपनी हर दो हफ्ते में आने वाली फसल और उत्पादन रिपोर्ट को रोक दिया है।

इथेनॉल से बढ़ रही चीनी की महंगाई! आ गई सरकार की सफाई, गिना दिए सारे कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में फेस्टिव सीजन से पहले चीनी की कीमत में रेकॉर्ड तेजी आई है। इस बीच सरकार का कहना है कि मौजूदा सीजन (अक्तूबर-सितंबर) में चीनी का उत्पादन लगभग 306 लाख टन रहने का अनुमान है। यह 343 लाख टन के शुरुआती अनुमान से 11 प्रतिशत कम है। सरकार ने साथ ही इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि इथेनॉल बनाने के लिए चीनी का इस्तेमाल करने से उपलब्धता पर असर पड़ रहा है और कीमतें बढ़ रही हैं। सरकार ने कहा कि कुछ साल पहले की तुलना में अब इथेनॉल बनाने के लिए कम चीनी का इस्तेमाल होता है।

कम उत्पादन के कारण 1 अक्टूबर को चीनी का शुरुआती स्टॉक घटकर लगभग 33-34 लाख टन रहने की उम्मीद है, जो एक साल पहले 50 लाख टन था। यानी इस बार चीनी का शुरुआती स्टॉक पिछले साल के स्तर का लगभग दो-तिहाई रहने का अनुमान है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने कहा कि नया स्टॉक आने तक मांग पूरी करने के लिए बचा हुआ स्टॉक काफी होगा।

सरकार ने सप्लाई की चिंताओं को दूर करने के लिए गुरुवार को 10 लाख टन कच्ची चीनी के ड्यूटी-फ्री आयात की अनुमति दी थी। शुक्रवार को चीनी की खुदरा कीमत 58.2 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। यह एक महीने पहले की तुलना में 20 प्रतिशत और एक साल पहले की तुलना में लगभग 26 प्रतिशत अधिक हैं।

खाद्य मंत्रालय ने कहा कि चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी कई कारणों से हुई है। इनमें उम्मीद से कम घरेलू उत्पादन, त्योहारों के मौसम से पहले बढ़ी हुई मांग, मौसम के कारण फसल को नुकसान, वैश्विक स्तर पर सप्लाई में कमी और कुछ लोगों द्वारा सट्टेबाजी और जमाखोरी शामिल हैं।

इथेनॉल बनाने में कितनी चीनी

इथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल से कीमतों पर असर पड़ने की बात को खारिज करते हुए मंत्रालय ने कहा कि इसमें इस्तेमाल होने वाली चीनी का हिस्सा 2022-23 में लगभग 12 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में लगभग 9 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा कि देश में बनने वाले इथेनॉल का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा अब अनाज से आता है। राज्यों ने मौजूदा सीजन (अक्टूबर-सितंबर 2025-26) के लिए चीनी उत्पादन का अनुमान 343 लाख टन लगाया था जबकि इंडस्ट्री बॉडी इ्स्रूने का अनुमान लगभग 348 लाख टन था। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल अक्टूबर में महाराष्ट्र में बहुत ज्यादा बारिश हुई थी। साथ ही यूपी तथा महाराष्ट्र में गन्ने की फसल में रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों की वजह से उत्पादन पर असर पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि जनवरी में उत्पादन घटने के शुरुआती संकेत मिले थे, लेकिन मिलों में गन्ने की पेराई जारी थी। एक सूत्र ने बताया कि निर्यात मार्च में ही शुरू हुआ था और जैसे ही उत्पादन कम होने के संकेत मिले, मई की शुरुआत में ही निर्यात पर रोक लगा दी गई।

सही समय का इंतजार मत करो, 10 लाख का नुकसान झेलकर दोबारा की वापसी, अब 8.4 करोड़ का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है कश्मीर के बांदीपोरा जिले के रहने वाले जिब्रान खान की। पर्यटन व्यवसाय में 10 लाख रुपये का बड़ा नुकसान झेलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। श्रीनगर के बाहर छोटे शहरों में क्वालिटी कैफे और रेस्टोरेंट की

कमी को पहचानकर उन्होंने जीरो माइल्स कैफे की नींव रखी। आज उनका स्टार्टअप 9 आउटलेट्स की सफल फूड चेन बन चुका है। रोजाना 1,300 ग्राहकों को सर्विसेज देने के साथ यह 120 युवाओं को रोजगार दे रहा है। इसका सालाना रेवेन्यू 8.4 करोड़ रुपये पहुंच गया है। आइए, यहां जिब्रान खान की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बिजनेस ठप, 10 लाख डूबे

जिब्रान खान ने टूरिज्म में बैचलर्स और एमबीए किया है। पढ़ाई पूरी करने के बाद माता-पिता की इच्छा पर उन्होंने चंडीगढ़ की एक आईटी कंपनी में नौकरी की। हालांकि, उनका दिल हमेशा से अपने गृह राज्य कश्मीर में कुछ नया करने का था। वह बांदीपोरा लौटे और गुरेज घाटी के लिए एक टूर एंड ट्रैवल कंपनी शुरू की। लेकिन, 2016 में कश्मीर के बिगड़ते हालातों, कर्फ्यू और इंटरनेट बंद होने के कारण उनका यह बिजनेस ठप हो गया। उन्हें 10 लाख रुपये का घाटा हुआ। इस सेटबैक के बाद वह दुबई चले गए। वहां उन्होंने दो साल तक हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम किया। दुबई में मिली सीख, रेस्टोरेंट मैनेजमेंट और कस्टमर सर्विस के अनुभव ने उन्हें अपने नए विजन जीरो माइल्स को आकार देने में मदद की। अपने स्टार्टअप को दूसरों से अलग बनाने के लिए जिब्रान ने हर शहर की स्थानीय संस्कृति और पहचान को आउटलेट के इंटीरियर में शामिल किया। उन्होंने फास्ट फूड, इंडियन और फ्यूजन व्यंजनों का बेहतरीन मिश्रण तैयार किया। उनका स्पेशल बटर चिकन पिज्जा और बटर चिकन इतना लोकप्रिय हुआ कि रोजाना सैकड़ों लोग इसे ऑर्डर करते हैं।

मार्केट गैप देखकर मौके को भुनाया

दुबई से लौटने के बाद जिब्रान ने देखा कि कश्मीर में प्रीमियम डाइनिंग और अच्छे कैफे केवल श्रीनगर तक ही सीमित थे। छोटे शहरों के लोगों को अच्छे खाने के लिए कई किमी दूर श्रीनगर जाना पड़ता था। जिब्रान ने इस मौके को भुनाया। श्रीनगर में प्रतिस्पर्धा करने के बजाय छोटे शहरों का रुख किया। 2018 में उन्होंने अपनी बचत और चचेरे भाई के सहयोग से मिले पैसों से उत्तर कश्मीर के सोपोर में पहला आउटलेट शुरू किया। सिर्फ एक रेस्टोरेंट खोलना नहीं था। इसके बजाय ऐसा ब्रांड बनाना था जो स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सके। भारी बजट वाली मार्केटिंग के बजाय उन्होंने क्वालिटी, बेहतर सेवा और ग्राहकों के आपसी भरोसे पर फोकस किया।

फर्जी फर्मों से इकॉनमी पर पड़ता है असर, साइबर जीएसटी धोखाधड़ी मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का सख्त रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी की पहचान चुराकर उसके नाम पर फर्जी फर्म खोलना सिर्फ एक व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी नहीं, बल्कि इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसा कहते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने साइबर धोखाधड़ी के मामले में आरोपी व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। 20 अगस्त को राज कुमार की अर्जी खारिज करते हुए जस्टिस गिरीश कठपालिया ने कहा कि टैक्स चोरी के इस तरह के मामलों में गिरफ्तारी से पहले जमानत देना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने यह भी माना कि कुमार जांच से बच रहा है और पूरे घोटाले की जड़ तक पहुंचने के लिए उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करना गलत नहीं होगा। कोर्ट ने चेताया कि ऐसी परिस्थितियों में अग्रिम जमानत देने से समाज में गलत संदेश जाएगा। मामला 9 अप्रैल 2024 को उस समय सामने आया, जब एक व्यक्ति को इनकम टैक्स विभाग का नोटिस मिला। नोटिस से पता चला कि उसकी जानकारी के बिना उसके और आधार का इस्तेमाल कर दो त्रस्झ फर्में रजिस्टर कर दी गई थीं। जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि कागजों पर बनी इन फर्मों का असल में कोई कारोबार ही नहीं था।

आम लोगों का जीवन बेहतर बनाने में हो स्पेस टेक्नोलॉजी का यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी के ज्यादा इस्तेमाल पर जोर दिया है। उनका कहना है कि स्पेस टेक्नोलॉजी देश में खेती, पशुपालन, डेयरी, पर्यावरण और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े कई अन्य क्षेत्रों में बड़ा योगदान दे सकती है। हमारा प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम भारत और दुनिया के लिए एक बड़ी ताकत बन सकता है। मोदी ने शुक्रवार को 20 स्पेस स्टार्टअप्स के सीईओ और फाउंडर्स के मुलाकात के बाद यह बात कही। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक मोदी ने देश की प्रमुख कंपनियों स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस, गैलेक्सआई, पियरसाइट, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस और दिगंतरा समेत 20 स्पेस स्टार्टअप्स के छ्श्रह और फाउंडर्स से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी के ज्यादा इस्तेमाल का आह्वान किया।

मोदी ने कहा कि स्पेस इंडस्ट्री और दूसरे सामाजिक विकास क्षेत्रों के बीच बेहतर सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही युवाओं में स्पेस के प्रति जिज्ञासा और रुचि बढ़ाने के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स के साथ मिलकर काम करने को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा, भारत के स्पेस सेक्टर की युवा ऊर्जा से मिलकर बहुत अच्छा लगा... युवा एंटरप्रेन्योर और इनोवेटर्स जिन्होंने एक नए और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में कदम रखकर जबरदस्त हिम्मत दिखाई है। उन्होंने जोखिम उठाए, सुधार प्रक्रिया पर भरोसा किया और लगातार कोशिश की। इसी कारण भारत ने पिछले कुछ वर्षों में स्पेस सेक्टर में बहुत कुछ हासिल किया है।

कमर्शियल फेज की तैयारी: इस बीच स्पेस रेगुलेटर और प्रमोटर के चेयरमैन विवेक गोयनका ने शुक्रवार को एक बिजनेस कॉन्क्लेव में कहा कि भारत कमर्शियल विस्तार के दौर में प्रवेश करने के लिए तैयार है। उम्मीद है कि 2033 तक स्पेस सेक्टर में ग्रोथ 8 बिलियन से बढ़कर .44 बिलियन हो जाएगी। इस .44 बिलियन में से .11 बिलियन विदेशी ग्राहकों से आने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि 450 स्पेस स्टार्टअप्स में से 20 स्टार्टअप्स कमर्शियल चरण को बढ़ाने के लिए तैयार हो चुके हैं। स्काईरूट की ऑर्डर बुक अगले 2-3 साल के लिए भरी हुई है। इसी तरह अग्निकुल भारत की पहली कंपनी है जो रियूज रॉकेट पर काम कर रही है। पिक्सेल पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट्स का एक ग्रुप बना रही है। गोयनका ने कहा कि दिगंतरा एंड-टू-एंड स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस और स्पेस डोमेन अवेयरनेस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रही है। एक भारतीय कंपनी रीफ्यूलिंग सिस्टम पर काम कर रही है। इन स्पेस स्टार्टअप्स का बिजनेस 10-20 करो रुपये का है, जो 2 से 3 गुना की रफ्तार से ब रहा है। डिफेंस सेक्टर सबसे बा कस्टमर है।

8 साल तक भरा प्रीमियम वक्त आने पर मुकरा अस्पताल, भर्ती पत्नी के इलाज का क्लेम रिजेक्ट!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कई ऐसी इंश्योरेंस कंपनियां हैं, जो लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस (स्वास्थ्य बीमा) देती हैं। लोग इस बीमा को इसलिए कराते हैं ताकि जरूरत पड़ने पर या स्वास्थ्य संबंधित किसी भी इमरजेंसी के वक्त उन्हें क्लेम करने पर बीमा की राशि मिल सके। राशि मिलने पर लोगों को इलाज कराने में आर्थिक रूप के काफी मदद मिल जाती है। इस बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर भी सोचने पर मजबूत कर दिया है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया है कि एक व्यक्ति जिसकी पत्नी अस्पताल में भर्ती है। उसने इलाज के लिए पैसे की जरूरत पड़ने पर करीब आठ साल से भर रहे प्रीमियम पर हेल्थ इंश्योरेंस को क्लेम किया, लेकिन अफसोस की बात यह रही कि वक्त आने पर उसकी इंश्योरेंस कंपनी निवा भूपा ने उसके क्लेम रिक्वेस्ट को रिजेक्ट कर दिया और कैशलेस सुविधा देने से मना कर दिया। इस व्यक्ति के पास निवा भूपा के कुल तीन हेल्थ इंश्योरेंस होने की बात कही गई है, जो करीब 25-25 लाख रुपये के हैं।

राहुल कुमार नाम की एक वेरिफाइड एक्स आईडी से इस व्यक्ति की परेशानियों को बताया गया है। इसमें लिखा गया है- 8 साल से ये बंदा

हेल्थ इंश्योरेंस भर रहा था आज बीबी बीमार है हॉस्पिटल में तो इंश्योरेंस क्लेम नहीं हो रहा है। निवा भूपा की तीन-तीन पॉलिसीज हैं इसके पास- खुद की, बीवी की और पेरेंट्स के बच्चे की। पच्चीस-पच्चीस लाख की। फैमिली फ्लोटर तक नहीं लिया सिर्फ पीस ऑफ माइंड के लिए।

आठ साल में कभी क्लेम नहीं किया। अब बीवी फोरटिस ग्रेटर नोएडा में एडमिट है। टाइफाइड निकला है फैमिली डॉक्टर से लेकर दो हॉस्पिटल तक इलाज चला, फिर भी कंपनी ने बिना ठोस वजह क्लेम रिजेक्ट कर दिया। क्लेम रिक्वेस्ट रात 3:17 पर गई और सिर्फ 23 मिनट में 3:40 पर डिनायल आ गया। मतलब डॉक्यूमेंट्स रिव्यू करने का टाइम ही नहीं दिया। क्लेरिफिकेशन भेजा तो फिर 10 से 15 मिनट में डिनायल। बंदे (व्यक्ति) का बस एक सवाल है, आठ साल प्रीमियम भरने के बाद, पहली जरूरत पर कंपनी मुंह मोड़ ले तो इंश्योरेंस का क्या फायदा है। इस एक्स (पहले ट्विटर) पोस्ट पर इंश्योरेंस क्लेम और उसको कंपनी के द्वारा रिजेक्ट करने की भी तस्वीरें शेयर की गई हैं। क्लेम करने वाले व्यक्ति (ग्राहक) का नाम अभी पता नहीं चला है, लेकिन उनकी पत्नी का नाम मनीषा शर्मा है, जो बीते दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं। पीड़ित महिला के पति ने कहा, मेरी पत्नी अस्पताल में हैं। 8 साल में यह मेरा पहला क्लेम था, लेकिन बिना किसी कारण के इसे खारिज कर दिया गया। क्लेम रिक्वेस्ट पर इंश्योरेंस कंपनी ने अपनी बात कही है। इस एक्स पोस्ट में शेयर की गई तस्वीरों में कंपनी की बात को भी शेयर किया गया है। इसमें कंपनी ने क्लेम रिक्वेस्ट का जवाब देते हुआ कहा, जमा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, मरीज को मुख्य रूप से जांच और मूल्यांकन के लिए भर्ती किया गया था। हमें खेद है कि हम इस अनुरोध के लिए कैशलेस सुविधा नहीं दे सकते।

5 नहीं, 1 साल में सुलझेंगे विदेशी कंपनियों के विवाद, बड़े बदलाव की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों की एक पुरानी शिकायत को दूर करने के लिए सरकार मॉडल बाइलेटरल इन्वेस्टमेंट ट्रीटी में बदलाव करने की पूरी तैयारी में है। सरकार अब स्थानीय कानूनी रास्ते अपनाने के महज एक साल बाद ही अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की इजाजत देने जा रही है। फिलहाल समय सीमा पांच साल की है। दो हफ्ते पहले आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने पुष्टि की कि सरकार जल्द ही बदलावों के लिए कैबिनेट की मंजूरी लेगे। वित्त मंत्रालय ने 10 साल पुराने इस मॉडल बीआईटी में सुधार के लिए कैबिनेट नोट पेश कर दिया है। मामले से जुड़े लोगों ने टीओआई को बताया कि सरकार निवेश की परिभाषा को भी बदलने का प्रस्ताव रख रही है। इसमें वे शेयर और इक्विटी भी शामिल होंगे जो पांच साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश किए गए हों। केंद्र सरकार कुछ खास मामलों में छूट देने पर भी विचार कर रही है। इसमें सब्सिडी, स्थानीय सरकार के फैसले और कंपलसरी लाइसेंसिंग (पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी जैसी स्थिति में पेटेंट अधिकारों को हटाना) जैसे मुद्दे शामिल हो सकते हैं। जानकारों के मुताबिक, निवेशकों और सरकार के बीच विवाद सुलझाने के सिस्टम को बातचीत के शुरुआती आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

स्क्रीन पर कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी : समीक्षा

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, 'टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है।' अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, 'हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें। ' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना ??है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।

'स्टेज पर ही आखिरी सांस लेना चाहता हूं': अखिल सचदेवा

अभिनेता इमरान हाशमी की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन 2' के गाने 'पिया घर आया-होमकमिंग' को कंपोज करने वाले संगीतकार अखिल सचदेवा ने अपने अब तक के सफर और आगे की योजनाओं को लेकर` बात की। उन्होंने बताया कि उनका सफर बाकी गायकों से काफी अलग रहा है। उन्होंने अपने जीवन का एक सपना भी बताया। बातचीत में अखिल सचदेवा ने कहा, ''ज्यादातर गायक पहले फिल्मों में प्लेबैक सिंगिंग से शुरुआत करते हैं। इसके बाद उन्हें पहचान मिलती है और फिर वे लाइव शो करने लगते हैं। लेकिन मैंने इसका बिल्कुल उल्टा रास्ता चुना। मैंने अपने संगीत सफर की शुरुआत स्टेज शो से की और मुझे जल्द ही एहसास हो गया कि मैं स्टेज के लिए ही बना हूं।'' उन्होंने इस जुड़ाव को बेहद खास अंदाज में बताते हुए कहा, ''मेरा सपना है कि मेरी आखिरी सांस भी स्टेज पर ही निकले। मेरे लिए मंच केवल गाने और परफॉर्म करने की जगह नहीं है, बल्कि यह वह जगह है, जहां मुझे अपने दर्शकों से सीधे जुड़ने का मौका मिलता है।'' अखिल ने कहा, ''मैंने भारत के अलावा दुनिया के कई हिस्सों में जाकर परफॉर्म किया है। इन लाइव शो के दौरान मुझे अलग-अलग तरह के लोगों से मिलने और उनके सामने अपना संगीत पेश करने का मौका मिला। इन्हीं स्टेज परफॉर्मेंस की वजह से मैं लोगों के दिलों तक पहुंच पाया हूं।

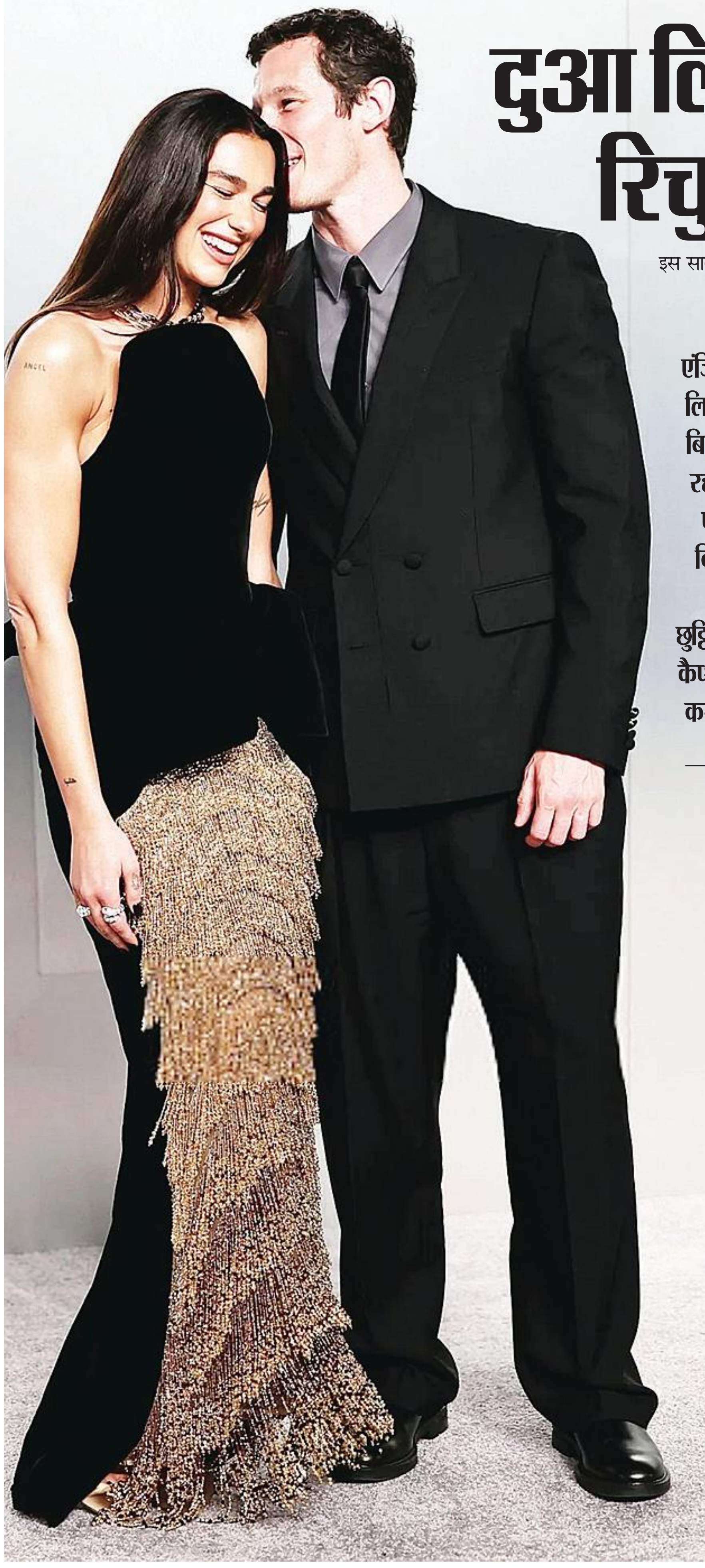

दुआ लिपा ने अपने समर रिचुअल का खुलासा किया

लॉस एंजिल्स। सिंगर-सॉन्गराइटर दुआ लिपा अपने पसंदीदा आइलैंड पर छुट्टियां बिताकर बेहद खुश और सुकून महसूस कर रही हैं। शुक्रवार को सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम पर छुट्टियों की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। तस्वीरों और वीडियो में, वह अपने करीबी लोगों के साथ मजेदार खाना खाते हुए और छुट्टियों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'अपने पसंदीदा आइलैंड पर कम से कम एक बार जाए बिना गर्मी का मौसम अधूरा है।

इस साल की शुरुआत में शादी के बाद से ही यह सिंगर शानदार समय बिता रही हैं। उन्होंने लगभग दो साल तक डेटिंग करने के बाद ब्रिटिश एक्टर कैलम टर्नर से शादी की। इस कपल के बीच रोमांस की खबरें पहली बार 2024 की शुरुआत में उड़ी थीं और उसी साल बाद में उन्होंने अपने रिश्ते को सबके सामने जाहिर किया। लिपा ने जून 2025 में अपनी सगाई की पुष्टि की। कपल ने 31 मई, 2026 को लंदन के ओल्ड मैरीलेबोन टाउन हॉल में करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में एक निजी सिविल सेरेमनी की। इसके बाद 6 जून को सिसिली में एक शानदार जश्न मनाया गया। इटैलियन सेरेमनी के लिए सिंगर ने खास तौर पर तैयार किया गया शनेल ऑट कउचर गाउन पहना था, जबकि खबरों के मुताबिक जश्न में कई सेलिब्रिटी मेहमान भी शामिल हुए थे। टर्नर ने हाल ही में अपनी शादी को अपनी जिंदगी का 'सबसे खूबसूरत दिन' बताया। इससे पहले, दुआ लिपा ने एल्टन जॉन के साथ अपने कोलैबोरेशन 'कोल्ड हार्ट' के 5 साल पूरे होने का जश्न मनाया, जिसे 5.3 बिलियन बार स्ट्रीम किया गया था। एक जॉइंट पोस्ट में, एल्टन जॉन और दुआ लिपा ने इस पल को सेलिब्रेट करते हुए साथ में कई तस्वीरें शेयर कीं। यह गाना जॉन और बर्नी टौपिन के साथ-साथ एंड्रयू मीचम, डीन मेरेडिथ, निकोलस लिटिलमोर, पीटर मेस और सैम लिटिलमोर द्वारा लिखे गए चार गानों का मिश्रण है। इसका प्रोडक्शन बाद के तीन लोगों ने डांस म्यूजिक ग्रुप 'प्नाउ' के हिस्से के तौर पर पूरा किया था।

डिंपी के ट्रांसफॉर्मेशन पर बोलीं हर्षिता गौर, 'अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं'

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है। ' अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी। ' अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं।

गोविंदा के मैनेजर ने सुनीता के दावों को किया खारिज

कोई दूसरी शादी नहीं हो रही

गोविंदा और सुनीता की शादीशुदा जिंदगी उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। बीते दिनों सुनीता ने दावा किया था कि गोविंदा रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ दूसरी शादी करने की प्लानिंग में हैं। इन दावों पर चीची के मैनेजर का रिएक्शन सामने आया है। अभिनेता गोविंदा और सुनीता आहूजा अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ वक्त पहले भी दोनों के अलगाव की खबरें सामने आई थीं। सुनीता ने तलाक का केस फाइल किया था। वहीं, दो दिन पहले उन्होंने तलाक का केस वापस ले लिया। इस बीच उन्होंने ऐसा दावा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी में थे। सुनीता के इन दावों को गोविंदा के मैनेजर ने खारिज किया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा की निजी जिंदगी के विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। बीते दिन सुनीता ने राखी सावंत से बात करते हुए इस बात का खुलासा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयार कर रहे थे। सुनीता ने यह बात उस वक्त कही, जब राखी पैपराजी के सामने ही फोन स्पीकर पर रखकर उनसे बातें कर रही थीं। सारी बातचीत कैमरे में कैद हुई और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने लगे। सुनीता ने दावा किया कि जब उन्हें पता चला है कि गोविंदा फिर से शादी करने की योजना बना रहे हैं, तो उन्होंने अपनी तलाक की याचिका वापस ले ली।

भाभी करीना कपूर के सपोर्ट में आई सबा पटौदी

लोगों को पर्सनल लाइफ में दखल न देने की हिदायत दी

सेलेब्स को अक्सर अपने लुक्स, बयान और कई वजहों से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है, जिनके सपोर्ट में अक्सर उनके घरवाले आगे आते हैं। शनिवार को ऐसा ही हुआ, जब करीना कपूर को सपोर्ट करने के लिए उनकी ननद सबा पटौदी सामने आईं। दरअसल, सोशल मीडिया पर अभिनेत्री करीना कपूर का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिससे लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि अभिनेत्री तीसरे बच्चे की उम्मीद से हैं।

सबा पटौदी ने इंस्टाग्राम के जरिए अफवाहों पर विराम लगाया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अभिनेत्री की वही तस्वीर पोस्ट कर कहा कि कुछ बातें प्राइवेट ही होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने लोगों को किसी की पर्सनल लाइफ के बारे में अंदाजा लगाने से बचने की अपील की। सबा पटौदी ने लिखा, 'एक बेकार एंगल और खराब हेयर-डे हो सकता है। लोग कैसे इतनी बड़ी बात सोच लेते हैं। वो एयरपोर्ट से एकदम स्टाइलिश और स्लिम लुक में निकली थी और अब जिम से।

बस इतनी-सी बात है। उन्होंने आगे बताया कि वह अपनी बहन सोहा अली खान को दूसरे बच्चे के लिए मना रही हैं, लेकिन बात नहीं बन रही है। सबा पटौदी ने लिखा, 'मैं अपनी बहन को दूसरे बच्चे के लिए मना रही हूं... काश ये सच होता। वह ये बात कहने के लिए मुझे मार ही डालेगी! ' सबा ने लोगों से दूसरों की निजी जिंदगी में दखल न देने की अपील भी की और लिखा, 'जियो और जीने दो। कुछ चीजें प्राइवेट ही रहने दीजिए। अंदाजा लगाने की जरूरत नहीं है। प्यार और सम्मान के साथ। बता दें कि करीना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें करीना जिम से निकलकर अपनी कार की ओर जाती दिख रही थीं, तभी उनकी टीम का एक मेंबर पपराजी से बचाने के लिए उनके सामने छाता लगा देता है।

लोगों ने बेबी बंप की चर्चा शुरू की

इसी वीडियो के बाद लोगों ने बेबी बंप की चर्चा शुरू कर दी। बता दें, करीना और सैफ अली खान ने अक्टूबर 2012 में शादी की थी। उनके दो बेटे हैं - तैमूर अली खान, जिसका जन्म 2016 में हुआ था और जहांगीर अली खान, जिसे प्यार से जेह कहा जाता है, जिसका जन्म 2021 में हुआ था।

अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने 3 मेडल जीते

- मानसी को सिल्वर, तानवी और कोमल को ब्रॉन्ज मिला

स्लोवाकिया (एजेंसी)। भारत की महिला पहलवानों ने अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में तीन और मेडल जीते। मानसी लाठर ने सिल्वर, जबकि तानवी मगदुम और कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में चल रही चैंपियनशिप के 68 किलोग्राम कैटेगरी के गोल्ड मेडल मैच में मानसी को चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ 1-2 से करीबी हार मिली। इसके चलते उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

- **तानवी ने कनाडा की पहलवान को हराया** – 57 किलोग्राम कैटेगरी में तानवी मगदुम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तानवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

कोमल ने हंगरी की पहलवान को हराया – 59 किलोग्राम कैटेगरी में कोमल ने हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराया। कोमल ने यह मुकाबला जीतकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

बीसीसीआई के टाइटल स्पॉन्सर रेस में जेमिनी और एसबीआई लाइफ

- बेस प्राइस 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच, 2 साल में 35 घरेलू मैचों के अधिकार मिलेंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के टाइटल स्पॉन्सर के अधिकारों की डील अभी फाइनल नहीं हुई है। BCCI को तय समय तक कोई ऐसी बोली नहीं मिली, जो उसकी उम्मीदों पर खरी उतरे। अब बोर्ड संभावित कंपनियों से सीधे बातचीत कर रहा है। गूगल का द्ध ब्रांड जेमिनी, स्पिनी और एसबीआई लाइफ के नाम इस रेस में सामने आए हैं। बीसीसीआई ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 13 अगस्त रखी थी। क्रिकबज के मुताबिक, या तो कोई बोली नहीं मिली या मिली हुई बोली बोर्ड की उम्मीद के मुताबिक नहीं थी। अब बीसीसीआई के पास सितंबर में घरेलू सीजन शुरू होने से पहले डील फाइनल करने का समय है।

- **बेस प्राइस 15.5 प्रतिशत बढ़ा** – बीसीसीआई ने टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए बेस प्राइस 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच रखा है। यह मौजूदा डील के मुकाबले करीब 15.5 प्रतिशत ज्यादा है। मौजूदा टाइटल स्पॉन्सर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक हर घरेलू इंटरनेशनल मैच के लिए बीसीसीआई को 4.2 करोड़ रुपए देता है। बैंक ने तीन साल पहले ये अधिकार हासिल किए थे।इस बार बीसीसीआई अधिकार सिर्फ दो साल के लिए बेच रहा है। यह डील 31 मार्च 2028 तक रहेगी। इस दौरान करीब 35 घरेलू इंटरनेशनल मैच होने की उम्मीद है।

दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की हत्या

- घर के बाहर कार में गोली मारी गई, साउथ अफ्रीका के ईस्टर्न केप की घटना

नईदिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 38 साल के टेटे को शुक्रवार को ईस्टर्न केप के मडांत्साने में उनके घर के बाहर निशाना बनाया गया। वह अपनी कार में बैठे थे और घर का गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे। तभी बलाक्लावा पहने दो हथियारबंद लोगों ने उनकी कार पर कई गोलियां चला दीं। हमले में टेटे के साथ कार में मौजूद 27 साल की महिला भी घायल हुई। उसे कई गोलियां लगी हैं। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

- **11 सेकेंड में नॉकआउट, वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया** – टेटे को बॉक्सिंग में 'लास्ट बॉर्न' के नाम से जाना जाता था। उनके नाम वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2017 में साउथ अफ्रीका के सिबोनिसो गोन्या को सिर्फ 11 सेकेंड में नॉकआउट किया था। इस जीत के साथ उन्होंने वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

भारत-श्रीलंका दूसरा टेस्ट आज से

गिल के पास 3 हजार रन और 50 छक्के पूरे करने का मौका, सारांश जैन डेब्यू कर सकते हैं

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। गॉल में 165 रन से जीत हासिल कर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। अब भारत की नजर सीरीज 2-0 से जीतने और तीन साल बाद विदेशी जमीन पर टेस्ट सीरीज अपने नाम करने पर है। भारत ने आखिरी बार जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ विदेशी टेस्ट सीरीज जीती थी। कप्तान शुभमन गिल के नाम टेस्ट क्रिकेट में अभी 2,993 रन हैं। वह 7 रन बनाते ही 3,000 टेस्ट रन पूरे कर लेंगे। इसके अलावा गिल 47 टेस्ट छक्के लगा चुके हैं और 3 छक्के लगाते ही 50 छक्के पूरे कर लेंगे।

जायसवाल पर भी बड़ी पारी का दबाव – ओपनर यशस्वी जायसवाल भी लंबे समय से बड़ी पारी का इंतजार कर रहे हैं। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में शतक लगाने के बाद उनकी पिछली 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक आया है।गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जायसवाल तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो की शॉर्ट गेंद पर कट खेलने की कोशिश में विकेट के पीछे कैच हो गए थे। कोलंबो के नेट्स में उन्होंने इस शॉट पर भी काम किया। भारतीय तेज गेंदबाजों और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी कर उन्हें कट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश की, लेकिन जायसवाल ने कई गेंदें छोड़कर जवाब दिया।

सुथार पर फिर रहेंगी नजरें – गॉल टेस्ट में मानव सुथार ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। कोलंबो की पिच भी मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनर्स की मदद कर सकती है। ऐसे में सुथार के साथ रवींद्र जडेजा की भूमिका अहम होगी।

जडेजा के पास भी दो रिकॉर्ड बनाने का मौका – रवींद्र जडेजा इस टेस्ट में दो व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 399 चौके हैं। एक चौका लगाते ही वह 400 चौके पूरे कर लेंगे। वहीं जडेजा 49 टेस्ट कैच भी ले चुके हैं। एक कैच और लेते ही उनके 50 टेस्ट कैच पूरे हो जाएंगे।

भारत की नजर 2-0 की जीत पर – गॉल में जीत के बाद भारत मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 53.33त्न पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर है। अगर भारत कोलंबो टेस्ट जीतकर सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप करता है तो उसके द्धज्ञष्ट पॉइंट्स प्रतिशत 57.58 तक पहुंच सकते हैं और टीम के चौथे स्थान पर जाने की संभावना बनेगी।

भारत ने श्रीलंका से 23 टेस्ट जीते – भारत के खिलाफ श्रीलंका का टेस्ट रिकॉर्ड भी कमजोर है। दोनों टीमों के बीच अब तक 47 टेस्ट खेले गए हैं। भारत ने 23 और श्रीलंका ने 7 मैच जीते हैं, जबकि 17 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।

कोलंबो की पिच पर शुरुआत में बल्लेबाजों को फायदा – सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर शुरुआत में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। यहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आ सकती है और पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाया जा सकता है।मैच आगे बढ़ने के साथ पिच सूखने लगेगी, जिससे स्पिनर्स को टर्न और उछाल मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है।

कुलदीप या सारांश, तीसरे स्पिनर पर फैसला बाकी

भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ा चयन सवाल तीसरे स्पिनर को लेकर है। गॉल टेस्ट में कुलदीप यादव ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ एक विकेट लिया। वह टीम के सबसे महंगे गेंदबाज भी रहे।दूसरे टेस्ट में उनकी जगह ऑफ स्पिनर सारांश जैन को मौका मिलने की संभावना है। उन्होंने शुक्रवार को नेट्स में लंबा स्पेल किया और शुभमन गिल तथा ऋषभ पंत को गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या को देखते हुए सारांश को मौका मिल सकता है। हालांकि कुलदीप को बाहर करना अभी तय नहीं है। स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतेले ने उनका बचाव किया है। उनका कहना है कि एक मैच के प्रदर्शन से किसी खिलाड़ी का आकलन नहीं किया जाना चाहिए। कुलदीप ने गॉल में मैच की जरूरत के अनुसार अपनी गेंदबाजी की दिशा और ट्रैजेक्टरी बदलने की कोशिश की थी। अंतिम फैसला पिच और टीम कॉम्बिनेशन को देखकर होगा।

गंभीर बोले- मेरा काम ट्रॉफी जीतना, लाइक्स-व्यूज देखना नहीं

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट टीम के हालिया प्रदर्शन पर हो रही आलोचना का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उनका काम रैंकिंग या सोशल मीडिया के लाइक्स-व्यूज देखना नहीं, बल्कि टीम को ट्रॉफी जिताना है।श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो में गंभीर ने कहा कि भारत टेस्ट क्रिकेट में संघर्ष नहीं कर रहा है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। भारत की टेस्ट टीम में पिछले कुछ समय में बड़े बदलाव हुए हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं। इसके बाद टीम में नए खिलाड़ियों को जगह मिली है। इसी दौर में भारत को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार मिली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम को हार का सामना करना पड़ा।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत- यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, मानव सुथार, सारांश जैन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज। श्रीलंका- लाहिरू उदारा, निशान फर्नांडो, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा (कप्तान), निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), सोनल दिनूषा, केशरा नुवानथा, प्रभात जयसूर्या, असिथा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता। इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 171 रनों पर ऑल आउट हो गई थी, जिसमें रॉबिन्सन ने 51 रन देकर 5 और टंग ने 46 रन देकर 5 विकेट लिए थे. जवाब में इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर के चार बल्लेबाजों ने हाफ-सेंचुरी लगाई. जॉर्डन कॉक्स ने 73, जो रूट ने 66, हैरी ब्रूक ने 91 और डैन लॉरेंस ने 51 रन बनाए.

पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गईं जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया।शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी मुश्किल स्थिति में आ गया। इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया.

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे

पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफ्रा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए। इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है.

वैभव सूर्यवंशी पर राहुल द्रविड़ बोले

वह अभी सिर्फ 15 साल का है...

मुंबई (एजेंसी)। व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने के बाद वैभव सूर्यवंशी अब रेड-बॉल में छाप छोड़ने वाले है. क्योंकि वो 23 अगस्त से शुरू होने वाले दिलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं. दिलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी को कम से कम दो लगातार फर्स्ट-क्लास मैच खेलने का मौका मिल सकता है, और अगर ईस्ट जोन फाइनल में पहुंचता है तो तीसरा मैच भी मिल सकता है.

वैभव को थोड़ा समय देना होगा – द्रविड़ ने कहा, वैभव ने शायद व्हाइट-बॉल क्रिकेट की तुलना में उतना रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है. वह अभी सिर्फ 15 साल का है, और मुझे लगता है कि आपको उसे थोड़ा समय देना होगा और उसके साथ धैर्य रखना होगा. जाहिर है कि उसे शुरुआत में ही बहुत सफलता मिली है, लेकिन उसे उतार-चढ़ाव का सामना भी करना पड़ेगा, और मुझे लगता है कि लोगों को उसके साथ धैर्य रखना होगा। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि उसे कुछ सफलता मिलेगी, लेकिन ऐसा समय भी आ सकता है जब चीजें उसके पक्ष में न हों. लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि वह अभी सिर्फ 15 साल का है और उसे अभी लंबा सफर तय करना है द्रविड़ को उम्मीद है कि सूर्यवंशी आगे चलकर टॉप लेवल पर रेड-बॉल क्रिकेट में भी अपनी जगह बना पाएगा और भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलने वाला खिलाड़ी बन सकेगा।

वैभव को रेड-बॉल में भी काफी समय मिलना चाहि

इस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ने वैभव पर बड़ा बयान दिया है. उनका मानना है कि क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो सभी फॉर्मेट के क्रिकेटर बन सकें. साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 15 साल के इस खिलाड़ी को रेड-बॉल क्रिकेट के लिए काफी समय मिलना चाहिए। बता दें कि राहुल द्रविड़ ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स में बतौर हेड कोच सूर्यवंशी को कोचिंग दी थी. उसी सीजन में वैभव ने आईपीएल में डेब्यू करके धमाल मचाया था. द्रविड़ ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी के विकास को सावधानी से संभालने की जरूरत है, ताकि व्हाइट-बॉल के मौकों और रेड-बॉल क्रिकेट के बीच संतुलन बना रहे। डबलिन में यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग के अनावरण के दौरान द्रविड़ ने क्रिकइन्फो से कहा, मुझे लगता है कि आपको हमेशा वह संतुलन बनाना होता है. यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें वापस जाकर भारतीय घरेलू सिस्टम में रेड-बॉल क्रिकेट खेलने और अपने रेड-बॉल करियर को आगे बढ़ाने का समय भी मिल रहा है। सूर्यवंशी ने अब तक केवल आठ फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उनका औसत 17.25 रहा है. द्रविड़ का मानना है कि अपनी रेड-बॉल स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए इस युवा खिलाड़ी को इस फॉर्मेट में लगातार खेलने की जरूरत है।

दूसरे टेस्ट में स्टार्क का कहर, बांग्लादेश 64 रनों पर हुआ ढेर

मिशेल स्टार्क 10 ओवर में 6 मेडन 12 रन और 6 विकेट

डार्विन (एजेंसी)। डार्विन बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज का पहला टेस्ट 9 विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में शानदार वापसी की और मेहमान टीम की पहली पारी सिर्फ 64 रनों पर ही समेट दी. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहर बरपाते हुए 10 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर 6 विकेट चटकाए, जिसमें 6 मेडन ओवर भी शामिल थे. ये उनके करियर का 19वां फाइफर (पांच विकेट) था. इसके अलावा कमिंस ने 3 और हेजलवुड ने एक विकेट हासिल किए.

स्टार्क को वर्ल्ड रिकॉर्ड – अपने इस शानदार स्पेल की वजह से स्टार्क ने रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा लिया वो चार अलग अलग टेस्ट मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं. इससे पहले, उन्होंने श्रीलंका (2016), इंग्लैंड (2021) और भारत (2024) में टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था। बता दें कि इससे पहले वेस्टइंडीज के पेड्रो कॉलिन्स के नाम टेस्ट मैच की पहली गेंद पर तीन बार विकेट लेने का रिकॉर्ड था. भारत के ऑलराउंडर कपिल देव और इंग्लैंड के ऑलराउंडर रिचर्ड हैडली ने दो बार यह कारनामा किया था। इस मैच में स्टार्क ने सिर्फ 22 गेंदों में पांच विकेट चटकाए, जो पांच विकेट लेने का पांचवां सबसे तेज स्पेल बन गया.

उनके नाम पहले से ही 2025 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 15 गेंदों में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है. जबकि इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड और ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दोनों ने 19 गेंदों में पांच विकेट लिए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन को पांच विकेट लेने में 21 गेंदें लगी थीं. स्टार्क के टेस्ट विकेटों की कुल संख्या अब 441 हो गई है, और वह डेल स्टेन के 439 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए सर्वकालिक टेस्ट विकेट की सूची में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश का लोवेस्ट टोटल

- 43 बनाम वेस्टइंडीज (2018)
- 53 बनाम साउथ अफ्रीका (2022)
- 62 बनाम श्रीलंका (2007)
- 64 बनाम ऑस्ट्रेलिया (2026)

ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट खोकर 151 रन बना लिए हैं. जिसमें शरीफुल इस्लाम ने 6 विकेट लेकर मेजबान टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया है।

बांग्लादेश 64 पर ऑलआउट

मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की बात करें तो में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी करने का फैसला किया. जिस फैसले को तेज गेंदबाजों ने सही साबित कर दिखाया. एक समय बांग्लादेश का स्कोर 39/9 हो गया था और ऐसा लग रहा था कि वे 50 रन पूरे करने से पहले ही ऑल आउट हो जाएंगे. लेकिन, तैजुल इस्लाम और शरीफुल इस्लाम की जोड़ी ने आखिरी विकेट के लिए 25 रन की साझेदारी करके टीम का स्कोर 64 रन तक पहुंचा दिया. ये बांग्लादेश का टेस्ट क्रिकेट में चौथा सबसे लोवेस्ट टोटल है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण

एक माता-पिता एवं उनके बेटा-बेटी से संबंधित मामलों की सुनवाई एक साथ करने का निर्देश

रांची, नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने धनबाद, जामताड़ा एवं पाकुड़ जिले के विभिन्न विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों के भौतिक निरीक्षण के दौरान मतदाताओं द्वारा भरे गए इन्यूमरेशन फॉर्म और प्रस्तुत दस्तावेजों में सामने आई विसंगतियों को गंभीरता से लेते हुए एफ्ढ/अएफ्ढ को प्रत्येक मामले की समुचित जांच कर नियमानुसार निष्पादन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि एक माता-पिता एवं उनके बेटा-बेटी से संबंधित मामलों की सुनवाई यथासंभव एक साथ की जाए, ताकि उनके आयु, आपसी संबंध, नागरिकता संबंधी विवरण तथा प्रस्तुत दस्तावेजों का समग्र रूप से मिलान किया जा सके। उनमें से किसी एक सदस्य की घोषणा अथवा दस्तावेज में आयु संबंधी विसंगति मिलने की स्थिति में उससे जुड़े अन्य सदस्यों के विवरण की भी आवश्यकता के अनुसार जांच की जाए।

निरीक्षण के दौरान कुछ मामलों में वैध दस्तावेजों में अंकित जन्मतिथि और मतदाता द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म के माध्यम से दर्ज जन्मतिथि में अंतर पाया गया। कुछ बूथों पर भाई-बहन की जन्मतिथि में नौ माह से भी कम का अंतर दर्ज होने जैसे मामले भी सामने आए। श्री के. रवि कुमार ने कहा कि ऐसी तार्किक विसंगतियां संबंधित मतदाताओं के आयु एवं पारिवारिक दस्तावेजों की विस्तृत जांच की आवश्यकता को दर्शाती हैं। उपलब्ध प्रमाणों का आपस में मिलान करने के बाद ही सुनवाई को अंतिम रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के क्रम में यह तथ्य सामने आया है कि सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने हेतु मतदाताओं द्वारा उनके उम्र को योजना के अनुरूप दशार्ने के उद्देश्य से बढ़ाने एवं घटाने का भी कार्य किया गया है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि मतदाता ऐसी स्थिती को, सुनवाई के दौरान एफ्ढ/अएफ्ढ के समक्ष स्पष्ट रूप से बताएं। सही तथ्यों को सामने रखते हुए उपलब्ध प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत करें, ताकि विसंगति का नियमानुसार निराकरण किया जा सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा भौतिक निरीक्षण के क्रम में कुछ ऐसे मामले भी सामने आए, जिनमें मतदाताओं की मैपिंग उनके वास्तविक पारिवारिक दस्तावेजों के अनुरूप न होकर अन्य रिश्तेदारों के साथ की गई थी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में वास्तविक पारिवारिक संबंधों एवं उपलब्ध प्रमाणों की जांच कर सही मैपिंग सुनिश्चित की जाए। आयोग द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों में से संबंधित मतदाता के लिए लागू वैध एवं प्रमाणिक दस्तावेज के आधार पर ही आवश्यक प्रविष्टि की जाए और वही दस्तावेज अपलोड किए जाएं। गलत अथवा अप्रमाणिक दस्तावेजों के आधार पर मामले का निष्पादन किए जाने पर संबंधित पदाधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

के. रवि कुमार ने कहा कि यदि किसी परिवार का कोई सदस्य विदेशी नागरिक है, तो वह भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सक्षम प्राधिकारी से नियमानुसार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने और मतदाता पंजीकरण की अन्य वैधानिक अर्हताएं पूरी करने के बाद ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदन करे। भारतीय नागरिकता प्राप्त किए बिना गलत घोषणा अथवा गलत जानकारी के आधार पर मतदाता पंजीकरण के लिए आवेदन किए जाने की स्थिति में लागू कानून के तहत कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि कोई विदेशी नागरिक किसी भारतीय परिवार के विवरण, दस्तावेज अथवा पारिवारिक संबंध का गलत इस्तेमाल कर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का प्रयास कर रहा है, अथवा उसका नाम गलत तरीके से सूची में दर्ज है, तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज कराएं। ऐसे मामले सामने आने पर एफ्ढ स्तर पर संबंधित परिवार के मतदाताओं के दस्तावेजों एवं पात्रता की भी आवश्यकतानुसार गहन जांच की जाएगी, ताकि पारिवारिक विवरण का दुरुपयोग कर किसी विदेशी नागरिक को मतदाता सूची में शामिल न किया जा सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत का प्रत्येक नागरिक, जो मतदाता पंजीकरण की निर्धारित वैधानिक अर्हताएं पूरी करता है, उसका नाम मतदाता सूची में शामिल होना संवैधानिक अधिकार है। दस्तावेजों में विसंगति मिलने मात्र से किसी पात्र नागरिक को उसके मताधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता; ऐसी विसंगतियों का निर्धारित प्रक्रिया, सुनवाई एवं प्रमाणिक दस्तावेजों के आधार पर निराकरण किया जाना आवश्यक है।

सदर अस्पताल पहुंचे बाबूलाल मरांडी, घायल एबीवीपी कार्यकर्ता मंटू मुर्मू से की मुलाकात

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह: छात्रों और झामुमो कार्यकताओं के बीच हुई झड़प के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

इसी बीच आज विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सदर अस्पताल पहुंचे और घायल एबीवीपी कार्यकर्ता मंटू मुर्मू से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। बाबूलाल मरांडी ने मंटू मुर्मू से घटना की जानकारी ली और उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में चिकित्सकों से भी जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। घटना के बाद भाजपा लगातार सरकार पर हमलावर है और छात्रों के साथ हुई मारपीट को लेकर कार्रवाई की मांग कर रही है।

वहीं, पुलिस द्वारा मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी किए जाने की भी जानकारी सामने आई है।

एमएमडीआर बिल पर भड़के डॉ. सरफराज अहमद बोले झारखंड के हितों पर कुठाराघात वापस नहीं हुआ तो होगा जोरदार आंदोलन

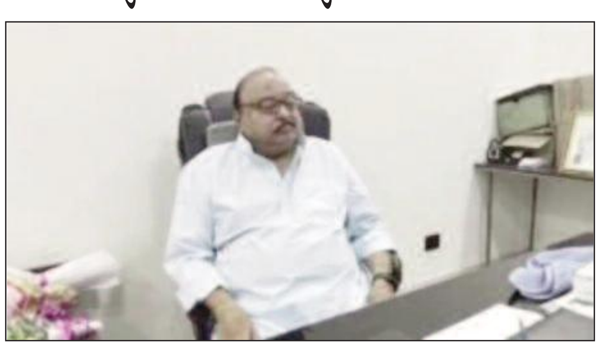

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एमएमडीआर बिल को लेकर झारखंड की सियासत गरमा गई है। राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए विधेयक को झारखंड और झारखंडियों के हितों के खिलाफ बताया है।

गिरिडीह में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने केंद्र सरकार से एमएमडीआर बिल को तत्काल वापस लेने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि बिल वापस नहीं हुआ तो झारखंड में इसके खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जाएगा। डॉ. सरफराज अहमद ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने इतने महत्वपूर्ण विधेयक को पर्याप्त चर्चा के बिना जल्दबाजी में आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खनिज संपदा से समृद्ध झारखंड के हितों और यहां के लोगों के अधिकारों को ध्यान में रखे बिना कोई भी फैसला स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती और प्राकृतिक संसाधनों पर झारखंडियों के हित सर्वोपरि होने चाहिए। केंद्र सरकार को राज्य की भावनाओं और अधिकारों का सम्मान करना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि एमएमडीआर बिल के प्रावधान झारखंड के हितों को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए इसे लेकर राज्य में व्यापक विरोध स्वाभाविक है।राज्यसभा सांसद ने कहा कि झारखंडी अपने हक और अधिकार के लिए उलगुलान करने को तैयार हैं। यदि केंद्र सरकार ने विधेयक वापस नहीं लिया तो विरोध को व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा और हर स्तर पर आवाज बुलंद की जाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि एमएमडीआर बिल वापस लेना ही झारखंड के हित में है। बिल वापस नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने झारखंड की जनता से भी अपने अधिकारों और राज्य के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया

छात्रों से झड़प के बाद भाजपा नेताओं समेत सैकड़ों गिरफ्तार

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने पहुंचे छात्रों और झामुमो कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। भाजपा नेता राजेश जायसवाल के अनुसार, रंजीत कुमार राय, महादेव दुबे, सुनील पासवान, सुरेश प्रसाद मंडल, नवीन सिन्हा, सुभाष चंद्र सिन्हा, मनोज साहु, दीपक यादव, महेंद्र वर्मा, राजकिशोर साव, मनीष वर्मा, मनोज पांडेय, जागेश्वर यादव, प्रेम रंजन, सौरव ठाकुर और प्रशांत चंद्रवंशी सहित सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के बाद इलाके में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है।

भाजपा ने कार्रवाई को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए हैं, जबकि प्रशासन की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

खूँटी एवं तोरपा विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

खूँटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 के तहत आज खूँटी एवं तोरपा विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर 22 एवं 23 अगस्त, दो दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के नेतृत्व में आयोजित विशेष शिविरों में बीएलओ उपस्थित रहे तथा पात्र नागरिकों से आवश्यक प्रपत्र प्राप्त किए गए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त के निर्देश पर उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री ललन कुमार समेत निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विशेष शिविर की व्यवस्थाओं एवं कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने बीएलओ से प्राप्त आवेदनों, उपस्थित मतदाताओं एवं शिविर में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विशेष शिविर के दौरान ऐसे पात्र भारतीय नागरिक, जिनकी आयु 1 अक्टूबर 2026 को अथवा उससे पहले 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है अथवा हो जाएगी और जिनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 एवं निर्धारित घोषणापत्र के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने हेतु आवेदन कर सकते हैं। वहीं, मतदाता सूची में नाम, पता अथवा अन्य विवरण में आवश्यक संशोधन, मतदान केंद्र परिवर्तन अथवा परिवार के सदस्यों को एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध कराने के लिए पात्र मतदाता निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी पात्र नागरिकों से अपील की गई है कि वे विशेष शिविर का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करें तथा आवश्यकता होने पर संबंधित बीएलओ के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र जमा करें। ऑनलाइन आवेदन के लिए इशीनेट एप एवं भारत निर्वाचन आयोगके वोटर सर्विस पार्टल का भी उपयोग किया जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। जिला प्रशासन ने सभी राजनीतिक दलों, बीएलए-2, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं आम नागरिकों से निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग की अपील की है।

चतरा में जिस्मफरोशी के खिलाफ कार्रवाई

चतरा, नवबिहार टाइम्स सं.। शहर के न्यू परिसदन भवन के समीप स्थित चांदनी रेस्टोरेंट में जिस्मफरोशी की सूचना पर शुक्रवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की. बता दें, पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रेस्टोरेंट में छापेमारी की। इस दौरान मौके से पुलिस ने पांच युवती, चार युवक और रेस्टोरेंट संचालक के बेटे को हिरासत में लिया। सभी को पूछताछ के लिए सदर थाना ले जाया गया है।

पुलिस के अनुसार, रेस्टोरेंट में अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिली थी। सूचना का सत्यापन करने के बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अचानक रेस्टोरेंट में छापेमारी की. कार्रवाई के दौरान वहां मौजूद युवक-युवतियों को पुलिस ने हिरासत में लिया. रेस्टोरेंट संचालक के बेटे को भी पुलिस अपने साथ थाना ले गई।

गिरिडीह में छात्रों और जेएमएम कार्यकर्ताओं में झड़प, पुतला दहन को लेकर विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने झंडा मैदान पहुंचे छात्रों और झामुमो जेएमएम कार्यकर्ताओं के बीच शुक्रवार शाम विवाद बढ़ गया।

देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। घटना के बाद झंडा मैदान में कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि शुरूआत में दो जेएमएम कार्यकर्ता छात्रों को पुतला दहन से रोकने के लिए मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद बड़ी संख्या में जेएमएम समर्थक झंडे और लाठियां लेकर झंडा मैदान पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ने के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। छात्रों की ओर से आरोप लगाया गया कि जेएमएम कार्यकर्ताओं ने छात्रों और युवाओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा तथा उनके हाथ से मुख्यमंत्री का पुतला छीन लिया।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं, विवाद को लेकर दोनों पक्षों की ओर से अलग अलग दावे किए जा रहे हैं।

संस्कृति महोत्सव में बरगंडा विद्यालय का दबदबा 31 पुरस्कारों के साथ ओवरऑल चैंपियन

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विद्या विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा के प्रांगण में हजारीबाग विभाग स्तरीय एक दिवसीय संस्कृति महोत्सव ह्यसंस्कृति बोधह्ण का भव्य आयोजन किया गया।

महोत्सव में 11 विद्यालयों के करीब 300 भैया-बहनों ने हिस्सा लिया। सात अलग अलग प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा ने 31 पुरस्कारों के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के साथ हुआ। विज्ञान प्रश्न मंच, वैदिक गणित प्रश्न मंच, विज्ञान पत्र वाचन, कथा कथन, तात्कालिक भाषण, आचार्य पत्र वाचन और लोक नृत्य जैसी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।विभाग प्रमुख ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा कि विभाग स्तर पर सफल प्रतिभागी प्रांत स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव का प्रमाण-पत्र भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की सचिव शालिनी खोवाला ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं और उन्हें संस्कारी नागरिक बनने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उपाध्यक्ष प्रदीप जैन और अध्यक्ष अर्जुन मिष्टकार ने भी विद्यार्थियों को आशीर्वचन दिया। ओवरऑल चैंपियनशिप में

बरगंडा प्रथम सातों प्रतियोगिताओं के सामूहिक प्रदर्शन के आधार पर प्रथमः सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा, गिरिडीह 31 पुरस्का- द्वितीयः सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हारटोली, हजारीबाग 26 पुरस्कार- तृतीयः कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर, झुमरी तिलैया 17 पुरस्कार प्रतियोगिताओं में विज्ञान प्रश्न मंच के विभिन्न वर्गों में बरगंडा, बरही, तिलैया, कुम्हारटोली और मालवीय मार्ग के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विज्ञान पत्र वाचन में बरगंडा और कुम्हारटोली के विद्यार्थियों का दबदबा रहा।

वैदिक गणित में भी बरगंडा, कुम्हारटोली, बरही और तिलैया के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाईक कथा-कथन में शिशु वर्ग में गिरिडीह की सोनल तथा बाल वर्ग में गिरिडीह की सौम्या ने प्रथम स्थान हासिल किया। तात्कालिक भाषण के तरुण वर्ग में गिरिडीह की रिया और किशोर वर्ग में कुम्हारटोली की अवंतिका प्रथम रहीं। आचार्य पत्र वाचन में कुम्हारटोली के ओमकार मिश्रा ने पहला स्थान प्राप्त किया। लोक नृत्य में कुम्हारटोली प्रथम, गिरिडीह द्वितीय और झुमरी तिलैया तृतीय स्थान पर रहा। पुरस्कार वितरण के साथ हुआ समापन समापन सत्र में अतिथियों का परिचय कराया गया। कार्यक्रम प्रमुख दुलारचंद आचार्य के नेतृत्व में पुरस्कार वितरण किया गया। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य सिद्धार्थ श्रीवत्स ने संबोधित किया, जबकि प्रधानाचार्य आनंद कमल ने वृत्त कथन प्रस्तुत किया। प्रांतीय प्रतियोगिता की जानकारी शर्मेन्द्र साहू ने दी। मंच संचालन निशा श्रेष्ठ और अजीत कुमार मिश्र ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वैदिक गणित प्रमुख राजीव कुमार सिंह ने किया। अंत में वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ

स्टूडेंट को दौड़ा-दौड़ाकर पीटने वालों पर हो एफआईआर

माहौल बिगाड़ने वालों पर भी कार्रवाई जरूरी

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झंडा मैदान में छात्रों और झामुमो कार्यकताओं के बीच हुई झड़प को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मामले को लेकर मांग उठाई गई है कि छात्रों पर हमला करने वालों के साथ-साथ मारपीट के लिए उकसाने और गिरिडीह के माहौल को जानबूझकर तनावपूर्ण बनाने वालों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की जाए।बयान में कहा गया कि लोकतंत्र में किसी का पुतला फूंकना अन्याय नहीं है, बल्कि यह विरोध दर्ज कराने का एक तरीका है। झामुमो कार्यकताओं को छात्रों का विरोध लोकतांत्रिक तरीके से करना चाहिए था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, जंतर-मंतर आंदोलन और नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर सवाल पूछकर राजनीतिक जवाब दिया जा सकता था। आरोप लगाया गया कि छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटना, आदिवासी छात्र को पकड़कर मारना और लाठी लेकर दौड़ाना कानूनन गंभीर मामला है। प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण में अब तक क्या कार्रवाई की है, इसकी जानकारी जनता को मिलनी चाहिए। वहीं, प्रशासन द्वारा आज के प्रस्तावित प्रदर्शन पर रोक लगाए जाने को लेकर भी कहा गया कि माहौल को देखते हुए प्रदर्शनकारियों को प्रशासन के आदेश का सम्मान करना चाहिए था। साथ ही सभी राजनीतिक दलों और संगठनों से अपील की गई कि गिरिडीह का माहौल खराब न हो और आपसी भाईचारा एवं सौहार्द जल्द बहाल करने के लिए पहल शुरू की जाए। बयान में स्पष्ट कहा गया कि किसी भी पक्ष की ओर से कानून हाथ में लेना उचित नहीं है और दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए।

नदी में स्नान करने गये युवक की मौत

मोतिहारी/सुगौली/संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र के सुगांव गांव में शुक्रवार को उस समय मातम पसर गया, जब नदी में स्नान करने गए एक व्यक्ति की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसे में सुगांव निवासी सुरेश झा की जान चली गई। सुरेश झा के लिए शुक्रवार का दिन जिंदगी का आखिरी दिन साबित हुआ।

डीएवी स्कूल में जिला युवा एवं विद्यालय शिखर सम्मेलन, समावेशन का दिया संदेश

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। डीएवी पब्लिक स्कूल, सीसीएल गिरिडीह के अटल प्रयोगशाला में विशेष ओलंपिक्स भारत, झारखंड की गिरिडीह जिला इकाई के तत्वावधान में जिला युवा एवं विद्यालय शिखर सम्मेलन एवं युवा सक्रियता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य ह्यएकजुट हों, प्रेरित करें और नेतृत्व करेंह्ण के संदेश के साथ युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति संवेदनशीलता, समानता और समावेशन की भावना को बढ़ावा देना था कार्यक्रम में कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के करीब 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम प्रभारी शुभम कुमार झा ने विद्यार्थियों को विशेष ओलंपिक्स भारत की गतिविधियों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों को खेल ही नहीं, बल्कि शिक्षा, कला, संस्कृति, नेतृत्व सहित अन्य क्षेत्रों में भी समान अवसर मिलना चाहिए। इस दौरान कक्षा 12वीं के छात्र प्रतीक को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रतीक ने हिमाचल प्रदेश में आयोजित विशेष ओलंपिक्स भारत के राष्ट्रीय युवा नेतृत्व शिखर सम्मेलन में विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी उल्लेखनीय सहभागिता के लिए उन्हें प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य आर. पी. गोयल ने शुभम कुमार झा के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समान अवसर, सम्मान और प्रोत्साहन मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी प्रतिभा को पहचानकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि समावेशी समाज का निर्माण तभी संभव है, जब हर बच्चे को उसकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले।

ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना, सहयोग, समानता और नेतृत्व के गुण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं !कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि प्रत्येक बच्चे में विशेष प्रतिभा होती है और सामूहिक प्रयासों से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें अपनी क्षमताओं के प्रदर्शन के पर्याप्त अवसर दिए जा सकते हैं।

बायोपिया मुक्त झारखंड की दिशा में गांडेय में बड़ी पहल

100 जरूरतमंदों को मिले चश्मे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गांडेय प्रखंड में बायोपिया मुक्त झारखंड की दिशा में इनसाईट प्रोग्राम की शुरूआत की गई। जिला प्रशासन और थे /न्यूडगे संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त रामनिवास यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान करीब 100 जरूरतमंद लाभुकों के बीच चश्मे वितरित किए गए। उपायुक्त ने कहा कि नजदीक की स्पष्ट दृष्टि का सीधा संबंध पढ़ाई, काम, रोजगार और आजीविका से है। उन्होंने कहा कि नजदीक की नजर साफ होगी तो बेहतर पढ़ाई, बेहतर काम और बेहतर कमाई की राह आसान होगी। उन्होंने अधिकारियों और सहयोगी संस्था को निर्देश दिया कि अभियान का लाभ अधिक से अधिक पात्र एवं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाए।उपायुक्त ने बताया कि गांडेय विधायक कल्पना

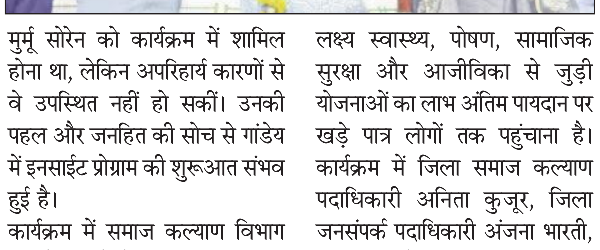

मुर्मू सोरेन को कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वे उपस्थित नहीं हो सकीं। उनकी पहल और जनहित की सोच से गांडेय में इनसाईट प्रोग्राम की शुरूआत संभव हुई है।

कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के तहत छह चयनित लाभुकों की गोद भराई और पांच बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य स्वास्थ्य, पोषण, सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़ी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े पात्र लोगों तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अंजना भारती, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कौशिक अप्पू, गांडेय के बीडीओ सीओ, प्रखंड प्रमुख, जनप्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी-कर्मी मौजूद रहे।

ग्रामीणों की आवाज बनी प्रशासन की प्राथमिकता

लोक संवाद में उठे मामलों पर उपायुक्त ने की कार्रवाई की समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गोमिया प्रखंड के सियारी पंचायत में आयोजित लोक संवाद में ग्रामीणों द्वारा उठाए गए मामलों के निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से एक-एक मामले की जानकारी लेते हुए लंबित मामलों का त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, उप निदेशक सह डीपीआरओ रवि कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी सुचिता किरण, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि लोक संवाद का उद्देश्य केवल ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना नहीं, बल्कि उनके समाधान के माध्यम से पंचायत के विकास एवं ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि लोक संवाद में प्राप्त प्रत्येक मामले पर कार्रवाई की स्पष्ट प्रक्रिया एवं समय-सीमा निर्धारित करते हुए निष्पादन सुनिश्चित करें।

डुमरी बिरहोर विद्यालय को उच्च विद्यालय में अपग्रेड करने की कार्रवाई

ग्रामीणों द्वारा मध्य विद्यालय डुमरी बिरहोर को उच्च विद्यालय में अपग्रेड करने की मांग की गई थी। समीक्षा के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि विद्यालय को उच्च विद्यालय में अपग्रेड करने हेतु जिला स्तर से राज्य सरकार को प्रस्ताव भेज दिया गया है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विद्यालय के अपग्रेड होने तक बच्चों को गोमिया प्रखंड मुख्यालय स्थित विद्यालयों में आने-जाने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत स्कूल बस की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

सड़क एवं पुल की समस्याओं के समाधान में तेजी लाने का निर्देश

धमदरबा-कासीटॉड से बिरहोरडेरा गांव जाने वाली सड़क, डुमरी से बड़कीकोयाटांड़ सड़क तथा तुलबुल-ढेंढे-सियारी सड़क पर क्षतिग्रस्त पुल से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की। उपायुक्त ने विशेष प्रमंडल की टीम को 30 अगस्त तक स्थल का सर्वे कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने आवश्यकतानुसार अनटाइड फंड के माध्यम से भी कार्य कराने की दिशा में कार्रवाई करने को कहा। इस संबंध में जिला योजना पदाधिकारी श्री राज शर्मा को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

वनाधिकार के तहत पात्र ग्रामीणों को वन पट्टा दिलाने की पहल

ग्रामीणों द्वारा वनाधिकार के तहत पट्टा उपलब्ध कराने की मांग पर उपायुक्त ने कहा कि यह क्षेत्र आदिवासी एवं मूल निवासी सामाजिक समरसता का सुंदर उदाहरण है। उन्होंने निर्देश दिया कि सामूहिक वन अधिकार के तहत पात्र लोगों को वन पट्टा उपलब्ध कराने के लिए ग्रामसभा आयोजित कर आवश्यक प्रस्ताव पारित कराया जाए। साथ ही वन अधिकार कानून के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया।

जर्जर आवासों की मरम्मत एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर जोर

उपायुक्त ने गोमिया प्रखंड क्षेत्र के चिह्नित गांवों में जर्जर प्रधानमंत्री आवास वाले पात्र परिवारों के आवास की मरम्मत/स्वीकृति के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोमिया श्री महादेव महतो को दिया। ग्रामीणों द्वारा स्वास्थ्य एवं एम्बुलेंस की सुविधा की मांग पर उपायुक्त ने आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया। साथ ही सीएसआर के तहत ओएनजीसी के माध्यम से एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई करने को कहा।

ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर

ग्रामीणों द्वारा पत्तल निर्माण, सिंचाई की व्यवस्था तथा रस्सी निर्माण के लिए मशीन उपलब्ध कराने की मांग पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सकारात्मक पहल करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को स्थानीय स्तर पर रोजगार से जोड़ने तथा पत्तल एवं रस्सी निर्माण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक मशीन एवं संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई करने को कहा।

टीवीएनएल से संबंधित मामलों के समाधान के लिए त्रिस्तरीय वार्ता

सियारी पंचायत के ग्रामीणों द्वारा टीवीएनएल द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान सहित अन्य समस्याओं से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्रीमती अनुराधा कुमारी को निर्देश दिया कि टीवीएनएल द्वारा कितनी भूमि का अधिग्रहण किया गया, मुआवजा भुगतान का दर तथा पूर्व में किए गए भुगतान से संबंधित विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर उपलब्ध कराया जाए, ताकि ग्रामीणों के साथ बैठक कर वस्तुस्थिति स्पष्ट की जा सके। उन्होंने टीवीएनएल प्रबंधन, जिला प्रशासन एवं विस्थापित ग्रामीणों के बीच त्रिस्तरीय वार्ता आयोजित कर समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सियारी को मॉडल पंचायत के रूप में विकसित करने पर जोर

उपायुक्त ने सियारी पंचायत को मॉडल पंचायत के रूप में विकसित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने पंचायत के युवाओं के लिए विशेष कोचिंग की व्यवस्था, विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने तथा ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही सीएसआर के माध्यम से औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा सियारी पंचायत को गोद लेने की संभावना पर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश सीएसआर नोडल पदाधिकारी को दिया।

कम्युनिटी फार्मिंग को बढ़ावा देने का निर्देश

उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित ग्रामीण प्रतिनिधियों से गांव में कम्युनिटी फार्मिंग, इंटीग्रेटेड फार्मिंग एवं ऑफ-ऑन फार्मिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की आय में वृद्धि के लिए कृषि के साथ-साथ अन्य आजीविका गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

सियारी को नशामुक्त पंचायत बनाने की अपील

उपायुक्त ने सियारी पंचायत को नशामुक्त पंचायत बनाने के लिए ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने गांव में नशामुक्ति संबंधी जागरूकता बोर्ड लगाने, युवाओं की यूथ ब्रिगेड तैयार करने तथा गांव में किसी भी प्रकार के नशे के सेवन को रोकने के लिए सामुदायिक स्तर पर पहल करने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय चेतना एवं सांस्कृतिक समिति का गठन कर प्रत्येक सप्ताह जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। साथ ही पंचायत में संचालित सकारात्मक गतिविधियों एवं ग्रामीणों की उपलब्धियों को प्रचारित-प्रसारित करने को लेकर एसएचजी दीदी को पत्रकार दीदी के रूप में कार्य पर जोर दिया। उपायुक्त ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को लोक संवाद में प्राप्त मामलों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक मामले की नियमित समीक्षा करते हुए कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बीएसएल ने कोल डस्ट इंजेक्शन प्रणाली की 'इन-हाउस कमीशनिंग' से हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

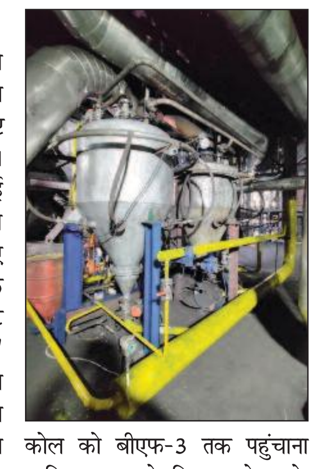

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट ने अपनी तकनीकी दक्षता, स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। बीपीएससीएल (बोकारो पावर सप्लाई कंपनी प्राइवेट लिमिटेड) से पुल्वराइज्ड कोल (बारीक पिसे हुए कोयले) को ब्लास्ट फर्नेस-3 तक पहुंचाने वाली अत्याधुनिक 'कोल डस्ट इंजेक्शन न्यूमैटिक कन्वेयिंग प्रणाली' का सफलतापूर्वक इन-हाउस कमीशनिंग किया है। यह उपलब्धि संयंत्र में ईंधन के अधिक कुशल उपयोग, परिचालन दक्षता में वृद्धि और उत्पादन लागत को अनुकूलित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को 15 अगस्त 2026, देश के गौरवपूर्ण दिवस पर अंतिम रूप दिया गया।

रणनीतिक आवश्यकता से साकार हुई परियोजना

इस परियोजना की शुरूआत ब्लास्ट फर्नेस-4 एवं 5 में कोल डस्ट की लगभग 10 टन प्रति घंटा आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से की गई थी। हालांकि, इऋ5 के रणनीतिक डीकमीशनिंग के प्रस्ताव के आलोक में परियोजना को पुनः अभिकल्पित कर नवनीकृत बीएफ-3 के लिए अनुकूलित किया गया। गौरतलब है कि वर्तमान में इऋ3 में कोल मिलिंग सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह प्रणाली बीएफ-3 तक पुल्वराइज्ड कोल की नियमित, नियंत्रित एवं विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीकी समाधान के रूप में विकसित की गई है।

जटिल इंजीनियरिंग कार्य का सफल निष्पादन

परियोजना के अंतर्गत बीपीएससीएल के कोल हैंडलिंग प्लांट में सड़क मार्ग से कोयले की आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए डम्पर रैंप का निर्माण किया गया। इसके साथ ही मौजूदा कन्वेयर प्रणाली में आवश्यक संशोधन एवं उन्नयन भी किए गए। प्रणाली में 1.4 घन मीटर क्षमता वाले दो ब्लो टैंक स्थापित किए गए हैं। ये टैंक सात-चरणीय स्वचालित चक्र के माध्यम से कोल डस्ट की निरंतर और नियंत्रित आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। परियोजना की प्रमुख इंजीनियरिंग चुनौतियों में लगभग 650 मीटर लंबी डी एन 250 पाइपलाइन के माध्यम से पुल्वराइज्ड कोल को बीएफ-3 तक पहुंचाना शामिल था। इसके लिए नाइट्रोजन के उच्च वेग और कोल डस्ट की सटीक मात्रा के बीच आवश्यक संतुलन स्थापित किया गया, ताकि पाइपलाइन में कोल डस्ट के जमाव अथवा अवरोध की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। BF-3 में पहुंचने के बाद कोल डस्ट को 24-वे स्प्लिट के माध्यम से विभिन्न ट्यूयर्स तक नियंत्रित एवं समान रूप से पहुंचाया जा रहा है।

क्षमता, सुरक्षा और स्वचालन पर विशेष जोर

15 अगस्त 2026 को किए गए कमीशनिंग परीक्षणों के दौरान प्रणाली ने निर्धारित 10 टन प्रति घंटा क्षमता के मुकाबले लगभग 15 टन प्रति घंटा की सैद्धांतिक कन्वेइंग क्षमता प्रदर्शित की। वर्तमान में इसकी वास्तविक क्षमता बीपीएससीएल की बॉल मिल की उत्पादन क्षमता पर निर्भर करती है। प्रणाली को आधुनिक स्वचालन एवं सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इसमें पीएलसी-आधारित स्वचालित संचालन, दो-चरणीय नाइट्रोजन प्रेशर रेगुलेशन तथा पर्जिंग प्रणाली शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं से प्रणाली के संचालन में अधिक सटीकता, विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ पाइपलाइन में अवरोध की संभावना को कम करने में सहायता मिलेगी।

कोक की खपत में कमी से लगभग 100 करोड़ वार्षिक बचत की संभावना

इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष इसका संभावित आर्थिक लाभ है। 0.85 के कोक रिप्लेसमेंट रेशियो के आधार पर कोल डस्ट इंजेक्शन प्रणाली के माध्यम से कोक के स्थान पर बारीक पिसे हुए कोयले का उपयोग किया जा सकेगा। इससे कोकिंग कोल पर होने वाले व्यय में लगभग 100 करोड़ प्रति वर्ष की संभावित बचत का अनुमान है। यह पहल न केवल संयंत्र की ईंधन अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाएगी, बल्कि उत्पादन लागत को अनुकूलित करने और बीएसएल की लागत-प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

मात्र चार माह में अवधारणा से कमीशनिंग तक का सफर

इस परियोजना का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह है कि अवधारणा तैयार करने से लेकर कमीशनिंग तक का पूरा कार्य मात्र चार माह में पूरा किया गया। इतने कम समय में जटिल इंजीनियरिंग, पाइपलाइन, विद्युत, ऑटोमेशन तथा अन्य संबद्ध कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करना बीएसएल टीम की तकनीकी क्षमता, उत्कृष्ट समन्वय, टीम भावना और समयबद्ध परियोजना निष्पादन का उल्लेखनीय उदाहरण है।

टीम बीएसएल के समर्पित प्रयासों का परिणाम

इस महत्वपूर्ण परियोजना का निष्पादन बीएसएल के निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक (संकार्य) के मार्गदर्शन तथा मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं) के नेतृत्व में किया गया। पाइपलाइन एवं इरेक्शन से संबंधित कार्यों में उप महाप्रबंधक (एसआईजीएस) जनीशर इमाम, सहायक महाप्रबंधक (जीयू) एस. डब्ल्यू. किस्पोट्टा, उप प्रबंधक (जीयू) आर. एन. देव तथा महाप्रबंधक (जीयू) वी. के. शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्युत संबंधी कार्यों को उप प्रबंधक (जीयू) मनीष स्नेही के नेतृत्व में पूरा किया गया। पीएलसी एवं स्वचालन प्रणाली के क्रियान्वयन में महाप्रबंधक (ईटीएल) बसंत केशव एवं उप महाप्रबंधक (ईटीएल) मंतोष कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके अतिरिक्त महाप्रबंधक अनुपम रॉय एवं सहायक महाप्रबंधक (सीआर-एम) वेंकटेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी परियोजना के सफल निष्पादन में उल्लेखनीय योगदान दिया। कोल डस्ट कन्वेइंग प्रणाली की यह उपलब्धि बीएसएल की स्वदेशी तकनीकी क्षमता, नवाचार, परियोजना प्रबंधन दक्षता और सामूहिक कार्य-संस्कृति का सशक्त प्रमाण है। एक जटिल तकनीकी चुनौती को परिचालन और आर्थिक लाभ में बदलने वाली यह परियोजना संयंत्र की दक्षता बढ़ाने, ईंधन लागत को अनुकूलित करने तथा लागत-प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

संक्षिप्त समाचार

राखी मेकिंग प्रतियोगिता और बिस्किट रेस का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तुपकाडीह स्थित किड्स आइलैंड पब्लिक स्कूल में बच्चों के बीच राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उप प्राचार्या श्रीमती प्रतिभा दुबे के नेतृत्व एवं गतिविधि प्रभारी हिमांशु कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए आकर्षक और मनमोहक राखियां तैयार कीं। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार बच्चों द्वारा बनाई गई इन राखियों को देश की रक्षा और सुरक्षा में तैनात जवानों को भेजा जाएगा। इस पहल के माध्यम से बच्चों में देशभक्ति और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। वहीं, विद्यालय में जूनियर वर्ग के बच्चों के बीच बिस्किट रेस का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया और खेल का भरपूर आनंद उठाया। बच्चों की गतिविधियों से विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। इस अवसर पर उप प्राचार्या प्रतिभा दुबे ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों के आयोजन से बच्चों में रचनात्मकता और कौशल विकास को बढ़ावा मिलता है। वहीं, खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से छोटे बच्चों को मनोरंजन के साथ शारीरिक विकास का भी अवसर मिलता है। विद्यालय की ओर से भविष्य में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी गतिविधियां आयोजित की जाती रहेंगी।

साइबर ठगी मामले में बिहार से आरोपी गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो साइबर थाना पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए बिहार के लखीसराय जिले से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान करीब 50 वर्षीय बिनोद चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार साइबर थाना कांड संख्या 14/2025, दिनांक 3 जून 2025 में कुल 4 लाख 74 हजार 630 रुपये की साइबर ठगी की गई थी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान आरोपी बिनोद चौधरी की संलिप्तता सामने आई। पूछताछ में आरोपी ने साइबर ठगी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते में ठगी की रकम में से 3 लाख 9 हजार 630 रुपये ट्रांसफर करवाए थे। इसके बाद एटीएम के माध्यम से उक्त राशि की निकासी की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 22 अगस्त 2026 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कार्रवाई साइबर थाना बोकारो की टीम और तकनीकी शाखा के सहयोग से की गई। बोकारो पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह के झांसे में आकर अपना पासबुक, एटीएम कार्ड या बैंक संबंधी जानकारी किसी अन्य व्यक्ति को न दें। साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

कोटपा एक्ट के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई, सभी थानों को अभियान चलाने का निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में सिगरेट, गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री एवं सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान के खिलाफ बोकारो पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने आज कार्यालय सभागार में कोटपा एक्ट के जिला नोडल अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, फूड इंस्पेक्टर और सभी थानों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने सिगरेट, गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री पर सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 यानी कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान को लेकर स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों के आसपास जन-जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने सार्वजनिक स्थलों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों से संबंधित विज्ञापन सामग्री पाए जाने पर उसे जब्त कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके लिए जिले के सभी थानों में एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। बैठक में निर्देश दिया गया कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री, विज्ञापन और प्रचार समेत कोटपा एक्ट के अन्य प्रावधानों के उल्लंघन के खिलाफ सभी थाना नोडल अधिकारी हर महीने कम से कम पांच अभियान चलाना सुनिश्चित करें।

द्वितीय एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग का आगाज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-4 स्थित मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में चल रही द्वितीय एन टी पी सी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता-2026 में शनिवार को जूनियर वर्ग की प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ हुआ। 19 से 26 अगस्त तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिभाशाली तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं। जूनियर वर्ग के पहले दिन बालक एवं बालिका रिकर्व तथा कंपाउंड वर्ग में करीब 250 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। हल्की बारिश के बीच भी खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और एकाग्रता के साथ निशाना साधा। रैंकिंग और एलिमिनेशन राउंड में खिलाड़ियों ने अगले चरण में जगह बनाने के लिए दमदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. लम्बोदर महतो, पूर्व विधायक सह अध्यक्ष, बोकारो जिला तीरंदाजी संघ ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की ऐसी प्रतियोगिताओं से युवा तीरंदाजों को अपनी प्रतिभा निखारने और बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। मौके पर भारतीय तीरंदाजी संघ के पर्यवेक्षक सह संयुक्त सचिव सुमन चन्द्र महंती, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुषमा देवी, बोकारो जिला तीरंदाजी संघ की सचिव एंजेला सिंह, उपाध्यक्ष अजय सिंह, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, स्वामी सत्यकृष्ण महाराज, नागमणि, समाजसेवी पंकज कुमार सहित संघ के पदाधिकारी, तकनीकी अधिकारी, प्रशिक्षक और खेलप्रेमी मौजूद रहे।

बाल विवाह और डिजिटल हिंसा के खिलाफ कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं को किया गया जागरूक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पेटरवार में 'सहयोगिनी' संस्था और 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन नेटवर्क' के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह एवं डिजिटल हिंसा के रोकथाम को लेकर एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं तेनुघाट थाना ओपी प्रभारी भजनलाल महतो ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं व बच्चियों के प्रति डिजिटल हिंसा तथा साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए हर स्तर पर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाना बेहद जरूरी है। विद्यालय की शिक्षिका सावित्री हेंब्रम ने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह कानूनी अपराध है। ऐसा मामला सामने आने पर तुरंत सरकारी टोल-फ्री नंबर, स्थानीय प्रशासन या बाल विवाह निषेध पदाधिकारी को सूचित करें। सहयोगिनी संस्था की कोषाध्यक्ष सूरजमनी देवी ने बताया कि संगठन 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन' के बैनर तले बोकारो जिले में बाल विवाह और मानव तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चला रहा है, जिसमें सरकारी योजनाओं से ग्रामीणों को जोड़ना प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि पूरे देश स्तर पर बाल विवाह तथा बाल तस्करी को लेकर के यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें स्थानीय जिला प्रशासन तथा सरकार की एजेंसी भी सहयोग कर रही है।

डीडीसी ने की एसबीएम और जल जीवन मिशन की समीक्षा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पीएचइडी के अभियंता, जिला-प्रखंड समन्वयक और पीएमयू टीम मौजूद रहे। डीडीसी ने अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रखंड में चयनित ओडीएफ प्लस मॉडल गांवों में कार्यों में तेजी लाई जाए और रोज की प्रगति रिपोर्ट पीएमयू के माध्यम से उपलब्ध कराई जाए। डीडीसी ने कहा कि कार्यों की रैंकिंग तैयार कर नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों को प्रोत्साहित किया जा सके। बैठक में शौचालयों के रेट्रोफिटिंग, लाभुकों की सूची के सत्यापन, भुगतान प्रक्रिया में तेजी और ट्रेजरी में लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे का निर्देश दिया।

न्यूज से पहले गुड न्यूज के लिए पहचान बनाएं विद्यालय : उपायुक्त

सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग से विद्यालयों की उपलब्धियों को दें व्यापक मंच

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ वीडियो संवाद के माध्यम से बैठक की। उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, इसके सकारात्मक उपयोग एवं विद्यालयों की डिजिटल उपस्थिति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया को नजर अंदाज करके नहीं चला जा सकता। विद्यालय अपनी सकारात्मक गतिविधियों, विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं उपलब्धियों को सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक मंच दें। उन्होंने कहा कि नकारात्मक खबरों में आने से पहले विद्यालय अपनी सकारात्मक गतिविधियों के लिए पहचान बनाएं। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर सोशल मीडिया रिस्पॉन्स एंड मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया गया है, जो जिले में सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी करेगी तथा सकारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने एवं आवश्यक मामलों में कार्रवाई के लिए प्रशासन को सुझाव देगी। इसी प्रकार प्रत्येक विद्यालय में तीन से चार सदस्यों की सोशल मीडिया कमेटी गठित की जाएगी। इसमें सोशल मीडिया की जानकारी रखने वाले शिक्षक एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। कमेटियों को सोशल मीडिया के बेहतर एवं जिम्मेदार उपयोग को लेकर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

विद्यालय की अच्छी गतिविधियों को बनाएं गुड न्यूज

उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय की प्रार्थना सभा, भाषण प्रतियोगिता, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विद्यार्थियों की उपलब्धियां एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों की छोटी वीडियो क्लिप तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा करें। विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय के लिए सोशल मीडिया नेटवर्क एवं ग्रुप बनाकर अच्छी गतिविधियों को साझा किया जाए।

सोशल मीडिया पर डिफेंसिव नहीं, प्रोएक्टिव रहें

उपायुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया पर डिफेंसिव नहीं, प्रोएक्टिव अप्रोच अपनाएं। किसी नकारात्मक या भ्रामक सामग्री का इंतजार करने के बजाय सही तथ्य एवं सकारात्मक गतिविधियों को तत्काल साझा करें, ताकि गलत सूचना के प्रभाव को कम किया जा सके। उन्होंने बाहरी व्यक्तियों के विद्यालय प्रवेश अथवा विद्यार्थियों से बातचीत/रिकॉर्डिंग के दौरान संयम बरतने तथा निर्धारित प्रक्रिया एवं अनुमति का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अनावश्यक विवाद अथवा ऐसी परिस्थिति उत्पन्न न होने दें, जिसका गलत संदर्भ में प्रसार हो सके।

बोकारो पुलिस ने दो थाना क्षेत्रों में हुई चोरी का किया खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं का संयुक्त रूप से खुलासा किया है। बेरमो एसडीपीओ के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई में पुलिस ने दोनों मामलों में कुल पांच आरोपियों को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों में एक विधि-विरुद्ध बालक भी शामिल है। पहला मामला कसमार थाना क्षेत्र के मोचरो गांव स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप का है। 18 अगस्त की रात चोरों ने करीब 400 मीटर 95 एमएम का केबल तार चोरी कर लिया था। शिकायत के बाद कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर छापेमारी की। इस दौरान सेक्टर-3 निवासी दिगम्बर कुमार पांडेय और जैनामोड़ निवासी चंदन कुमार दुबे को गिरफ्तार किया गया।

फायर सेफ्टी मानकों के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेंस के साथ करें कार्रवाई : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के होटल एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों की समीक्षा करते हुए फायर सेफ्टी मानकों के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेंस के साथ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फायर सेफ्टी सीधे लोगों के जीवन एवं सुरक्षा से जुड़ा विषय है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। वीडियो संवाद के माध्यम से आहूत बैठक में 47 होटल/प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समीक्षा में पाया गया कि ज्यादातर प्रतिष्ठानों में प्रवेश एवं निकास के लिए एक ही साझा मार्ग है। वहीं, प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी/प्रशिक्षित फायर सेफ्टी कर्मी भी उपलब्ध नहीं है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी प्रतिष्ठानों में फायर एनओसी, नेशनल बिल्डिंग कोड, आपातकालीन निकास, बेसमेंट के उपयोग, पहुंच मार्ग एवं अन्य निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की जाए। निरीक्षण में पाई गई कमियों एवं उनके सुधार के संबंध में स्पष्ट रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया।

नोटिस कर सात दिनों में कार्रवाई की दें रिपोर्ट

उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी चास को निर्देश किया कि निर्धारित मानकों के अनुपालन नहीं करने के आधार पर चिन्हित प्रतिष्ठानों के संचालकों को नोटिस देकर सात दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित उन्होंने कहा कि पूरी कार्रवाई चरणबद्ध, पारदर्शी एवं नियमसम्मत तरीके से की जाए तथा प्रत्येक कार्रवाई का विधिवत रिकॉर्ड रखा जाए।

कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी, हॉस्टल एवं सरकारी संस्थान भी होंगे जांच के दायरे में

उपायुक्त ने कहा कि फायर सेफ्टी जांच का दायरा बढ़ाते हुए कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी, हॉस्टल, शैक्षणिक संस्थानों में भी अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। उन्होंने फायर सेफ्टी निरीक्षण को हर दो माह में नियमित रूप से कराने का निर्देश दिया, ताकि कमियों की पहचान कर समय रहते सुधार कराया जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अग्नि सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं किया जा सकता। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com